A Daily News Magazine
इंदौर
सोमवार, 13 मई, 2024

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 205 , नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्या: MP/IDC/1529/2016-2018)

पहली बात

‘भाजपा’ के खिलाफ ‘भाजपा’ के शस्त्रागार का इस्तेमाल

उमेश त्रिवेदी
संपादक

9893032101

इक्कीस दिन के लिए अंतरिम जमानत पर तिहाड़ जेल से सशर्त रिहा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पहले राजनीतिक भाषण के नए अंदाज ने चुनाव अभियान की हेड-लाइन्स के तेवरों को बदल दिया है। लोकसभा का लगभग आधा चुनाव खत्म हो जाने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को कुछ प्रतिबंधों के साथ चुनाव अभियान के आखिरी दौर याने कोई तीन सप्ताह तक चुनाव प्रचार में भाग लेने की इजाजत दी है। चुनाव में भाग लेने देने की सुप्रीम कोर्ट की यह इजाजत ही देश में लोकतंत्र के रूबरू खड़ी चुनौतियों के बारे में काफी कुछ बयां करती है। मोदी-सरकार के कार्यकलापों पर सुप्रीम कोर्ट की इस खामोश प्रतिक्रिया की अनुगूंज और उसका दर्द सत्ता के गलियारों में स्पष्ट महसूस हो रहा है।

चुनाव अभियान में भाग लेने की इजाजत मिलते ही अरविंद केजरीवाल तुरत-फुरत मैदान में उतर भी आए हैं। राजनीतिक पर्यवेक्षक जेल की सीखचों के बाहर उनके पहले भाषण का विश्लेषण चुनाव अभियान के मौजूदा दौर में होने वाली तकरीरों में सबसे उम्दा तकरीर के रूप में कर रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने जिस तरीके से मौजूदा मोदी-सरकार पर जो शाब्दिक-आक्रमण किया है, भाजपा के लिए उसका जवाब देना आसान नहीं है। अरविंद केजरीवाल ने इंडिया गठबंधन व्दारा भाजपा के खिलाफ जारी चुनाव अभियान के कंटेंट को नए तेवर दिए हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कार्य प्रणाली और भाजपा के आंतरिक विरोधाभासों को एड्रेस करने वाली अरविंद केजरीवाल की यह शब्दावली भाजपा के रणनीतिकारों को असहज करने वाली है। अरविंद केजरीवाल ने खासतौर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की राजनीतिक नैतिकता और शुचिता को कठघरे में खड़ा करने का प्रयास किया है। केजरीवाल का आरोप है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत को ‘वन नेशन,वन लीडर’ में बदलने के खतरनाक मिशन पर काम कर रहे हैं।

केजरीवाल की मोदी-विरोधी थीसिस का एक पहलू यह भी है कि अपने मिशन को अंजाम देने के लिए नरेन्द्र मोदी विपक्षी नेताओं के साथ भाजपा के वरिष्ठ नेताओं को भी अपनी राजनीतिक शिकार बनाएंगे। मोदी चाहते हैं कि सभी विपक्षी नेताओं को जेल में डाल दिया जाए और सभी वरिष्ठ भाजपा-नेताओं की राजनीति खत्म कर दी जाए। अगला चुनाव जीतने के बाद उनके इरादे खतरनाक हैं। उन्होने अभी सिर्फ मुझे और सोरेन को जेल में डाला है। अगला चुनाव जीतने के बाद वो तेजस्वी यादव, ममता बेनर्जी, पिनाराई विजयन, उद्धव ठाकरे जैसे सभी नेताओं को जेल में डाल देंगे।

भाजपा की राजनीतिक अंतर्कथा का खुलासा करते हुए केजरीवाल ने कहा कि मोदी-शाह की जोड़ी ने पहले लालकृष्ण आडवाणी, फिर मुरलीमनोहर जोशी, सुमित्रा महाजन को राजनीतिक वनवास में भेजा। फिर यशवंत सिन्हा को अलग-थलग कर दिया। उसके बाद क्षेत्रीय नेताओं में रमन सिंह, वसुन्धरा राजे सिंधिया का मुख्य धारा से काट दिया। मध्य प्रदेश में भाजपा की जीत की नींव ऱखने वाले शिवराज सिंह चौहान को भी उन्होंने नहीं बख्शा। उन्हें मोदी ने मुख्यमंत्री क्यों नहीं बनने दिया? भाजपा के सारे राजनीतिक दिग्गजों को ठिकाने लगाने के बाद अब उनका निशाना उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं। केजरीवाल ने कहा कि मैं गारंटी लेता हूं कि यदि मोदी येन-केन-प्रकारेण लोकसभा का चुनाव जीत गए, तो जीतने के दो महिनों में वो योगी आदित्यनाथ को उनके पद से हटा देंगे।

जाहिर है अरविंद केजरीवाल अपने चुनाव अभियान में भाजपा के आंतरिक असंतोष के अंतर्प्रवाहों को हवा देना चाहते हैं। यह सियासी सच जग जाहिर है कि केजरीवाल ने जिन नेताओं का उल्लेख किया है, भारतीय जनता पार्टी की मुख्य धारा में वो सभी आज हाशिए पर खड़े हैं। उन्हें यह भी पता नहीं है कि उन्हें किन गुनाहों के कारण राजनीतिक वनवास में ढकेला गया है? केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राजनीतिक आँधी के सामने शुतुरमुर्गी मुद्रा अख्तियार करने वाले इन नेताओं की मनोदशा को कुरेदने का प्रयास किया है।

केजरीवाल ने अपने तर्कों को उत्प्रेरित करने की गरज से यह भी कहा है कि पचहत्तर साल की आयु-सीमा के नाम पर कई वरिष्ठ नेताओं को अनिवार्य सेवानिवृत्ति देने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगले साल पचहत्तर साल के हो जाएंगे। नैतिक सवालों से मोदी की घेराबंदी करते हुए केजरीवाल कहते हैं कि याने वो अगले साल निवृत्त होने वाले हैं। याने वो प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे याने वो अमित शाह को देश का प्रधानमंत्री बनाना चाहते हैं? क्या अमित शाह मोदी की ग्यारंटी पूरा करेगें? केजरीवाल चतुराई से अपनी बात को यहीं छोड़ देते हैं, ताकि आम जनता और भाजपा कार्यकर्ता उसक सिरे टटोलते रहें।

केजरीवाल की शैली में छिपे कूट-तत्व और कटाक्ष प्रधानमंत्री मोदी को खासतौर से आहत और असहज करने वाले हैं। आरोपों की फेहरिस्त संगठन के संस्कारों और सत्ता के सरोकारों के बीच भाजपा में जारी टकराहट को उजागर करती है। केजरीवाल की भाषा भाजपा के राजनीतिक गलियारों में सरकारी शोरशराबे के पीछे नए-पुराने कार्यकर्ताओं के बीच असमंजस और अंर्तद्वंद्व का चतुर सियासी चित्रांकन है। मोदी-टीम को भाजपा के नाम पर भाजपा की इस चतुर घेराबंदी का उत्तर देने के लिए विवश होना पड़ा है। मोदी खुद इसका जवाब देने के लिए भले ही आगे नहीं आए हों, लेकिन गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा को उसी समय आरोपों का प्रतिकार करना पड़ा कि मोदी अपना कार्यकाल पूरा हर हाल में करेंगे। लेकिन केजरीवाल के बाकी आरोपों पर खामोशी का सबब केजरीवाल के प्रश्नचिन्हों को मेग्नीफाय करता है। याने बात निकलेगी तो दूर तलक जाएगी...।

मोदी बोले-संदेशखाली की बहनों को डराया जा रहा है

कोलकाता (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के बैरकपुर और हुगली में रैली की। उन्होंने कहा- बंगाल में टीएमसी की सरकार में राम का नाम नहीं लेने दिया जाता। रामनवमी नहीं मनाने दी जाती। सीएए का विरोध किया जाता है। ये तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति करते हैं। प्रधानमंत्री ने हाल ही में संदेशखाली में यौन उत्पीड़न के मामले में कथित वीडियो पर कहा- पहले टीएमसी की पुलिस ने बचाया। अब टीएमसी ने एक नया खेल शुरू किया है। टीएमसी के गुंडे संदेशखाली की बहनों को डरा रहे हैं, धमका रहे हैं। सिर्फ इसलिए कि अत्याचारी का नाम शाहजहां शेख है। मोदी ने कहा- यहां की तस्वीर बता रही है कि बंगाल में इस बार एक अलग माहौल है। कुछ अलग होने जा रहा है। कांग्रेस और इंडी अलायंस की वजह से पूर्वी भारत पिछड़ा रह गया।

सीएम यादव बोले

नोटा कोई चुनाव चिन्ह नहीं आक्रोश जताने का ऑप्शन है

भोपाल (नप्र)। चौथे चरण के मतदान के एक दिन पहले सीएम डॉ. मोहन यादव ने रविवार को राज्यपाल मंगू भाई पटेल से मुलाकात की। सीएम और राज्यपाल के बीच करीब 15 मिनट तक चर्चा हुई। गवर्नर से मुलाकात के बाद सीएम डॉ. मोहन यादव ने मीडिया से चर्चा में गर्मी के मौसम में पेयजल, गेहूं खरीदी और लॉ एंड ऑर्डर के मुद्दों पर चर्चा हुई है।

- **राज्यपाल से मिलने के बाद कहा- कांग्रेस पराजय की लड़ाई लड़ रही**

सीएम बोले-नोटा आक्रोश व्यक्त करने का तरीका- इंदौर में कांग्रेस द्वारा नोट पर वोट देने की अपील करने पर सीएम ने कहा- नोटा कोई चुनाव चिन्ह नहीं है। कांग्रेस ने पहले अपना प्रत्याशी खोया। फिर अपनी बुद्धि खो रही है। उन्हें शर्म आनी चाहिए नोटा के ऊपर कोई वोट डलता है क्या? नोटा कोई चुनाव चिन्ह नहीं है। नोटा ऑप्शन है अपना आक्रोश व्यक्त करने का। इसका मतलब ये है कि यदि कांग्रेस हारती है तो वह निर्वाचन के खिलाफ जाती है।

राज्यपाल से इन मुद्दों पर हुई चर्चा

राज्यपाल से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा मेरी राज्यपाल जी से मुलाकात हुई है गर्मी के मौसम में पेयजल के विषय पर चर्चा हुई है। पूरे प्रदेश में पेयजल का लेकर प्रबंध किया है जहां दिक्कत है वहां व्यवस्था करने को कहा है किसी भी नगर और गांव में पीने की पानी की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। मुझे इस बात का संतोष है कि जो हमने प्रबंध किए हैं ऐसी कोई बहुत बड़ी परेशानी सामने नहीं आई।

गेहूं उर्पाजन को लेकर हुई बात

सीएम ने कहा- अभी गेहूं उपार्जन का भी सीजन चल रहा है। गेहूं के बाजार में भी अच्छे भाव हैं। स्वाभाविक रूप से जितना गेहूं मिल सकता है उतना प्रयास हम कर रहे हैं। केन्द्र सरकार और केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है जितना गेहूं आप खरीदेंगे उतना हम लेंगे।

चौथे चरण में 8 लोकसभा क्षेत्रों में मतदान आज

3080 मतदान केंद्र संवेदनशील, इंदौर में सबसे ज्यादा 25 लाख वोटर, उज्जैन में सबसे कम

भोपाल/इंदौर/उज्जैन (नप्र)। लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में आज 13 मई को मध्य प्रदेश के 8 संसदीय क्षेत्रों में वोट डाले जाएंगे। प्रदेश में आम चुनाव का यह अंतिम चरण है। 8 सीटों पर 74 उम्मीदवार मैदान में हैं। कुल 1 करोड़ 63 लाख 70 हजार 654 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। 3080 मतदान केंद्र संवेदनशील और 53 केंद्र अति संवेदनशील हैं।

प्रदेश में आम चुनाव के चौथे चरण में इंदौर, खरगोन, देवास, उज्जैन, मंदसौर, रतलाम, धार और खंडवा में मतदान होगा। इसमें सीएम मोहन यादव का ग्रह जिला उज्जैन भी शामिल हैं, जहां मतदान होना है।

इंदौर क्षेत्र में सबसे ज्यादा 25 लाख 26 हजार 803 वोटर हैं। उज्जैन में सबसे कम 17 लाख 98 हजार 704 वोटर हैं।

2001 मतदान केन्द्र महिला कर्मचारी संचालित करेंगी

मप्र के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने चौथे चरण के मतदान की तैयारियों पर जानकारी देते हुए बताया चौथे चरण में 8 लोकसभा क्षेत्रों में 18007 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। 2001 मतदान केन्द्र महिला कर्मचारी संचालित करेंगी। वहीं 946 आदर्श मतदान केंद्र बनाए गए हैं। 66 मतदान केंद्र दिव्यांगों द्वारा संचालित किए जाएंगे। 3080 मतदान केंद्र अति संवेदनशील के तौर पर चिह्नित किए गए हैं। 53 केंद्र को अति संवेदनशील हैं। 130 लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है। संवेदन शील और अति संवेदन शील मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इतंजाम किए गए हैं। इन मतदान केंद्रों पर वीडियोग्राफी कराई जाएगी।

इंदौर क्या गोपालगंज का ‘नोटा’ का रिकॉर्ड तोड़ेगा !

टिप्पणी

हेमंत पाल

लेखक ‘सुबह सवेरे’ इंदौर के स्थानीय संपादक है।

इंदौर में इस बार लोकसभा चुनाव की कोई रौनक नहीं बची। न चुनावी सभा हुई, न प्रचार और न जनसम्पर्क हुआ। कांग्रेस का कोई उम्मीदवार मुकाबले में नहीं है। दर्जनभर से ज्यादा निर्दलीय उम्मीदवारों के सामने सिर्फ भाजपा उम्मीदवार ही बचा। अब माहौल की रोचकता इस बात की है, कि ‘नोटा’ में कितने वोट पड़ते हैं! क्या इंदौर बिहार की गोपालगंज सीट का रिकॉर्ड तोड़ सकेगा!

जब पूरे देश में चुनाव की सरगर्मी पूरे शबाब पर है, देश के अनोखे कहे जाने वाले शहर इंदौर में राजनीतिक सन्नाटा है। कोई चुनावी हलचल नहीं, कोई प्रचार का शोर नहीं, कोई सभा नहीं और न कोई जनसंपर्क। इसलिए कि यहां लोकसभा चुनाव का कोई मुकाबला नहीं हो रहा। कांग्रेस का उम्मीदवार अक्षय बम मैदान छोड़कर भाग गया। वो न सिर्फ भागा, बल्कि प्रतिद्वंदी पार्टी भाजपा में शामिल जो गया। उसके इस पलायन से शहर में राजनीतिक हलचल ठंडी पड़ गई। दर्जनभर से ज्यादा निर्दलीय उम्मीदवारों के सामने भाजपा के उम्मीदवार शंकर लालवानी अकेले किला लड़ा रहे हैं। भाजपा अपने आपको इस घटनाक्रम से कितना भी दूर रखने की बात कहे, पर जो कुछ हुआ उसने पार्टी की साख को भी धक्का पहुंचाया। भाजपा को लगा था कि यह करने से पार्टी का यश बढ़ेगा और चुनाव में लाभ मिलेगा, मगर इससे मतदाताओं के बीच ग़लत संदेश गया।

भाजपा के सामने कांग्रेस और शहर के जागरूक नागरिकों ने ईवीएम मशीन में ‘नोटा’ का बटन दबाने की अपील करके माहौल को अलग दिशा में मोड़ दिया। उनकी ये अपील कितना असर दिखाती है, अभी इसका सच सामने आना बाकी है। लेकिन, यदि ‘नोटा’ का आंकड़ा 51660 से ऊपर निकला तो यह रिकॉर्ड इंदौर के नाम दर्ज हो जाएगा। अभी यह रिकॉर्ड बिहार के गोपालगंज संसदीय क्षेत्र के नाम है। स्वच्छता समेत कई नागरिक सुविधाओं के मामले में इंदौर का देश में नाम है। यदि चुनाव में ‘नोटा’ का बटन ज्यादा दबा तो रिकॉर्ड भी इस शहर के नाम लिखा जाएगा।

स्वच्छता, खानपान और अच्छी आबोहवा के लिए अपनी अलग पहचान रखने वाले इस शहर को अपनी राजनीतिक जागरूकता के लिए भी जाना जाता है। यहां से लगातार 8 बार भाजपा की सुमित्रा महाजन ने जीत दर्ज की और लोकसभा अध्यक्ष कुर्सी तक पहुंची। पिछ्ले (2019) लोकसभा चुनाव में भाजपा ने यहां से शंकर लालवानी को टिकट दिया और वे साढ़े 5 लाख से ज्यादा वोटों से चुनाव जीते। इस बार पार्टी ने फिर शंकर लालवानी को ही फिर मैदान में उतारा। दावा किया गया कि इस बार वे 8 लाख से जीत दर्ज करेंगे। सामान्य स्थिति में ये मुश्किल भी नहीं था। लेकिन, बदले हालात में ये आसान नहीं लग रहा। अब इस चुनाव में कोई मुकाबला नहीं रह गया। इस वजह से मतदाताओं में भी उत्साह नहीं बचा। इसका सबसे ज्यादा नकारात्मक असर मतदान पर पड़ेगा और भाजपा उम्मीदवार के 8 लाख से जीत का दावा ठंडा पड़ सकता है। क्योंकि, जब मतदान ही अनुकूल नहीं होगा तो जीत का अंतर भी कम ही रहेगा।

ऐसे में ‘नोटा’ को लेकर जिस तरह का हल्ला है, आश्चर्य नहीं कि इस बार मतदाता गोपालगंज का रिकॉर्ड ध्वस्त कर दें। इसका कारण यह भी है कि आम मतदाताओं को कांग्रेस उम्मीदवार का मैदान से हटना रास नहीं आ रहा। यहां तक कि भाजपा समर्थित मतदाताओं में भी नाराजी है। इसका प्रमाण है पूर्व सांसद सुमित्रा महाजन का एक बयान जिसमें उन्होंने कहा था कि मुझे कई लोगों ने फोन करके बताया कि वे इस बार ‘नोटा’ में वोट डालने का विचार कर रहे हैं। उन्होंने यह कि मुझे भी समझ नहीं आया कि भाजपा ने ऐसा क्यों किया। इंदौर में ‘नोटा’ के समर्थन का माहौल इतना है कि गली-गली और सड़कों पर नोटा के समर्थन में जुलूस निकाले गए। शहर में ऑटो रिक्शाओं पर नोटा का प्रचार किया जा रहा।

इस बात में कोई शंका-कुशंका नहीं कि इंदौर में भाजपा की जीत पहले से तय थी। कांग्रेस के उम्मीदवार अक्षय बम बेहद कमजोर थे। उत्सुकता सिर्फ इस बात की थी, कि वे भाजपा की लीड कम कर पाते है या नहीं! उन्होंने जिस तरह चुनावी शुरुआत की थी, लग रहा था कि जीत तो नहीं सकते, पर साढ़े 5 लाख की लीड कम कर सकते हैं। परंतु, उनके रणछोड़ दास बनने से ऐसे सारे अनुमान ध्वस्त हो गए। अब सारी उत्सुकता इस बात की है, कि ‘नोटा’ का आंकड़ा कहां जाकर ठहरता है। यदि 51660 से ज्यादा वोट ‘नोटा’ में गिरे तो गोपालगंज पीछे रह जाएगा और इंदौर आगे निकल जाएगा।

गोपालगंज ने क्यों बनाया रिकॉर्ड 2013 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद ‘नोटा’ का बटन ईवीएम पर आखिरी विकल्प के रूप में जोड़ा गया था। बिहार ने 2014 के लोकसभा चुनाव में इसका इस्तेमाल पहली बार किया। तब यहां 5,81,011 वोटरों ने यही विकल्प चुना। जबकि, दूसरे ही मौके पर 2015 के विधानसभा चुनाव में इससे काफी अधिक 9,47,279 लोगों ने यह बटन दबाकर बता दिया उन्हें वो नेता पसंद नहीं जो चुनाव लड़ रहे थे।

नोटा का मतलब यह है कि मतदाता किसी भी उम्मीदवार को योग्य नहीं पाने की स्थिति में नोटा का बटन दबा सकता है। 2019 में अकेले बिहार में इस बटन को दबाने वाले 8,17,139 वोटर थे, जो देश में सबसे अधिक है। गोपालगंज में सबसे ज्यादा 51,660 मतदाताओं ने नोटा का विकल्प चुना। यह अब तक सबसे ज्यादा है। नोटा का उपयोग बिहार सामान्य सीट पश्चिम चंपारण में भी खूब किया गया। जहां इस पर 45,699 वोट डाले गए। 2019 के चुनाव में बिहार के 2 प्रतिशत वोटरों ने इसे चुना तो विधानसभा चुनाव में 2.48 प्रतिशत मतदाताओं नेताओं को नकार दिया। हालांकि, नोटा को मिले वोट की संख्या सभी उम्मीदवारों को प्राप्त मतों की संख्या से अधिक हो तब भी उस उम्मीदवार को विजयी घोषित किया जाता है, जिसे चुनाव मैदान में उतरे सभी उम्मीदवारों से अधिक वोट मिले हैं।

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

मैं कविता नहीं
एक नयी सृष्टि
रच रहा हूँ

मैं कविता नहीं
एक नया जीवन
रच रहा हूँ

मैं कविता नहीं
तुम्हारा प्रेम
रच रहा हूँ

मैं कविता नहीं
प्राणों का राग
रच रहा हूँ

मैं कविता नहीं
मुक्ति का संग्राम
रच रहा हूँ

मैं कविता नहीं
भूखों की रोटी
रच रहा हूँ

मैं कविता नहीं
अपने आप को
रच रहा हूँ।

- दुर्गाप्रसाद झाला

भोपाल का तापमान

अधिकतम 40 °c | न्यूनतम 29°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ सोमवार, 13 मई 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

काशी में बड़ी तैयारी, पीएम मोदी का मेगा रोड शो आज

दिखेगी मिनी भारत की झलक,एक भारत-श्रेष्ठभारत का संदेश

वाराणसी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 मई को तीसरी बार वाराणसी से नामांकन करेंगे। भाजपा इससे एकजुटता दिखाने की कोशिश करेगी। एनडीए में शामिल सभी पार्टियों के लीडर मौजूद रहेंगे। 12 राज्यों के मुख्यमंत्री और 20 केंद्रीय मंत्री, यूपी सरकार के मंत्री और कई सांसद और विधायक शामिल होंगे। नामांकन से 1 दिन पहले पीएम बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से काशी विश्वनाथ मंदिर तक रोड शो करेंगे। भाजपा रोड शो में मिनी भारत की झलक दिखाएगी। गंगा किनारे बसे विभिन्न समाज के लोग अपनी संस्कृति के साथ स्वागत करेंगे। इससे पीएम देश-दुनिया को एक भारत श्रेष्ठ भारत का संदेश देंगे। पीएम काशी में पिछले 2 चुनावों में भी नामांकन के समय 2 रोड शो कर चुके हैं। यह तीसरा रोड-शो होगा, जिसे भाजपा मेगा रोड शो बनाने में जुटी है। नामांकन से पहले मोदी काशी विश्वनाथ धाम में षोडशोपचार विधि से पूजन करेंगे। फिर काल भैरव मंदिर में विशेष पूजा कर जीत का आशीर्वाद लेंगे। प्रधानमंत्री के लगभग 6 किलोमीटर लंबे रोड शो की शुरुआत शाम 4 बजे से होगी। प्रधानमंत्री वीआईपी गेस्ट हाउस से बीएचयू गेट पर पहुंचेंगे। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के बाहर महामना मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद रोड शो शुरू होगा। पीएम लंका चौराहे से सोनारपुरा, जंगमबाड़ी, गोदौलिया, बांसफाटक से होते हुए काशी विश्वनाथ धाम पहुंचेंगे। पीएम काशी विश्वनाथ मंदिर से चौक और मैदागिन पहुंचेंगे, जहां काल भैरव मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगे। वापसी में मलदहिया स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। पीएम के रोड शो के दौरान वाराणसी के प्रमुख मार्ग वाराणसी कैंट, शहर दक्षिणी और उत्तरी विधानसभा के क्षेत्र पड़ेंगे। प्रधानमंत्री के रोड शो को मेगा बनाने के लिए राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर के नेताओं की जिम्मेदारी तय की गई है। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल और गुजरात के वरिष्ठ नेता जगदीश पटेल काशी पहुंच चुके हैं।

- 14 को करेंगे नामांकन, 12 सीएम और 20 मंत्री होंगे शामिल

संक्षिप्त समाचार

समस्तीपुर में खड़गे के हेलीकॉप्टर की ली गई तलाशी

थानाध्यक्ष बोलीं-चुनाव आयोग के निर्देश पर की गई जांच

समस्तीपुर (एजेंसी)। समस्तीपुर संसदीय क्षेत्र के जितवारपुर हाउसिंग बोर्ड मैदान में आज कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। इसी बीच मुफस्सिल थानाध्यक्ष के नेतृत्व में उनके हेलीकॉप्टर की तलाशी ली गई। हालांकि, तलाशी के दौरान कुछ नहीं मिला। वहीं, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी के इस रवैये पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई है। राजद और कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं ने हेलीकॉप्टर की तलाशी का वीडियो बना लिया गया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

4 जून के बाद यूपी होगा माफिया मुक्त राज्य

- सीएम योगी का ऐलान, गरीबों में बांटी जाएगी इनकी सारी संपत्ति

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 के चुनाव प्रचार में जुटे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ माफियाओं और विरोधी दलों पर जुबानी हमला बोलने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। इसी बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा बयान दे दिया है। सीएम योगी ने 4 जून के बाद यूपी को माफिया मुक्त राज्य घोषित करने की बात कही है। सीएम योगी ने चेतावनी देते हुए कहा कि चार जून के बाद हमारी सरकार यूपी को माफिया मुक्त राज्य घोषित करने के लिए एक निश्चित कट-ऑफ तारीख देगी। साथ ही यह भी कहा कि सभी माफिया नेताओं की तरफ से अर्जित संपत्तियों को जब्त किया जाएगा।

भोपाल-जयपुर समेत 12 एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

ईमेल में एयरपोर्ट बिल्डिंग में बम प्लांट करने की कही बात

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी है। रविवार 12 मई को भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट के साथ ही दिल्ली, जयपुर, अहमदाबाद, लखनऊ, पटना, अगरतला, गुवाहाटी, जम्मू, औरंगाबाद, बागडोगरा और कालीकट एयरपोर्ट्स को भी बम से उड़ाने की धमकी ईमेल के जरिए मिली है। रविवार दोपहर करीब 3 पर भेजे गए ईमेल में एयरपोर्ट बिल्डिंग में बम प्लांट किए जाने की बात कही गई है। मैसेज भेजने वाले ने ग्रुप का नाम कोर्ट बताया है। भोपाल एयरपोर्ट प्रबंधन ने पुलिस को सूचना दे दी है। CISF के ऑफिशियल ई-मेल पर मेल कर भोपाल समेत देश के 12 एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। मेल में लिखा- एयरपोर्ट की बिल्डिंग में एक्सप्लोजिव डिवाइस लगा दी है। कुछ घंटों में ब्लास्ट होगा। इस मेल को आप धमकी मत समझिएगा। बम को निष्क्रिय कर दीजिए, नहीं तो कई निर्दोष लोगों की जान जाएगी।

धमकी के बाद सुरक्षाकर्मियों ने की सर्चिंग-धमकी मिलने के बाद भोपाल एयरपोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एयरपोर्ट पर तैनात सीआईएसएफ, पुलिस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉयड ने चप्पे-चप्पे की तलाशी ली। जांच में फिलहाल कुछ नहीं मिला है।

10 राज्यों की 96 लोकसभा सीटों पर आज होगी वोटिंग

5 केंद्रीय मंत्री, दो पूर्व क्रिकेटर मैदान में, 5700 करोड़ की संपत्ति वाला सबसे अमीर प्रत्याशी भी

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2024 लोकसभा चुनाव के चौथे फेज में कल सोमवार को 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 96 सीटों पर वोटिंग होगी। 2019 में इन सीटों पर सबसे ज्यादा भाजपा ने 42, वाईएसआर कांग्रेस ने 22, बीआरएस ने 9 और कांग्रेस ने 6 सीटें जीती थीं। अन्य को 17 सीटें मिली थीं। इस फेज में देश के दो सबसे अमीर प्रत्याशी मैदान में हैं। आंध्र प्रदेश के गुंटूर से टीडीपी प्रत्याशी के पास 5,705 करोड़ रुपए और तेलंगाना की चेवेल्ल सीट से भाजपा प्रत्याशी के पास 4,568 करोड़ रुपए की संपत्ति है। चुनाव आयोग के मुताबिक इलेक्शन के चौथे फेज में कुल 1,717 कैंडीडेट्स मैदान में हैं, जिनमें 1,540 पुरुष और 170 महिला उम्मीदवार हैं। इनमें महिलाएं केवल 10 फीसदी हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म (एडीआर) के मुताबिक, इस फेज के 1,710 उम्मीदवारों में से 21 फीसदी यानी 360 उम्मीदवार पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 476 यानी 28 फीसदी उम्मीदवार करोड़पति हैं। इनके पास एक करोड़ या उससे ज्यादा की संपत्ति है। 24 ने अपनी संपत्ति शून्य बताई है। 543 लोकसभा सीटों में तीसरे फेज तक 284 सीटों पर मतदान हो गया है। 13 मई तक कुल 380 सीटों पर मतदान पूरा हो जाएगा। बाकी 3 चरणों में 163 सीटों पर मतदान होगा। एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक, 274 कैंडीडेट ऐसे हैं जिन पर हत्या, किडनैपिंग जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं। इनमें से 17 उम्मीदवारों को किसी न किसी मामले में दोषी ठहराया गया है। 11 उम्मीदवारों पर हत्या और 30 पर हत्या की कोशिश के मामले हैं। 50 उम्मीदवारों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले दर्ज हैं। इनमें से 5 पर रेप का मामला भी दर्ज है।

रायबरेली में सपा विधायक के घर अचानक पहुंचे अमित शाह

- मनोज पांडेय ने छुए पैर, राज्यसभा चुनाव में की थी क्रॉस वोटिंग

प्रतापगढ़/ रायबरेली (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह रविवार को रायबरेली में अचानक सपा के बागी विधायक मनोज पांडेय के घर पहुंच गए। भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह भी उनके साथ रहे। सपा विधायक ने अपने आवास पर शाह का वेलकम किया।

बुके दिया और पैर छुए। बंद कमरे में मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक, शाह ने रायबरेली के चुनावी समीकरण को लेकर मनोज पांडेय से बातचीत की। मनोज पांडेय रायबरेली की ऊंचाहार विधानसभा से लगातार 3 बार से विधायक हैं। अखिलेश सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। ब्राह्मण वोट बैंक पर उनकी अच्छी पकड़ है।

भक्तिपथ

179 दिन बाद खुल गए 'बद्री विशाल' के कपाट

बद्रीनाथ (एजेंसी)। वैदिक मंत्रोच्चार और श्री बद्री विशाल लाल की जय के नारों के साथ रविवार को बद्रीनाथ धाम के कपाट खोले गए। इस दौरान 20 हजार से ज्यादा श्रद्धालु मौजूद थे। इससे पहले ब्रह्ममुहूर्त में मंदिर के बाहर गणेश पूजन हुआ। इसके बाद पुजारियों ने द्वार पूजा की। मंदिर का कपाट तीन चाबियों से खोला गया। कपाट खुलते ही पहले दर्शन अखंड ज्योति के हुए। यह 6 महीने से जल रही है। इसके बाद बद्रीनाथ पर चढ़ा हुआ घी से बना कंबल हटाया गया। जो 6 महीने पहले कपाट बंद होने के समय भगवान को ओढ़ाया जाता है। इस कंबल को प्रसाद रूप में बांटा जाएगा। मंदिर के कपाट पिछले साल 14 नवंबर को बंद हुए थे। यानी 179 दिन बाद बद्रीनाथ के कपाट खोले गए। चारधाम तीर्थ पुरोहित पंचायत के महासचिव डॉ. ब्रजेश सती ने बताया कि सुबह 6 से 8 बजे तक भगवान के बिना श्रृंगार के दर्शन किए गए। जिसे निर्वाण दर्शन कहते हैं। इसके बाद तकरीबन 8 बजे पहला जलाभिषेक हुआ और पहली पूजा प्रधानमंत्री के नाम से की गई।

9 बजे बालभोग लगाया गया। दोपहर 12 बजे पूर्ण भोजन का भोग लगेगा। ये ही भोग ब्रह्मकपाल भेजा जाएगा। भोग पहुंचने के बाद ही वहां पहला पिंडदान होगा। मंदिर को करीब 20 क्विंटल फूलों से सजाया गया है। पहले दिन दर्शन के लिए लगभग 20 हजार से ज्यादा लोग दर्शन के लिए पहुंचे। 11 मई की रात से ही हल्की बारिश होने लगी थी। इससे पहले मौसम विभाग ने 11 से 13 मई तक बारिश और बर्फबारी का अलर्ट जारी किया था। बद्रीनाथ धाम दर्शन के लिए 9 मई की शाम तक कुल 6 लाख 83 हजार लोगों के रजिस्ट्रेशन करवा लिया है। मंदिर कपाट का ताला तीन चाबियों से खुला।

- 6 महीने से जल रही अखंड ज्योति के हुए दर्शन, उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

कांग्रेस का दावा-हरियाणा की भाजपा सरकार अल्पमत में

- गवर्नर को 45 विधायकों की सूची दी; खट्टर बोले- जजपा के 6 बागी एमएलए हमारे साथ

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा में 3 निर्दलीय विधायकों के भाजपा सरकार से समर्थन वापस लेने के बाद कांग्रेस नायब सैनी की सरकार के अल्पमत में होने का दावा कर रही है। कांग्रेस विधायक और चीफ व्हिप भारत भूषण बतरा ने बताया कि विपक्षी दलों के 45 विधायकों के लेटर गवर्नर बंडारू दत्तात्रेय तक पहुंच चुके हैं। गवर्नर को भेजे गए लेटर में दावा किया गया है कि कांग्रेस के 30, जननायक जनता पार्टी के 10, निर्दलीय 4, इंडियन नेशनल लोकदल के एक विधायक फ्लोर टेस्ट की मांग कर चुके हैं। 90 सीटों वाली हरियाणा विधानसभा में अभी 88 विधायक हैं, इसलिए बहुमत का आंकड़ा 45 ही है। इधर, पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर ने कांग्रेस के दावे को खारिज किया है। उन्होंने कहा- जजपा के 10 में से 6 विधायक हमारे साथ हैं। मेरी जजपा के 3 बागी विधायकों के साथ मीटिंग भी हो चुकी है। वह लगातार फोन पर संपर्क में बने हुए हैं।

पाक अधिकृत कश्मीर का पाकिस्तान से उठा भरोसा

भड़की भीषण हिंसा की आग, अब तक 2 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में इन दिनों हालात अच्छे नहीं है। वहां के लोग आजादी की मांग करते हुए आंदोलन शुरू कर दिए हैं। बढ़ती महंगाई, भारी टैक्स, महंगी बिजली से लोग

परेशान हो चुके हैं। आंदोलन को रोकने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने, लाठी चार्ज करने और धारा 144 लगाने पड़े हैं। विरोध-प्रदर्शन और हिंसक घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों लोग घायल हो गये हैं। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि शनिवार को पुलिस कार्रवाई के विरोध में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की राजधानी मुजफ्फराबाद में जबर्दस्त हड़ताल रही। इस दौरान सभी दुकानें और व्यवसायिक प्रतिष्ठान और स्कूल-कॉलेज बंद रहे और आम जनजीवन प्रभावित रहा। पिछले दो दिनों से सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव चल रहा है। समाचार एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, पीओके कार्यकर्ता अमजद अयूब मिर्जा ने कहा कि पाकिस्तानी सेना निहत्थे नागरिकों पर गोलीबारी कर रही है और झड़पों में कम से कम दो लोग मारे गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हिंसा में एक पुलिस एसएचओ की मौत हो गई, जिसे कथित तौर पर प्रदर्शनकारियों ने पीट-पीटकर मार डाला। मिर्जा ने भारत सरकार से हस्तक्षेप का आह्वान करते हुए कहा कि स्थिति नियंत्रण से बाहर होती जा रही है और केंद्र अलग नहीं रह सकता। उन्होंने कहा, स्थिति नियंत्रण से बाहर होती जा रही है।

37 फीसदी का इजाफा होगा, इस साल 250 लाख करोड़ का बाजार तैयार

यूक्रेन-रूस व इजराइल-हमास युद्ध से बढ़ गई हथियारों की बिक्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया में छिड़े दो बड़े युद्धों से हथियार बाजार में गरमा-गरमी है। कोरोना काल के बाद भड़के यूक्रेन-रूस युद्ध और पिछले साल अक्टूबर में इजराइल-हमास युद्ध के बाद अब हथियारों का बाजार तैयार हो गया है। इस साल 250 लाख करोड़ रुपए के हथियारों की बिक्री होने की संभावना है। अब तक दुनिया में हथियारों का बाजार लगभग 183 लाख करोड़ रुपए का है। इस हिसाब से इस साल हथियारों की खरीद में 37 फीसदी तक की तेजी आने की संभावना जताई जा रही है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि ये आंकड़ा देशों के बीच होने वाले आधिकारिक हथियार सौदों के आंकड़ों से जुड़ा है। लेकिन दुनिया भर में अवैध रूप से हथियारों की ब्रिकी का नेटवर्क और बाजार भी है। इसमें कई देशों की सरकारें भी परदे के पीछे शामिल हैं। तीस साल में पहली बार यूरोप में हथियारों की खरीद में 13 फीसदी की वृद्धि हुई। फरवरी 2022 में छिड़ा यूक्रेन-रूस युद्ध दूसरे विश्व युद्ध के बाद यूरोप का पहला बड़ा युद्ध है। पिछले साल अक्टूबर में इजराइल-हमास युद्ध ने भी हथियारों की खरीद की रेस को बढ़ाया है। इजराइल के पास अपने बूते हथियारों का बड़ा जखीरा है, वहीं हमास के पक्ष में ईरान और खाड़ी के अन्य देशों ने अपने भंडारों को खोल दिया है। मल्टीपोलर वर्ल्ड ऑर्डर में गुटों की भूमिका खत्म हो रही है।

इजरायल की ताकत से घबराया 'कट्टर' इस्लामिक देश ईरान

परमामु बम की दे डाली धमकी,बड़ी जंग के मुहाने पर मध्य पूर्व!

तेहरान (एजेंसी)। गाजा में इजरायली अभियान के बीच कट्टर शिया इस्लामिक देश ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई के एक सलाहकार की टिप्पणी ने मध्य पूर्व में युद्ध के फैलने का खतरा बढ़ा दिया है। ईरानी अधिकारी ने कहा है कि अगर इजरायल उनक देश के अस्तित्व के लिए खतरा बना तो ईरान अपनी परमाणु नीति बदल देगा। उन्होंने कहा कि ईरान पर कोई खतरा उसे परमाणु हथियार न बनाने का अपना फैसला बदलने को मजबूर करेगा। ईरान अब तक कहता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है। हालांकि, इजरायल और पश्चिमी देश आरोप लगाते हैं कि ईरान परमाणु हथियार विकसित करने की कोशिश कर रहा है। खामनेई के सलाहकार कमाल खर्राजी ने कहा, हमने अभी तक परमामु बम बनाने का कोई निर्णय नहीं लिया है।

इंदौर में आधी रात को मर्डर

गाड़ी आगे लगाकर चाकुओं से हमला किया, दो हिरासत में, मुख्य आरोपी फरार

इंदौर (नप्र)। इंदौर में चुनाव प्रचार थमते ही शनिवार देर रात मर्डर हो गया। हत्या मालवा मिल पुल के पास हुई। मृतक का नाम रिंकू हार्डिया निवासी हुकुमचंद कॉलोनी है। पुलिस के मुताबिक उसकी हत्या विजयनाथ मराठा, उसके साथी मयंक और यश ने मिलकर की। पुलिस ने दो आरोपियों यश और मयंक को हिरासत में ले लिया है। मुख्य आरोपी विजय फरार है। इस हत्याकांड को अंजाम देते समय आरोपी आपस में गुत्थमगुत्था हुए। जिसमें मयंक के पैर पर भी चाकू लगा है। वह उपचार कराने अस्पताल पहुंचा। इस दौरान पुलिस मेडिकल परीक्षण कराने के बाद उसे हिरासत में ले लिया। परदेशीपुरा पुलिस के मुताबिक इस मामले में पुलिस ने हेमंत की शिकायत पर विजयनाथ मराठा उर्फ बच्चाराम, मयंक और यश पर हत्या का केस दर्ज किया है। हेमंत ने बताया कि शनिवार देर रात करीब 11.15 बजे रिंकू ने फोन किया। कहा कि उसने बहुत शराब पी ली है और वह चल नहीं पा रहा है। उसे मालवा मिल के पास से आकर ले जाए। उसके साथ मोनू मराठा और सुरेश मोरे हैं।

हेमंत करीब एक घंटे बाद 12.15 बजे वहां पहुंचा। एक्टिवा पर रिंकू को बैठाकर ले जाने लगा। तभी बाइक पर तीन से चार लड़के वहां पहुंचे। उन्होंने अपनी बाइक एक्टिवा के आगे लगा दी और रिंकू पर चाकू से हमला कर दिया। हेमंत ने विजय को धक्का दिया तो उसने मयंक को आवाज लगाकर कहा कि इसे (हेमंत को) भी चाकू मार दे। इस दौरान दोनों ने पकड़ने की कोशिश की।

इंदौर में मतदान सामग्री वितरण में दो की तबीयत बिगड़ी

पुलिसकर्मी को एमवाय अस्पताल भेजा गर्मी-उमस के कारण 50 से ज्यादा को समस्या

इंदौर (नप्र)। इंदौर लोकसभा निर्वाचन के लिए रविवार सुबह 5.30 बजे से ही मतदान दलों का नेहरु स्टेडियम पहुंचना शुरू हो गया है। पहला मतदान दल सुबह 6 बजे सामग्री लेकर रवाना हो गया। आज यानी सोमवार 13 मई को होने वाले मतदान की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। नेहरु स्टेडियम में तीन विशाल डोम बनाए गए हैं। सामग्री वितरण के लिए 2 हजार से अधिक अधिकारी-कर्मचारी को तैनात किया गया है। गर्मी के मद्देनजर स्टेडियम में 10 बेड का अस्थाई हॉस्पिटल भी बनाया गया है। गर्मी से निपटने के इंतजाम और अधिकारी-कर्मचारियों के खाने-पीने के भी इंतजाम किए गए हैं। रविवार को नेहरु स्टेडियम के आसपास ट्रैफिक इंतजाम भी बदले हैं।

सामग्री वितरण के दोरान नेहरू स्टेडियम में एक पुलिसकर्मी सुजीत वर्मा और एक कर्मचारी पुरुषोत्तम वाडगे की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें घबराहट होने पर असथायी अस्पताल में ले जाया गया। पुलिसकर्मी सुजीत का ब्लड प्रेशर बहुत ज्यादा हाई होने से उन्हें एमवाय अस्पताल रैफर किया गया। वहीं पुरुषोत्तम को अभी ऑब्जर्वेशन में रखकर ब्लड प्रेशर की मॉनिटरिंग की जा रही है।सामग्री वितरण

के दौरान पुलिसकर्मी पुलिसकर्मी सुजीत वर्मा की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें एमवायएच भेजा गया।इसके पूर्व पुलिस कर्मी रवीना जाट को लूज मोशन के कारण एमवाय अस्पताल रैफर किया गया। उद्योग विभाग के कर्मचारी विजय कुमार तिवारी का नेहरु स्टेडियम के नजदीक बाइक से एक्सीडेंट हो गया। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल रैफर किया गया है।दोपहर 1 बजे तक 50 से ज्यादा लोगों ने अस्थायी अस्पताल में सर दर्द और पेट दर्द की समस्या सामने आई। सभी का उपचार किया जा रहा है। बताई जिस पर उन्हें गोलियाँ दी गई कर्मचारी पुरुषोत्तम वाडगे का भी ब्लड प्रेशर बढ़ गया। उन्हें नेहरु स्टेडियम के अस्थायी अस्पताल में ऑब्जर्वेशन में रखा गया है।

सीएमएचओ डॉ. बीएस सेत्या ने कहा कि दोनों को उच्च रक्तचाप की शिकायत है। इसके साथ घबराहट भी हुई। यहां प्राथमिक उपचार किया गया। पुलिसकर्मी सुजीत का रक्तचाप ज्यादा होने के कारण उन्हें अन्य सभी जांचों के लिए एमवायएच रैफर किया गया है।

35 इलेक्ट्रिक व्हीकल भी

स्टेडियम में मतदान सामग्री को मतदान दलों तक लाने ले जाने तथा अन्य व्यवस्थाओं के लिए 35 इलेक्ट्रिक व्हीकल रहेंगे। ये व्हीकल सहायक कर्मचारियों के साथ सामग्री को लाने ले जाने का काम करेंगे। आकस्मिक परिस्थितियों से निपटने के लिए अग्निशमन वाहनों की व्यवस्था भी की गई है। स्टेडियम में 10708 मतदान दल के सदस्य मतदान सामग्री प्राप्त कर लगभग 750 वाहनों से अपने मतदान केन्द्रों की ओर रवाना होंगे। इसके सिए सभी वाहन स्टेडियम पहुंच चुके हैं। इंदौर संसदीय क्षेत्र के 8 विधानसभा क्षेत्रों सहित धार संसदीय क्षेत्र में आने वाले इंदौर जिले के महू विधानसभा क्षेत्र के मतदान दलों को सामग्री वितरित की जाएगी। मतदान सामग्री लेने के बाद कर्मचारियों ने सूची से मिलान किया। और इसके बाद मतदान केंद्रों के लिए रवाना हुए। मतदान दलों को सामग्री प्राप्त करने और वापस जमा करने के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। उन्हें एक ही जगह बैठे-बैठे मतदान सामग्री निर्धारित टेबल पर प्राप्त हो जाएगी। इसके लिए मतदान दलों के लिए कुल 2677 टेबल लगाई गई है। प्रत्येक टेबल पर चार-चार कुर्सियां रहेंगी। इन्हीं टेबलों पर मतदान दलों को सामग्री मिल जाएगी और मतदान के पश्चात यहीं प्राप्त की जाएगी। रविवार सुबह 5.30 बजे से ही मतदान दलों का पहुंचना शुरू हो गया है।

गर्मी को देखते हुए विशेष व्यवस्थाएं

कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह ने बताया कि मतदान सामग्री वितरण के लिए नगर निगम द्वारा सभी व्यवस्थाएं की गई है। 12 मई को प्रत्याशियों और उनके एजेंटों की मौजूदगी में ईवीएम के स्ट्रांग रूम खोले जाएंगे। गर्मी के मौसम के मद्देनजर मतदान सामग्री वितरण स्थल पर विशेष सुविधाएं जुटाई गई हैं। इसमें शीतल हवा व फुहार देने वाले 400 से अधिक पंखे, 250 से अधिक बड़े-बड़े कूलर, हर सेक्टर में पर्याप्त शीतल जल और अन्य बुनियादी व्यवस्थाएं की गई हैं। सामग्री वितरण स्थल पर पर्याप्त कैंटीन भी स्थापित की गई हैं। यहां रियायती दर पर खाद्य सामग्री मिलेगी। मतदान दलों के लिए इस तरह की शॉपिंग ट्रॉली रखी गई है। इसमें सभी सामग्री रखकर वे बस तक रवाना जाएंगे, वहां से मतदान केंद्र के लिए। सामग्री वितरण के लिए कुल 172 दल रहेंगे। इन दलों में एल-1, एल-2, एल-3, एल-4 कर्मचारी के रूप के कुल 688 कर्मचारी रहेंगे। प्रत्येक दल के सहयोग के लिए पांच-पांच सहायक भी रहेंगे। इस तरह कुल 860 सहायकों को नियुक्त किया गया है। सामग्री वितरण के पर्यवेक्षण के लिए पहली बार सेक्टर की व्यवस्था की गई है। कुल 244 सेक्टर अधिकारी पर्यवेक्षण के लिए तैनात रहेंगे। अन्य व्यवस्थाओं के लिए पहली बार 172 पटवारियों को भी स्टेडियम में तैनात रखा जाएगा।

नृत्यकला की मनोहारी प्रस्तुतियों एवं पुरस्कारों के साथ कला प्रशिक्षण शिविर का समापन

कला जीवन पर्यंत की साधना-जयश्री तांबे

इंदौर (नप्र)। समाज सेवा प्रकोष्ठ द्वारा तंग बस्तियों की बालिकाओं के लिए विशेष रूप से आयोजित चार दिवसीय निःशुल्क कला प्रशिक्षण शिविर नृत्यांगना निवेदिता पंड्या के निर्देशन में शिविरार्थी बच्चों द्वारा कथक की मनोहारी प्रस्तुतियों के साथ समाप्त हुआ।मुख्य अतिथि, वरिष्ठ नृत्यकला- विद जयश्री तांबे ने शिविर की सराहना करते हुए कहा कि कला जीवन पर्यंत की साधना है।प्रशिक्षण में गुरु प्रदत्त निर्देशों का सतत अभ्यास और लगन ही सफलता की कुंजी है। अतिथियों ने श्रेष्ठ प्रतिभागियों को पुरुस्कार एवं सभी को प्रमाण पत्र प्रदान किये।शासकीय हाई स्कूल मालवीय नगर की प्राचार्या सुश्री कामिनी साहू ने लोक कलाओं एवं परंपराओं से भी सीखने की सलाह दी।समाज सेवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री आलोक खरे ने कहा कि बस्तियों के बच्चों के सर्वांगीण विकास के प्रयासों को रुचि पूर्ण एवं बहु आयामी बनाया जा रहा है।

चार दिवसीय शिविर में सुप्रसिद्ध कथक नृत्यांगना निवेदिता पंड्या ने बालिकाओं को कथक के तोड़े, मुद्राएं, नवरस एवं 'ठुमक चलत राम चन्द्र ' आदि भजनों की सरस प्रस्तुतियां सिखलाई। सुश्री भारती थत्ते ने आर्ट एंड क्राफ्ट के अंतर्गत अनुपयोगी वस्तुओं से कलात्मक कृतियां बनाना सिखलाया। रंगकर्मी सुश्री पूजा एवं दिव्यांश ने अभिनय कला का प्रशिक्षण दिया। अतिथि स्वागत सुश्री माया धोने, सुमित्रा डिसूजा, अशोक कापडनिस एवं सुरेश रायकवार ने किया।अतिथियों को साहित्यकार सुरेश रायकवार की पुस्तक संजयश्रुत गीता की प्रति भेंट की गई। कार्यक्रम संचालन संस्था सचिव सुबोध भोरास्कर ने एवं आभार प्रदर्शन शिविर संयोजिका सुश्री पुष्पा महाडिक ने किया।

बॉयज होस्टल के केयर टेकर ने सुसाइड किया

- तीसरी मंजिल से कूदा, भाई बोला सुबह 6 बजे तक शराब पी, इसके बाद उसने छलांग लगा दी

इंदौर (नप्र)। इंदौर के लसूड़िया इलाके में बॉयज होस्टल से केयर टेकर रवि गोचर ने कूदकर अपनी जान दे दी। मौके के लाइव सीसीटीवी सामने आया है। जिसमें रवि खुद दीवार फांदकर नीचे कूदता हुआ दिखाई दे रहा है। टीआई तारेश सोनी के मुताबिक घटना स्कीम नंबर 78 के एक बॉयज होस्टल की है। मौके पर पहुंचे एसआई महेन्द्र मसकरे ने बताया कि होस्टल की तीसरी मंजिल से केयर टेकर रवि (26) पुत्र रामलाल गोचर ने अपनी जान दे दी। उसके जान देने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक रवि यहां करीब एक साल से रह रहा था। वह मूल रूप से बूंदी राजस्थान का रहने वाला था। उसके चचेरा भाई भी नजदीक ही एक होस्टल संभालता है।

बाइक खड़ी करने को लेकर मारे चाकू

थाने तक भागकर बचाई जान कचरे के लिये लड़े दो परिवार

इंदौर (नप्र)। इंदौर के एमआईजी इलाके में बाइक खड़ी करने के दौरान मौसरे भाइयों पर दो युवकों ने हमला कर दिया। इसमें एक युवक को चेहरे, हाथ और उंगलियों में चाकू लगा है। वह थाने तक दौड़ते हुए पहुंचा और पुलिस की मदद ली। इधर आरोपी मौके से फरार हो गए। उनकी तलाश की जा रही है। एमआईजी पुलिस के मुताबिक अयान पुत्र रिजवान निवासी तंजिम नगर खजराना की शिकायत पर दो युवकों के खिलाफ चाकूबाजी के मामले में केस दर्ज किया है। अयान ने बताया कि वह अपने मौसी के बेटे मोइन के साथ यहां पहुंचा। बाइक खड़ी करने को लेकर दो लड़कों ने विवाद किया। इसमें चाकू निकालकर मारा जिसमें तीन जगह चोटें आई।

कचरा फेंकने को लेकर भिड़े परिवार

मल्हारगंज में कचरा फेंकने को लेकर दो परिवार में विवाद हो गया। पुलिस के मुताबिक काजोल निवासी पुराना मल्हारगंज की शिकायत पर रंजना कसेरा और उसके बेटे अमर पर केस दर्ज किया है। काजोल के मुताबिक दोपहर में आरोपियों ने घर के दरवाजे के यहां कचरा फेंका। रोकने गए तो विवाद करने लगे। दादाजी निकलकर बाहर आए तो उनहें धक्का देकर गिरा दिया।

इंदौर में चार दिनों बाद 2 डिग्री लुढ़का पारा

आज बादलों के साथ तेज हवा ; बूंदाबांदी के आसार, तापमान में रहेगा उतार-चढ़ाव

इंदौर (नप्र)। इंदौर में चार दिनों से भीषण गर्मी के बाद राहत मिली। इस दौरान तापमान में 2 डिग्री की गिरावट आई जबकि रात का तापमान 1 डिग्री बढ़ा है। मौसम वैज्ञानिकों ने आज और कल इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में दोपहर बाद बादलों के साथ तेज हवा और बूंदाबांदी के आसार जताए हैं। इस दौरान तापमान में उतार-चढ़ेगा रहेगा। कल दिन का तापमान 40.6 (+1) डिग्री और रात का तापमान 25.7 (+1) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। इसके बाद शनिवार को दिन में 25 किमी की रफ्तार से हवाएं चली।

शादीशुदा महिला से रेप

धर्म परिवर्तन का बनाया दबाव, हिंदूवादियों की शिकायत पर केस दर्ज

इंदौर (नप्र)। इंदौर के आजाद नगर में एक शादीशुदा महिला के साथ रेप के बाद धर्म परिवर्तन के लिए दबाव का मामला सामने आया है। महिला अपने पति से अलग रह रही थी। आरोपी ने उसके साथ गलत काम किया और फिर धर्म बदलने के लिये दबाव बनाने लगा। रात में इस बात की जानकारी हिंदूवादियों को लगी। उन्होंने केस दर्ज करवाया है आरोपी पुलिस की गिरफ्त से दूर है। टीआई नीरज मेढ़ा के मुताबिक महिला ने बताया कि वह अपने पति से अलग रहती थी। इस दौरान मोबिन शेख उसके यहां आता रहता था।

इंदौर में वोट डालो और विशेष छूट पाओ

सोने-चांदी के सिक्के से लेकर फन पार्क का टिकट तक मिलेगा

इंदौर (नप्र)। इंदौर में आज 13 मई को लोकसभा चुनाव के लिए वोटिंग है। जहां एक ओर प्रशासन शुरू से ही मतदान पर्सेंट बढ़ाने के लिए कोशिश कर रहा है, वहीं शहर के कई मॉल, फूड आउटलेट और फन पार्क भी वोट डालने वालों को कई लुभावने ऑफर और डिस्काउंट देने की तैयारी में हैं।

इस बार मौजूदा राजनीतिक समीकरण, भीषण गर्मी व अन्य कारणों के चलते कम मतदान होने की चर्चाएं हैं। इसके मद्देनजर प्रशासन की पूरी कोशिश है कि इस बार मतदान 75 प्रतिशत के करीब हो। पिछली बार 70.02 प्रतिशत मतदान हुआ था। वोटर्स को आकर्षित करने के लिए पहले भी अलग-अलग मार्केट एसोसिएशन कई ऑफर्स की घोषणा कर चुकी है। अब इस लिस्ट में कुछ नए नाम जुड़ गए हैं। इसमें कहीं 50 हजार रुपए की खरीदी पर सोने का सिक्का फ्री है, तो कहीं डायनासोर पार्क का एक टिकट खरीदने पर एक फ्री टिकट का ऑफर है। फिनिक्स सिटाडेल

द्वारा बड़े ऑफर दिए गए हैं। गौरांग आचार्य (जीएम, मार्केटिंग) ने बताया कि मॉल में उन लोगों को कॉम्प्लिमेंट्री पार्किंग दी जाएगी जिन्होंने मतदान किया है। ऐसे ही 20 हजार रुपए. की शॉपिंग करने पर चांदी का एक सिक्का दिया जाएगा। यहीं 50 हजार रुपए की खरीदी करने पर सोने का सिक्का दिया जाएगा। डायनासोर पार्क का एक टिकट खरीदने पर एक फ्री टिकट का ऑफर भी यहीं है। मॉल में 2500 रुपए की खरीदी पर एक हॉली-डे लैंड पासपोर्ट मिलेगा। इसमें कई प्रकार की डील्स और ऑफर्स रहेंगे।

लकी ड्रॉ से पुरस्कार

ग्राम पंचायत लसूड़िया परमार द्वारा अधिक से अधिक मतदान हो इसके लिए मतदान केंद्र नं. 179 पर बिस्किट, कोल्ड ड्रिंक्स, फरूटी और छाछ का वितरण किया जाएगा। मतदान करने वालों के लिए लकी ड्रॉ आयोजन किया गया है। इसमें प्रथम पुरस्कार-1001 रु., द्वितीय पुरस्कार 551 रु. तृतीय पुरस्कार 251, रु. और 100 रु. के 10 सांत्वना पुरस्कार मतदान समाप्ति के बाद लकी ड्रॉ के माध्यम से दिए जाएंगे।

ये भी हैं ऑफर्स

अपना स्वीट – मिलेगा।

56 दुकान एसोसिएशन: सुबह 7 से 9 बजे तक मतदान करने वालों को पोहा-जलेबी फ्री मिलेगी।

पहली बार वोट देने वाले युवाओं और सुबह जल्दी मतदान करने वाले सीनियर सिटिजन को आइसक्रीम भी मिलेगी।

चॉइस चाइनीज सेंटर – कृष्णपुरा छत्री, बजरंग मंदिर के पास नूडल्स और मन्चूरियन फ्री मिलेंगे।

रोहन झांझरिया – चुनिंदा 50 मतदान केंद्रों से कुछ दूर फ्री में नाश्ता और कोल्ड्रिंक्स दी जाएगी।

मतदान के लिए शादी में की अपील

इंदौर की स्टार्ट अप पाई सर्व टेक्नोलॉजी ड्रोन के माध्यम से लोगों से मतदान करने की अपील कर रही है। यह सोच कंपनी की सीपीओ रोशनी शुक्ला की है। ड्रोन के माध्यम से कंपनी इंदौर के अलग अलग क्षेत्रों में लोगों को जागरूक रही है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुपम राजन ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि 'चलो बूथ की ओर' अभियान में रविवार 12 मई को प्रत्येक मतदान केंद्र के क्षेत्र में रैली आयोजित की जाएं।

नेशनल लोक अदालत- 1074 से ज्यादा प्रकरण रखे गए

मनमुटाव के चलते अलग होने को आए थे, न्यायाधीश ने समझाया तो साथ गए

इंदौर (नप्र) । इंदौर इस साल की दूसरी नेशनल लोक अदालत शनिवार को लगी। हाई कोर्ट में जहां 175 मामलों का एक ही दिन में निराकरण हुआ और एक करोड़ 73 लाख के अवॉर्ड पारित किए गए। वहीं जिला एवं सत्र न्यायालय में बिजली बिल, सिविल, क्रिमिनल मामलों का समझौते के माध्यम से निपटारा किया गया।

इधर, फैमिली कोर्ट में जहां मनमुटाव, घरेलू झगड़े, मायके नहीं जाने देने की बात पर दंपती अलग होने की तैयारी से आए थे, वहीं न्यायाधीश ने समझाइश दी, सफल दंपतियों के उदाहरण दिए तो ये दंपती साथ रहने का कहकर घर गए। इससे पूर्व प्रशासनिक जज एसए धर्माधिकारी ने हाई कोर्ट में लोक अदालत का शुभारंभ किया। लगभग 1074 प्रकरणों को लोक अदालत के लिए गठित 2 खंडपीठ के समक्ष रखा गया। पौने 2 सौ का निराकरण किया गया। बिजली चोरी के मामलों में उपभोक्ताओं को इस बार 16 फीसदी की राहत नहीं मिली। दरअसल, आचार संहिता के चलते बिजली कंपनी ने चोरी के मामलों में 16 फीसदी राशि माफ नहीं की। चोरी के पंचनामे लेकर उपभोक्ता कोर्ट तो पहुंचे लेकिन उनसे पंचनामे के हिसाब से ही रकम ली गई। फैमिली कोर्ट में दंपती सुबह 10 बजे आए तो अलग-अलग खड़े हुए थे। अपने माता-पिता या भाई के साथ दंपती एक-दूसरे को घूर रहे थे, लेकिन जब प्रकरण न्यायाधीश के समक्ष लगे और उन्होने अलग होने का कारण पूछकर दोनों को इत्मीनान से समझाया। बच्चों का भविष्य, छोटी-छोटी बातों की अनदेखी, पति को घर में पत्नी के काम में हाथ बटाने की सलाह दी तो दंपती को बात समझ आ गई।

इंदौर के ज्वेलर के यहां चोरी

देखने के बहाने झुमकी चुराई, सीसीटीवी से आरोपियों को तलाश रही पुलिस

इंदौर (नप्र)। इंदौर के तुकोगंज में एक ज्वेलरी शॉप पर दंपती बनकर आए दो लोगों ने सोना खरीदने के बहाने झुमकी चुरा ली। पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। तुकोगंज पुलिस के मुताबिक तिलक यादव निवासी कनाड़िया ने बताया कि पंजाबी सराफ ज्वेलर्स 56 दुकान पर रिपेयरिंग मैनेजर है। शनिवार शाम वह दुकान पर था। यहां एक दंपती आए। उन्होंने कहा कि सोने की झुमकी खरीदना है। इस दौरान उन्होंने झुमकी की ट्रे निकाली और उन्हें दिखाने लगे। वह कुछ देर बाद बिना कुछ लिये चले गए। बाद में ट्रे चेक की तो उसमें से 9 ग्राम की एक झुमकी कम थी। बाद में कैमरे चेक करने के बाद थाने आकर पुलिस को शिकायत की। पुलिस सीसीटीवी के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

वकील को मिलने के बहाने बुलाकर रुपए छीने

महिला से बातचीत का वीडियो वायरल करने की धमकी देकर और रुपए मांगे

इंदौर (नप्र)। इंदौर के एमवाय परिसर के सामने एक वकील को केस की बात पर महिला ने कॉल कर मिलने बुलाया। इस दौरान दो साथियों को बुलाकर वीडियो बनाकर वायरल करने के नाम पर ब्लैकमेल किया। आरोपी वकील की जेब से रुपए निकालकर भाग गए। बाद में भी वकील को कॉल कर और रुपए मांगने के लिये धमकाते रहे। उन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर संयोगितागंज थाने में दंपती ओर उसके दोस्त के खिलाफ केस दर्ज कराया है। संयोगितागंज पुलिस के मुताबिक रोहित जाट निवासी कुशवाह नगर ने अपनी शिकायत में बताया कि वह पेशे से वकील है। शुक्रवार रात उनके मोबाइल पर एक महिला का कॉल आया। उसने अपना नाम हेमा बताया और कहा कि एक केस में सिलसिले में बात करना है। वह एमवाय के शनिवार सुबह मिलेगी।

जब रोहित यहां पहुंचे तो महिला उनके पास आई और इधर-उधर की बातें करने लगी। इस दौरान उसने इशारा करके अपने पति दीपक और कृष्णा विजयवर्गीय को बुलाया। तीनों ने उसे धमकाते हुए मारपीट की और कहने लगे कि उन्होंने हेमा से बातचीत के दौरान वीडियो बनाया है।

इस वीडियो को वायरल कर बदनाम कर देंगे। इसके बदले अभी 30 हजार रुपए देना होंगे। इसके बाद आरोपियों ने जेब से पर्स निकाला। उसमें रखे करीब 13 हजार रुपए निकाल लिए। जाते-जाते धमकी दी कि यह बात किसी को बताई तो वीडियो वायरल हो जाएगा।

संपादकीय

केजरीवाल की रिहाई- बीजेपी को झटका

शराब घोटाले में जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के पहले सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अंतरिम रिहाई भाजपा के लिए तगड़ा झटका है। इससे देश की राजधानी दिल्ली और पंजाब का चुनावी परिदृश्य बदल सकता है। सर्वोच्च अदालत ने केजरीवाल को बेल उनके द्वारा नहीं मांगे जाने के बाद भी दे दी। इससे जहां भाजपा परेशान है, वहीं आम आदमी पार्टी और इंडिया गठबंधन कार्यकर्ताओं का जोश उफान पर है। केजरीवाल की सशर्त रिहाई को वो अपनी नैतिक जीत मान रहे हैं। केजरीवाल ने भी जेल से छूटते ही भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखे हमले शुरू कर दिए हैं। साथ ही उन्होंने केजरीवाल की दस गारंटियां भी जारी कर दी हैं। केजरीवाल की अंतरिम रिहाई का सबसे बड़ा फायदा तो यह है कि इस लोकसभा चुनाव की वैधता बढ़ गई है, क्योंकि एक निर्वाचित मुख्यमंत्री को जेल में डालकर लड़ा जा रहा चुनाव दुनिया की नजरों में भारतीय लोकतंत्र की विश्वसनीयता को कम कर रहा था। हालांकि एक और पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अभी भी जेल में हैं। लेकिन सोरेन गिरफ्तारी से पूर्व पद से इस्तीफा दे चुके थे। सोरेन से भी ज्यादा महत्व केजरीवाल की रिहाई का है। केजरीवाल पर फायर ब्रांड नेताओं में शुमार हो चुके हैं, जो सीधे भाजपा और मोदी को चुनौती दे रहे हैं। इसकी शुरूआत भी उन्होंने कर दी है। केजरीवाल ने अपनी पहली सार्वजनिक सभा में कहा कि भाजपा के 75 पार वाले फार्मूले के तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी इस साल सितंबर में रिटायर होने वाले हैं। अगला पीएम अमित शाह को बनाया जाएगा। इसी तरह उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव के दो माह बाद यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी पद से हटा दिया जाएगा, क्योंकि मोदी शाह उनका कद बढ़ने नहीं देना चाहते। इन आरोपों के बाद बीजेपी अचानक रक्षात्मक हो गई है। उसे सफाई देनी पड़ रही है कि मोदी ही तीसरी बार पीएम रहेंगे और योगी को पद से नहीं हटाया जाएगा। केजरीवाल के इस धुआंधार प्रचार से आप के चुनाव अभियान में जान आई है। केजरीवाल की रिहाई उस वक्त हुई है, जब आप के मुख्य प्रभाव क्षेत्र दिल्ली और पंजाब में अभी चुनाव होने हैं। अगर भाजपा ने अपनी किलेबंदी मजबूत नहीं की और मतदान का प्रतिशत नहीं बढ़ा तो इस बार दिल्ली में आप अथवा इंडिया गठबंधन को एक दो सीटें मिल सकती हैं, जो भाजपा के लिए झटका होगा, क्योंकि 2019 के चुनाव में भाजपा ने दिल्ली की सभी सातों सीटों पर कब्जा किया था। लेकिन आप की असली परीक्षा पंजाब में होनी हैं, जहां वह सत्ता में है। अगर राज्य में ज्यादातर लोकसभा सीटें वह नहीं जीत पाई तो पंजाब के सीएम भगवंत मान की कुर्सी और खुद केजरीवाल की साख प्रभावित हो सकती है। वैसे केजरीवाल 2019 के लोकसभा चुनाव में भी ऐसे ही वादों के साथ उतरे थे। लेकिन दिल्ली की जनता ने उसे तवज्जो नहीं दी। लेकिन तब और अब की राजनीतिक परिस्थितियों में अंतर है। पिछले चुनाव में कांग्रेस और आप अलग अलग लड़े थे, जिससे विपक्ष का वोट बंट गया था और भाजपा को पूरा फायदा मिला था। इस बार विपक्ष का वोट बंटने की संभावना कम है। हालांकि अब तक एक दूसरे के खिलाफ लड़ते रहे आप और कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच कितना तालमेल होगा, कहना मुश्किल है। इस बीच गारंटियों के दौर में केजरीवाल ने भी अपनी पार्टी के घोषणा पत्र में दस गारंटियों का ऐलान कर दिया है। ये गारंटियां ज्यादातर वहीं हैं, जिन पर दिल्ली व पंजाब में काम हो रहा है।

रेल के संपूर्ण निजीकरण की ओर बढ़ते कदम

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी विचारक हैं।

देश की संसद का चुनाव, जो प्रक्रिया के तौर पर मार्च 2024 के अंत में शुरू हुआ तथा 1 जून 2024 को संपन्न हो जायेगा। चुनाव के शोर शराबे के बीच और सत्ता के बड़े दावेदारों के आक्रामक झूठ और तात्कालिक दृष्टिकोण से लाभप्रद मुद्दों को उछाले जाने के कारण देश की जनता की वास्तविक समस्यायें अछूती रह जाती है। प्रायः ऐसा होता है कि, मुद्दों पर चुनाव में मुख्य बहस होनी चाहिये, पर उन्हें इस प्रचार माध्यमों से लगभग बाहर कर दिया जाता है।

जिन मुद्दों को पार्टियाँ चुनाव के पहले अपने वोट के गढ़ के लिए उठाती हैं उन मुद्दों को भी जब घोषणा पत्र जारी होता है तो उसमें कोई स्थान नहीं मिलता है। क्योंकि भारतीय राजनीति ईमानदार राजनैतिक बहस और जन सरोकारों से लगभग दूर हो चुकी है। भाजपा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पिछले 10 वर्षों से सरकार में हैं। अतः उनके पास केवल एक सबका विकास सबका साथ या हम विश्व अर्थव्यवस्थाओं में 5वें नंबर पर पहुंचे हैं, विश्व गुरु हो गये हैं आदि ही उपलब्धियाँ हैं या प्रचार के लिए मुद्दे हैं। जनधन खातों और उज्जवला योजना, आयुष्मान योजना के नाम पर 2019 में जनता का वोट वह ले चुके हैं अतः उनको और अधिक दोहराने से उनके आधार में कोई नया हिस्सा नहीं जुड़ता है और इसलिये वे अपने काम को या भविष्य की योजनाओं के बारे में कम बोलते हैं बल्कि कांग्रेस की सही या गलत कमियों को आधार बनाकर देश के जनमत को उग्र और भड़काने का प्रयास करते हैं। उनकी यह रणनीति कितनी सफल होगी या नहीं होगी इसका फैसला तो जून माह में होना है।

दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन का सबसे बड़ा दल कांग्रेस है और उसके नेता राहुल गांधी भी पिछले दिनों जिन बातों को कहते रहे उनमें से अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों को उनके घोषणा पत्र में स्थान नहीं मिला। श्री राहुल गांधी ने पिछले कई महीने के अभियान में ओल्ड पेंशन स्कीम को लागू करने की बात उठाई थी तथा देश के लगभग 3-4 करोड़ जिसमें केंद्र और राज्य के कर्मचारी इससे बहुत आशान्वित हुए थे। परंतु कांग्रेस का घोषणा पत्र में या श्री राहुल गांधी की गारंटियों में यह मुद्दा ही शामिल नहीं हुआ। ईवीएम को लेकर पिछले कई वर्षों से कांग्रेस अखबारों में अपना विरोध दर्ज कराती रही है फिर दो चुनाव लगातार हारने के बाद कुछ सुधार उन्होंने किया और अब वीवीपैट की गिनती और मिलान की चर्चा शुरू की। हालाँकि उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद उनके इन मुददों की भी हवा निकल गई। परंतु कांग्रेस का घोषणा पत्र व राहुल की गारंटी, जो लगभग इसके पहले ही जारी हो चुकी है उनमें कहीं यह घोषणा नहीं है कि वीवीपैट या ईवीएम को लेकर कोई वे कानून बनायेंगे।

देश के सरकारी क्षेत्र और सार्वजनिक क्षेत्र के निजीकरण को लेकर भी प्रतिपक्षीय पार्टियाँ पिछले 3-4 सालों से मीडिया में मुखर थीं और भेल, सेल, रेल, हवाई जहाज, पानी के जहाज आदि निजी हाथों में बेचे जा रहे कि चर्चा भी काफी मीडिया में रही है। परंतु किसी के भी घोषणा पत्र में यह नहीं कहा गया कि हम सरकारी व सार्वजनिक क्षेत्र के निजीकरण को समाप्त कर वापिस राष्ट्रीयकरण की स्थिति में लायेंगे। अदाणी और अम्बानी को पूँजीवाद और लूट के प्रतीक के रूप में बहुत प्रचारित किया गया परंतु किसी भी प्रतिपक्षीय पार्टी के घोषणा पत्र में सत्ता में आने के बाद इनका क्या करेंगे इसका कोई उल्लेख नहीं है। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने तो पहली बार मुख्यमंत्री बनने के पूर्व ही यानी आम आदमी पार्टी के घोषणा पत्र में कहा था कि वह दिल्ली के बिजली कंपनियों की यानी रिलायंस की जांच करायेंगे परंतु मात्र 15 वर्षों में अभी तक कोई जांच शुरू नहीं हुई। कुल मिलाकर स्थिति यही है। सरकार हो या प्रतिपक्ष दोनों जनता को कुछ गुमराह कर, भड़का कर वोट तो लेना चाहते हैं पर हालात को नहीं बदलना चाहते। क्योंकि पूँजीवाद के आक्सीजन सिलेंडर सत्ता पक्ष को तो लगे ही हैं, कुछ थोड़े बहुत प्रतिपक्षीय दलों को भी लगे हैं। अगर भाजपा को 6700 करोड़ रुपये का चंदा इलेक्ट्रॉल बांड से मिला है तो कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके, शिवसेना (ठाकरे) और अन्य दलों को भी कुछ मिलाकर 3000 करोड़ के आसपास का चंदा बॉन्ड के माध्यम से मिला है। हमारे देश के उद्योगपति बहुत न्यायप्रिय है और वे सत्ताधारी दल और सत्ता आकांक्षी दलों के साथ उनकी राजनीतिक औकात के हिसाब से लेन-देन करते हैं।

अभी पिछले माह मीडिया में एक खबर छपी थी और जिस पर न लोगों का ध्यान गया और न राजनीतिक दलों का। भारत सरकार की ओर से और रेल मंत्रालय की ओर से यह कहा गया कि वे 15 जुलाई के बाद यात्री रेलगाड़ियों को निजी क्षेत्रों में देंगे और इसकी एक चरणबद्ध योजना सरकार बना रही है। रेलवे के मालभाड़ा ढोने के लिये चलाई जाने वाली मालगाड़ियों का निजीकरण तो कई दशक पहले हो चुका और हमें याद है कि जब स्व. राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे तथा स्व. माधवराव सिंधिया रेलमंत्री थे तब विश्व बैंक के उपाध्यक्ष का दौरा हुआ था। तब विश्व बैंक के द्वारा भारत को दी जाने वाली मदद के साथ यह अलिखित शर्त थी, परंतु जिसका उल्लेख विश्व बैंक के उपाध्यक्ष ने अपनी बातचीत में किया था कि रेलवे के माल यातायात का निजीकरण होगा और उसी के बाद तत्कालीन भारत सरकार ने श्ओन योर वैगन, ओन योर कोच्य की योजना शुरू की थी और रेल की पटरियों पर निजी कंपनियों के वैगन चलना शुरू हुए थे। याने रेल मालभाड़े के मामले में मकान मालिक जैसी बन गई थी जिन पटरियों को जनता के पैसे से रेल विभाग ने बिछाया था उन पर उद्योगपतियों के वैगन दौड़ेंगे, उसका कुछ किराया वह देंगे। पिछले लगभग दो दशक पहले तक यह घोषणा अपने चरम पर पहुंच चुकी और अब तो माल यातायात ढुलाई का काम निजी पूँजीपतियों के अपने वैगनों के माध्यम से हो रहा है। देश के हर कोने में आपको अदाणी, अंबानी की नाम लिखी हुई मालगाड़ियां और डिब्बे दौड़ते नजर आ जायेंगे और इतना ही नहीं रेलवे बोर्ड के माध्यम से यह निर्देश अधिकारियों को दिये गये कि कितनी ही महत्वपूर्ण रेलयात्री गाड़ियां क्यों न हों उन्हें रोककर पहले मालगाड़ियां निकाली जाएं, चाहे राजधानी एक्सप्रेस हो या शताब्दी हो। जिन्हें एक समय सबसे पहले निकाला जाता था अब उन्हें रोककर पूँजीपतियों की मालगाड़ियों को निकाला जाता है। एक वंदेभारत ट्रेन अभी अपवाद है, क्योंकि यह प्रधानमंत्री का चुनावी एजेंडा है। अधिकांश रेलवे के प्लेटफार्म स्टेशन विकास के नाम पर निजी हाथों में दिये जा चुके हैं और निरंतर दिये जा रहे हैं। यात्रियों को गाड़ी पकड़ने के लिये अल्पकालिक विश्राम या बैठने के लिए भी प्रतिक्षालयों का प्रति घंटा किराया तय कर दिया गया है। रेलवे केटरिंग सेवा और सफाई सेवा जैसी सेवाओं का निजीकरण तो पहले ही किया जा चुका है। अब जो रेल यात्रियों व गाड़ियों का निजीकरण होना है। इसके परिणाम देश में कितने भयानक होंगे यह मतदाता समझ नहीं रहे हैं और राजनीकि दल राजनीतिक चंदे के नाम पर मौन हैं। भोपाल के हबीबगंज स्टेशन जिसका अब नाम रानी कमलापति रेलवे स्टेशन है पर पार्किंग शुल्क चार पहिया वाहनों का 400 रुपये पूरे दिन-रात का हो जाता है। उनकी आमदनी को बढ़ाने के लिये जो मुख्य द्वार नजदीक पड़ते हैं बंद कर दिये गये, ताकि चार पहिया वाहनों को या बुजुर्गों के लिए जो छोड़ने जाएं तो उन्हें अंदर जाना पड़े और ड्रॉप एंड गो की सुविधा का लाभ उन्हें न मिले तथा उन्हें भुगतान करना पड़े। अब जब यात्री गाड़ियां निजी पैसे वालों के द्वारा चलाई जायेंगी उनमें क्या बैठना भी संभव होगा? कुछ दिनों से कैसे भी रेलवे ने एक षड्यंत्र शुरू किया है कि एक्सप्रेस मेल गाड़ियों में सामान्य श्रेणियों के डिब्बे जो पहले ही कम कर दिये गये थे, अब सामान्य शयनयान श्रेणियों के डिब्बे लगातार कम किये जा रहे हैं और ए सी डिब्बे बढ़ाये जा रहे हैं। लोगों को ललचाने के लिये ए सी-3 में एक ई क्लास शुरू किया गया जिसे एम श्रेणी कहा जा रहा है। एसी-3 और ई के किराये में मुश्किल से 50-60 रुपये का अंतर होता है, परंतु इसके नाम पर बर्थ की संख्या एक कोच में जो 72 होती थी वह अब 80 तक पहुंचा दी गई है। ऐसा ही एक जमाने में लालू प्रसाद जी ने किया था। जो गरीब रथ वातानुकूलित चलाये थे जिसमें एक कूपे में 8 की जगह 9 वर्थ बनायी गयी थी। इस प्रकार एक कोच में 9-9 सीटें बढ़ा दी गईं थी तथा बैड रोल का अलग से पैसा देना होता था। याने कुल मिलाकर जो धोखा उस समय हुआ था वही धोखा इस सरकार के द्वारा हो रहा है। आम जनता को धोखा देने व लूट के मामले में कोई पीछे नहीं है। सामान्य शयनयान इतने कम कर दिये गये हैं कि पहले जहां 20-25 कोच की गाड़ी में एक ए सी फर्स्ट, 2-3 ए सी-टू अधिकतम 3-4 ए सी-3 होते थे तथा शेष में चार सामान्य आरक्षित डिब्बे और 10-12 से लेकर कभी-कभी 14 तक सेकन्ड स्लीपर होते थे। अब मुश्किल से 2-3 सामान्य स्लीपर लग रहे हैं और 1-2 सामान्य श्रेणी के डिब्बे लग रहे हैं लगभग सभी दूर यह स्थिति है कि सामान्य शयनयान के डिब्बे में यात्री चढ़ ही नहीं पाते, इतनी भीड़ आरक्षित व अनारक्षित यात्रियों को हो रही है और जानवरों से भी बदतर स्थिति में यात्री भरे जाते हैं।

वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, पत्रकारों व अन्य कई वर्गों की टिकिट में दी जाने वाली रियायतों को पिछले लगभग चार साल से बंद कर दिया गया है। इनको कोरोना काल के नाम पर बंद किया गया था। परंतु यह बंदी वापिस नहीं हुई। अगर इसका अध्ययन किया जाये तो चार वर्षों में एक मौटे अनुमान के हिसाब से इन वर्गों के टिकिट से 15-20 हजार करोड़ रुपया भारत सरकार ले चुकी है। टिकिट निरस्तीकरण फीस बढ़ा दी गई और कई अन्य प्रकार की सुविधायें जो यात्रियों को थी जैसे ब्रेक जर्नी आदि बंद कर दी गई। पिछले दिनों एक समाचार आया था कि टिकिट के केंसिलेशन से रेलवे को वगैर कुछ किये हुये हजारों करोड़ रुपया मिल चुका है। जबकि यह सुविदित तथ्य है कि रेलवे यात्रियों की संख्या इतनी बढ़ चुकी है। सैकड़ों की संख्या में प्रतिक्षा सूची यात्री होते हैं जिन्हें जगह नहीं मिल पाती। कई-कई माह का वेटिंग चल रहा है परंतु क्लीयर नहीं हो पाता और यात्री परेशान होते रहते हैं। किसी भी प्रतिपक्षीय दल ने अपने घोषणा पत्र में यह नहीं कहा कि अगर वह सत्ता में आयेंगे तो कम से कम तीन चौथाई सामान्य शयनयान और सामान्य श्रेणी के डिब्बे गाड़ियों में अनिवार्य करेंगे तथा वातानुकूलित डिब्बे कम होंगे तथा पत्रकारों, वरिष्ठ श्रेणी, महिला यात्रियों को जो रियायतें पूर्व में थीं उन्हें बहाल करेंगे। शताब्दी, राजधानी और अभी चलने वाली वंदेभारत जैसी गाड़ियों में खाने के दाम लगभग डेढ़ गुना कर दिये गये परंतु खाद्य सामग्री लगभग आधी कर दी गई। प्रारंभिक दौर में शताब्दी में ड्राईफूड मिलते थे और अन्य कई प्रकार की खाद्य सामग्री जिसमें मीठा भी होता था। पर अब खाना या नाश्ता ऐसा होता है कि पेट भरने को खाया जा सकता या आदमी इस प्रतिहिंसा में खाता है कि पैसे दिये तो खा लें वरना वह खाने लायक नहीं होता। पहले शताब्दी और राजधानी एक्सप्रेस की यात्रा के लिए पानी की 1 लीटर और लंबी यात्रा के लिये 1 लीटर की दो बोतल दी जाती थी, पर अब सभी यात्रियों को 250 ग्राम की पानी बोतल केवल दी जाती है। याने पानी भी नहीं मिलता है। कहने को वरिष्ठजनों व महिलाओं को नीचे की बर्थ आवंटित की जाना चाहिए, परन्तु अमूमन पैसे देकर नीचे की बर्थ जवान लोगों को आवंटित कर दी जाती है तथा बुजुर्ग, महिलायें रात-रात भर परेशानी के साथ यात्रा करते हैं, क्योंकि वे ऊपर चढ़ नहीं सकते। जब यात्री अपनी जरूरत से बर्थ मांगता है तो अगर वह देना संभव हो तो उससे पूछा जाना चाहिए कि क्या वह अन्य विकल्प को तैयार है। पर रेलवे तो ऐसी दुकानदार है कि कुरता खरीदने वाले को कुरता के बजाय पैजामा पकड़ा देती है। देश की जनता को विचार करना चाहिए कि क्या इन सवालों को लेकर हम मतदान करेंगे और क्या राजनीतिक दलों को इन जनहितैषी फैसलों को लेने के लिए बाध्य करेंगे।

पीर पराई चुनावी मुद्दा क्यों नहीं बनता?

राजनीति

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

लोकसभा चुनाव का तीसरा चरण पूरा हो गया है, जैसे-जैसे चुनाव आगे बढ़ रहे हैं राजनेताओं एवं उम्मीदवारों के दागदार चरित्र की परते खुलती जा रही है। एक समय था कि जब लोग देश के नेताओं के सार्वजनिक जीवन में आचरण का अनुसरण करते थे। नेताओं को भी समाज में अपनी छवि व प्रतिष्ठा की फिक्र रहती थी। लेकिन हाल के वर्षों में राजनीति में कई क्षत्रप परिवारों के ऐसे नेता भी सामने आए हैं जिन्होंने सत्तामद में चूर होकर तमाम नैतिकताओं व मर्यादाओं को ताक पर रखा। पिछले दिनों कर्नाटक में हासन सीट से जनता दल (सेक्यूलर) के सांसद प्रज्वल रेवन्ना पर सैकड़ों महिलाओं के साथ दुराचार के जो गंभीर आरोप लगे, उसने राजनीति में पतन की पराकाष्ठा को दर्शाया है। वही रांची में एक पुराने मामले की जांच कर रही ईडी को रेड में झारखंड सरकार में मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव के घर पर काम करने नौकर के यहां से 39 करोड कैश बरामद हुआ है। यौन उत्पीड़न, दुराचार, भ्रष्टाचार एवं देशद्रोह पर सवार नेताओं एवं दागदार उम्मीदवारों से जुड़ा यह चुनाव लोकतंत्र पर एक गंभीर प्रश्न है। हमारी राजनीति एक त्रासदी बनती जा रही है। राजनेता सत्ता के लिये सब कुछ करने लगा और इसी होड़ में राजनीति के आदर्श ही भूल गया, यही कारण है देश की फिजाओं में विषमताओं और विसंगतियों का जहर घुला हुआ है और कहीं से रोशनी की उम्मीद दिखाई नहीं देती। डर लगता है राजनीतिक भ्रष्टाचारियों से, अपराध को मंडित करने वालों से, सत्ता का दुरुपयोग करने वालों से, देश की एकता एवं अखण्डता को दांव पर लगाने वालों से एवं यौन उत्पीड़न व दुराचार से नारी अस्मिता को नौंचने वालों से।

देश दुख, दर्द और संवेदनहीनता के जटिल दौर से रूबरू है, समस्याएं नये-नये मुखौटे ओढ़कर डराती है, भयभीत करती है। समाज में बहुत कुछ बदला है, मूल्य, विचार, जीवन-शैली, वास्तुशिल्प सब में परिवर्तन है। चुनाव प्रक्रिया बहुत खर्चीली होती जा रही है। ईमानदार होना आज अवगुण है। अपराध के खिलाफ कदम उठाना पाप हो गया है। धर्म और अध्यात्म में रुचि लेना साम्प्रदायिक माना जाने लगा है। किसी अनियमितता का पर्दाफाश करना पूर्वाग्रह माना जाता है। सत्य बोलना अहम् पालने की श्रेणी में आता है। साफगोही अव्यावहारिक है। भ्रष्टाचार को प्रश्रय नहीं देना समय को नहीं पहचानना है। चुनाव के परिप्रेक्ष्य में इन और ऐसे बुनियादी सवालों पर चर्चा होना जरूरी है। आखिर कब तक राजनीतिक स्वार्थों के नाम पर नयी गढ़ी जा रही ये परिभाषाएं समाज और राष्ट्र को वीभत्स दिशाओं में धकेलती रहेगी? विकासवाद की तेज आंधी के नाम पर हमारा देश, हमारा समाज कब तक भुलावे में रहेगा? चुनाव के इस महायज्ञ में सुधार की, नैतिकता की, मूल्यों की, सिद्धान्तों की बात कहीं सुनाई नहीं दे रही है? दूर-दूर तक कहीं रोशनी नहीं दिख रही है। बड़ी अंधेरी और घनेरी रात है। न आत्मबल है, न नैतिक बल।

महान एवं सशक्त भारत के निर्माण के लिए आयोज्य यह चुनावरूपी महायज्ञ आज 'महाभारत' बनता जा रहा है, मूल्यों और मानकों की स्थापना का यह उपक्रम किस तरह लोकतंत्र को खोखला करने का माध्यम बनता जा रहा है, यह गहन चिन्ता और चिन्तन का विषय है। विशेषतः चारित्रिक अवमूल्यन, आर्थिक विसंगतियों एवं विषमताओं को प्रश्रय देने का चुनावों में नंगा नाच होने लगा है और हर दल इसमें अपनी शक्ति का बढ़-चढ़कर प्रदर्शन कर रहे हैं। बात केवल चुनावी चंदे ही नहीं बल्कि विदेशों से मिलने वाले चंदों की भी है। आज सवाल बहुत बड़ा है और वह है भारत की राजनीति को प्रत्यक्ष विदेशी प्रभाव से बचाना। आम आदमी पार्टी पर जिन कथित भारत-विरोधी विदेशी ताकतों से भारी राशि लेने के आरोप लगे हैं, वह हमारी समूची चुनाव प्रणाली के लिए चुनौती है।

क्या कभी सत्तापक्ष या विपक्ष से जुड़े लोगों ने या नये उभरने वाले राजनीतिक दावेदारों ने, और आदर्श की बातें करने वाले लोगों ने, अपनी करनी से ऐसा कोई अहसास दिया है कि उन्हें सीमित निहित स्वार्थों से ऊपर उठा हुआ राजनेता समझा जाए? यहां नेताओं के नाम उतने महत्वपूर्ण नहीं हैं न ही राजनीतिक दल महत्वपूर्ण है, महत्वपूर्ण है यह तथ्य कि इस तरह का कूपमण्डूकी नेतृत्व कुल मिलाकर देश की राजनीति को छिछला ही बना सकता है। सकारात्मक राजनीति के लिए जिस तरह की नैतिक निष्ठा की आवश्यकता होती है, और इसके लिए राजनेताओं में जिस तरह की परिपक्वता की अपेक्षा होती है, उसका समूचे विपक्षी दलों में अभाव एक पीड़ादायक स्थिति का ही निर्माण कर रहा है। और हम हैं कि ऐसे नेताओं के निर्माण में लगे हैं!

चुनावों से लोकतांत्रिक प्रक्रिया की शुरूआत मानी जाती है, पर आज चुनाव लोकतंत्र का मखौल बन चुके हैं। चुनावों में वे तरीके अपनाएं जाते हैं जो लोकतंत्र के मूलभूत आदर्शों के प्रतिकूल पड़ते हैं। इन स्थितियों से गुरजते हुए, विश्व का अव्वल दर्जे का कहलाने वाला भारतीय लोकतंत्र आज अराजकता के चौराहे पर है। जहां से जाने वाला कोई भी रास्ता निष्कंटक नहीं दिखाई देता। इसे चौराहे पर खड़े करने का दोष जितना जनता का है उससे कई गुना अधिक राजनैतिक दलों व नेताओं का है जिन्होंने निजी व दलों के स्वार्थों की पूर्ति को माध्यम बनाकर इसे बहुत कमजोर कर दिया है। आज ये दल, ये लोग इसे दलदल से निकालने की क्षमता खो बैठे हैं। महाभारत की लड़ाई में सिर्फ कौरव-पांडव ही प्रभावित नहीं हुए थे। उस युद्ध की चिंगारियां दूर-दूर तक पहुंची थीं। साफ दिख रहा है कि इस महाभारत में भी कथित अराजक राजनीतिक एवं आर्थिक ताकतें अपना असर दिखाने की कोशिश कर रही है, जिसके दूरगामी परिणाम होंगे। इन स्थितियों में अब ऐसी कोशिश जरूरी है जिसमें 'महान भारत' के नाम पर 'महाभारत' की नई कथा लिखने वालों के मंतव्यों और मनसूबों को पहचाना जाए। अर्जुन की एकाग्रता वाले नेता चाहिए भारत को, जरूरी होने पर गलत आचरण के लिए सर्वोच्च नेतृत्व पर वार करना भी गलत नहीं है।

यह सही है कि आज देश में ऐसे दलों की भी कमी नहीं है, जो नीति नहीं, व्यक्ति की महत्वाकांक्षा के आधार पर बने हैं, लेकिन नीतियों की बात ऐसे दल भी करते हैं। जनतांत्रिक व्यवस्था के लिए कथनी और करनी की असमानता चिंता का विषय होना चाहिए। हालांकि आजादी के अमृतकाल तक पहुंचने में हमारे राजनीतिक दलों ने नीतियों-आदर्शों के ऐसे उदाहरण प्रस्तुत नहीं किए हैं, जो जनतांत्रिक व्यवस्था के मजबूत और स्वस्थ होने का संकेत देते हों, फिर भी यह अपेक्षा तो हमेशा रही है कि नीतियां और नैतिकता कहीं-न-कहीं हमारी राजनीति की दिशा तय करने में कोई भूमिका निभाएंगी। भले ही यह खुशफहमी थी, पर थी। अब तो ऐसी खुशफहमी पालने का मौका भी नहीं दिख रहा। लेकिन यह सवाल पूछने का मौका आज है कि नीतियां हमारी राजनीति का आधार कब बनेंगी? सवाल यह भी पूछा जाना जरूरी है कि अवसरवादिता को राजनीति में अपराध कब माना जाएगा? यह अपने आप में एक विडम्बना ही है कि सिद्धांतों और नीतियों पर आधारित राजनीति की बात करना आज एक अजूबा लगता है। यह सही है कि व्यक्ति के विचार कभी बदल भी सकते हैं, पर रोज कपड़ों की तरह विचार बदलने को किस आधार पर सही कहा जा सकता है? सच तो यह है कि आज हमारी राजनीति में सही और गलत की परिभाषा ही बदल गई है- वह सब सही हो जाता है जिससे राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति होती हो और वह सब गलत हो जाता है जो आम आदमी के हितों से जुड़ा होता है, यह कैसा लोकतंत्र बन रहा है, जिसमें 'लोक' ही लुप्त होता जा रहा है?

नरसी मेहता रचित भजन ''वैष्णव जन तो तेने कहिए, जे पीर पराई जाने रे'' गांधीजी के जीवन का सूत्र बन गया था, लेकिन यह आज के नेताओं का जीवनसूत्र क्यों नहीं बनता? क्यों नहीं आज के राजनेता पराये दर्द को, पराये दुःख को अपना मानते? क्यों नहीं जन-जन की वेदना और संवेदनाओं से अपने तार जोड़ते? कोई भी व्यक्ति, प्रसंग, अवसर अगर राष्ट्र को एक दिन के लिए ही आशावान बना देते हैं तो वह महत्वपूर्ण होते हैं। पर यहां एक दिन की अजागरूकता पांच साल यानी अठारह सौ पचीस दिनों को अंधेरों के हवाले करने की तैयारी होती है। यह कैसी जिम्मेदारी निभा रहे हैं हम वोटर होकर और कैसा राजनीतिक नेतृत्व निर्मित हो रहा है?

मैं आपसे अपील करता हूं

व्यंग्य

प्रदीप औदिच्य

मतदान करने जनता निकल पड़ी, क्यों कि उन्होंने जनता से वोट डालने की अपील कर डाली। उन्होंने मतलब ऐसा सवाल आपके मन में आना ही चाहिए, वरना लोग कहेंगे कि लोकतंत्र में सवाल ना करना घातक है। अगर लोकतंत्र को बचाना है तो सवाल पूछो। अब इनसे कोई पूछे कि भाई लोकतंत्र बचा हुआ है तभी तो चुनाव हो रहे हैं। हालांकि लोकतंत्र न बीमार है ,ना डूब रहा ,फिर भी लोकतंत्र को बचाने का चुनाव है।ऐसा कह कर उन्होंने जनता से वोट डालने की अपील कर डाली। लोकतंत्र को बचाने के लिए परिवारवाद का ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर घूमने वाले लोग भी लोकतंत्र की हिमाकत करते हैं,तो मेरा लोकतंत्र पर विश्वास अधिक हो जाता है, कि सच में लोकतंत्र जरूरी है।

इस लोकतांत्रिक देश में किसी भी काम की दूसरे से अपील करना सबसे बढ़िया काम है।

आप जब खुद कुछ नही कर सकते ,तभी आप दूसरे से ऐसा काम करने की अपील कर दो।

अपील करना मतलब,अपनी जिम्मेदारी बड़ी ही सफाई से दूसरे के सिर पर रख देना भी है।

मुझे अपील करने का सबसे सस्ता और आसान काम लगा। सस्ता इसलिए कि कड़ी धूप में मतदान केंद्र तक जाना, वहां की लंबी लाइन में लग कर खड़े होना बड़ी ही मशक्कत का काम है। कुछ लोगो के लोकतंत्र के लिए कौन अपनी छुट्टी खराब करे, इससे तो अच्छा है,अपील कर डालो। उससे सभी को लगेगा कि ये बड़े ही जिम्मेदार आदमी है। मुझे जब चुनाव आयोग ने कहा आप जिम्मेदार नागरिक है ,तब से मुझे अपने आप पर गर्व हो गया।

मुझे दो ही लोगो ने अब तक इज्जत दी है,एक चुनाव आयोग ने ,दूसरा मोबाइल कंपनी ने मोबाइल कंपनी के लोग भी बड़ी ही इज्जत से बोलते है।

एक बार मैंने ऐसे आदमी को मतदान करने अपील करते देखा,जिसके कहने से उसके घर वाले भी चाय बनाकर न दें।वह खुद भी शायद कभी मतदान करने गया हो..पर उसने जनता से बड़ी संख्या में वोट डालने की अपील कर डाली।

बस इसके बाद मैंने भी हर कहीं अपील कर शुरू कर दिया है।

आप किसी सभा में ,मीटिंग में हो..

आपको बोलने का अवसर न मिले तो उठकर,बार बार सबसे शांत रहने और वक्ता की बात सुनने का अपील करना चाहिए।

इस से दो फायदे हैं,,एक तो आप सब का ध्यान अपनी और हो जाता सबको दिखा सकते हो.. मैं भी हूं..बोलने का अवसर न मिलने की पूर्ति भी हो जाती है।

दूसरा वक्ता के सामने खुद को अच्छा श्रोता साबित हो जाता है।

अपील करने की मेरी आदत ऐसी हो गई है कि सड़क पर लगे जाम के बीच में खड़े होकर मैं जाम हटाने की अपील कर जाता हूं,,हालांकि जाम तो पुलिस ही हटा देती है,पर मैं खुश हो जाता हूं कि देखो,मेरी अपील पर हुआ है।

अपील करने से किसी का कोई नुकसान नहीं होता,ना किसी को बुरा लगता है,।

मोहल्ले में कचरा है।आप नगर निगम के पार्षद ,कर्मचारी से शिकायत करने के बजाय,आप फेसबुक पर जनता से शहर को साफ सुधरा रखने की अपील कर डालो..आपके शहर का कचरा साफ हो या न हो,इंदौर का कचरा तो साफ हो ही जायेगा।

आप अपील में किसी शहर का नाम मत लो..।

इस से नगर निगम को लगेगा कि हम तो अपना काम कर ही रहे हैं,बस ये जनता ही नालायक है।

नगर निगम साफ पानी नही दे रहा किसी की भी शिकायत मत करो, किसी पर भी,इल्जाम मत लगाओ।बस,सोशल मीडिया में आओ एक बढ़िया वीडियो बनाकर जनता से पानी बचाने की अपील कर डालो।

भंडारे में भीड़ ज्यादा है,आपको जल्दी से पत्तल लेना है,बस ये करो कि भीड़ के बीच में सबको शांति से बैठने..लाइन से आने की अपील करते करते..धीरे से स्थान पकड़ लो..।

अपील ही वह रास्ता है जिससे अपना काम दूसरे से करा सकते हो,इसलिए जहां अवसर मिले अपील कर डालो।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

नोट ब्रह्मा नोट विष्णु नोटदेवो महेश्वरः ....

व्यंग्य

अशोक गौतम

लेखक व्यंग्यकार हैं।

कायदे से मेरे जैसे ईमानदारों को अपने दांत साफ नहीं करने चाहिएं। मेरा सच सबके समाने आए या न,पर मेरे दांतों का सच सबके सामने आना चाहिए। पर फिर भी दांत साफ कर लेता हूं। वैसे अब जनता भ्रम में कम रहने लगी है। उसे सब पता चल गया है। वह कहने की पोजीशन में नहीं है तो ये बात दूसरी है। अगर वह कहती भी है तो कौन सा उसे यहां कोई सुनता है?

लिहाजा ऑफिस जाने से पहले रोज की तरह उस वक्त भी दांत साफ कर रहा था कि दरवाजे पर ठक ठक हुई। पेस्ट करते ही दरवाजे की ओर लपका। दरवाजा खोला तो सामने अजीब से।

'किससे मिलना है आपको?' मैंने उनसे पेस्ट करते ही पूछा तो वे बोले,' आपके पड़ोस में रहनवाले पीउन जी से मिलने आया हूं।'

'मेरे पड़ोस में तो एक से एक पीउन रहते हैं। जिनसे आपको मिलना है उनके विभाग का नाम पता कहो तो...'

' उन्हीं मंत्री जी के पीएस के पीउन से जिनके पास मेरे से अधिक धन निकला है। उनके नोट गिनते गिनते नोट गिनने की मशीनें तक गर्म हो रही हैं। मैं उनसे मिल उन्हें सम्मानित कर धन्य होना चाहता हूं। जिस देश के पीउन की करोड़ पति हों, उस देश के उच्चाधिकारी क्या होंगे? ये सोच ही मन बावरा हुआ जा रहा है।'

' आपकी तारीफ?' मैंने सिर से पांव तक उनको पहचानने की असफल कोशिश करते पूछा तो वे सादर बोले,' माई सेल्फ इज द कुबेर! पर तुम्हारी नौकरशाही के रूतबे के आगे मात्र बेर, ' बंदे ने अपना परिचय दिया तो मैंने बंदे को ऊपर से नीचे तक ईडी वालों की तरह निहारा। कुछ शक सा हुआ। शक इसलिए कि इस देश में नकली की कोई कमी थोड़े ही है भाई साहब! यहां दूध से लेकर सपूत तक सब नकली चल रहे हैं। यहां बदें से लेकर धंधे तक सब नकली चल रहे हैं। जिसका जो मन कर रहा है, छाती चौड़ी कर बना फिर रहा है। इससे पहले कि मैं उनसे आगे कुछ पूछता कि उन्होंने ही अपनी जेब से अपना आधार कार्ड निकाल मुझे बताते कहा,' भाई साहब! ये रहा मेरा आईडी प्रूफ!' जबसे आसपास चोरों ने डेरा डाला है, सच कहूं सच के साधों पर भी शक होने लगा है। कह वे मुस्कुराने लगे तो बड़े दिनों बाद किसीके चेहरे पर शुद्ध हंसी देखी। आज सबके पास सब कुछ होने के बाद भी चेहरे पर पता नहीं हंसी क्यों असली नहीं होती? ज्यों सब बस, हंसने को हंसे जा रहे हों। अपने घर कुबेर को आया देख मन गद्गद हो गया,' बैठिए! क्या सेवा करूं आपकी? क्या लेंगे आप? चाय या कॉफी?'

' कुछ नहीं! बस, तुम्हारे उस करोड़पति पीउन के दर्शन कर कृतार्थ होना चाहता हूं।'

' क्यों? क्या स्वर्गलोक आर्थिक मंदी के दौर से गुजर रहा है जो हमारे पीउनों की जरूरत आन पड़ी?' मैंने सीना चौड़ा कर कहा तो कुबेर बोले,' ऐसा ही कुछ समझ लो बंधु! अब स्वर्गलोक की मंदी के दिन गए। आईएमएफ से नहीं, अब लेना पड़ा तो तुम्हारे पीउनों से ही कर्ज लेते रहेंगे। अहा मेरा देश! वाह मेरे देश के पीउन! जिस देश का पीउन ही करोड़ पति होगा, उस देश का नेता कितनों का पति होगा? लगता है तुम्हारा देश सोने की चिड़िया के बदले अब नोटों के बंडल हो रहा है। जहां देखो, नोटों के बंडल मिल रहे हैं। जहां देखो नोटों के बंडलों के फूल खिल रहे हैं। जहां देखो, नोटों के बंडल आदमी का दीन ईमान बदल रहे हैं। जिसे देखो, वही रोटी के बदले नोटों के बंडल के बंडल खा रहा है। जिसे देखो, वही नोट का बंडल ! नोट का बंडल! चिल्ला रहा है। अर्थात्- नोटब्रह्मा नोटविष्णु नोटदेवो महेश्वरः ....महेश्वरः। नोटेव परंब्रह्म तस्मै श्री नोटे नमः।। पर एक बात बताना जो अच्छा लगे तो? खैर, औरों की तो बात छोड़ो, तुम्हारे देश में पीउन भी आय से अधिक कैसे बना लेते हैं?

'कैसे से क्या मतलब तुम्हारा? कड़ी मेहनत । और कैसे? मेहनत करे इंसान तो क्या से क्या नहीं हो सकता? थैले पर सोने वाला नोटों के बिस्तर पर क्या सो नहीं सकता? नोट कमाने का नहीं, बस, नोट बनाने हुनर आना चाहिए। जिसे ये हुनर आ गया, समझो वह बिन डकार लिए पूरे देश के नोट खा गया। पर तुम ये सब क्या जानो कुबेर बाबू! कीचड़ उछालने वालों को क्या पता नोट कमाने के लिए कीचड़ में कितने तक धंसना पड़ता है। '

' सो तो सब ठीक है ,पर फिर भी... कह कुबेर ने शंका की एक दीवार खड़ी की तो मैंने उनकी शंका निवारण करते कहा,' देखो कुबेर! लगता है तुम हमारे विकास से जलने लगे हो।हमारे पीउन से जलो मत! उनकी रीस करो और आगे बढ़ो। हमसे ईर्ष्या करने से कुछ न होगा। ये साथ क्या लाए हो?'

'नोट गिनने की चमत्कारी मशीन! ईडी को भेंट करने आया हूं,' कुबेर ने अपने झोले से वह नोट गिनने की मशीन निकाल उसे अपने रूमाल से चमकाते कहा।

'क्यों? हमारे पास नोट गिनने की मशीनों की कमी है क्या? जिसके पास नोट होंगे उनके पास नोट गिनने की मशीनें भी तो होंगी ही।'

' तुम्हारे पास किसी चीज की कमी है क्या! तुम्हारे पास टनों झूठ है। तुम्हारे टनों फरेब झूठ है। तुम्हारे पास टनों मक्कारी है। तुम्हारे पास टनों रूतबा सरकारी है। तुम्हारे पास टनों धोखा है। तुम्हारे पास टनों मौका परस्त नेता है , पर बंधु! इस मशीन की खासियत यह है कि यह नोट गिनते गिनते गर्म नहीं होती। जितने मर्जी इससे नोट गिन लो! सोचा, ईडी को भेंट कर दूं। अपने यहां तो कारोना के बाद ही मंदी चली है। महंगाई, बेरोजगारी ने देवलोक की कमर तोड़ दी है। इस मशीन की खासियत यह है कि ये पूरे देश के ईमानदारों के नोट एक साथ गिन सकती है,' कुबेर ने वह नोट गिनने की चमत्कारी मशीन अपने रूमाल से चमका कर मेरे सामने रखी तो मैं अपनी ही बगलें झांकने लगा।

इंटरव्यू: जमा हबीब

समाज की हकीकत से दूर हैं टीवी धारावाहिकों के निर्माता-लेखक

डॉ. मनीष जैसल

लेखक आईटीएम विश्वविद्यालय ग्वालियर में जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के प्रमुख हैं।

ज़मा हबीब टेलीविजन धारावाहिक लेखक और गीतकार हैं। आपने ससुराल गेंदा फूल, निमकी मुखिया, निमकी विधायक, इशारों इशारों में, सपना बाबुल का, बिदाई, एक हज़ारों में मेरी बहना है और सास बिना ससुराल जैसे टीवी धारावाहिक लिखे हैं। वर्तमान में वह 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' लिख रहे हैं। साथ ही आप मुंबई स्थित स्क्रीन राईटर एसोसिएशन ऑफ़ मुंबई के साथ जुड़े हुए हैं। मुंबई स्थित स्क्रीन राईटर एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया के ऑफ़िस में टीवी लेखक और गीतकार जमा हबीब से भेंट हुई।

प्रश्न: फ़िल्मों में मानवीय मूल्यों को लेखक की नजर से आप कैसे देखते हैं?

एक लेखक जब कोई कहानी लिखता है और उसमें किसी भी एक पात्र को चुनता है तो उसके दिमाग़ में दो चीजें ज़रूर आती हैं। एक उसके संवैधानिक अधिकार क्या हैं, दूसरा उस पात्र की समाज में क्या जगह होनी चाहिए। उसकी क्या माँगें हैं? परिवार से, समाज से, सरकार से? आप किसी भी पात्र को देखिए उसके उस पात्र के बाहरी आवरण में समाज के साथ सम्बंध स्थापित करते हैं तो, वही आंतरिक आवरण में उसके इमोशन, फ़ीलिंग आदि में भी मानवीय होना एक लेखक के लिए ज़रूरी हो जाता है। उसमें भी अगर आप किसी अंडरडॉग (उपेक्षित) की कहानी कहते हैं, वहाँ लेखक को और सावधानी बरतने की ज़रूरत होती है। उदाहरण के लिए आप चक दे इंडिया को लें तो उसमें खिलाड़ियों की कहानी है। उसे लेखक ने उन खिलाड़ियों के संवैधानिक और मानवीय मूल्यों के साथ खड़े होकर किरदारों को जीवंत किया है। खिलाड़ियों की समस्याओं, उनके हक़ को लेकर यह एक अच्छी फ़िल्म है मानी जा सकती है। वहीं खोसला का घोसला 2006 की एक फ़िल्म है। जिसमें एक रिटायर्ड व्यक्ति है उसने रिटायरमेंट के बाद एक घर ख़रीदने का प्लान किया है उसे किस तरह की दिक्कतें आती हैं उसकी कहानी हमें दिखाई देती है। एक लेखक जिस समाज की कहानी उठाता है और उस कहानी के जिस किसी पात्र को वह लिख रहा होता है वह उसके सामाजिक और मानवीय मूल्यों को ध्यान में रखकर अगर उसे आगे बढ़ाते हैं तो कहानी सामाजिक दायित्व का निर्वहन करने लगती है।

प्रश्न: आज़ादी के पहले और बाद के हिंदी सिनेमा में चरित्रगत और कथानक रूप से क्या फ़र्क़ आप महसूस करते हैं?

देखिए हर दौर में चाहे सिनेमा हो या साहित्य, बदला है। इसे ऐसे समझिए, हमारे पापा को हमारे दादाओं ने ये कहा कि उनका ज़माना अलग था, पापा ने हमें बताया कि उनका ज़माना अलग था और अब हम अपने बच्चों को बताते हैं हमारे ज़माने में तो ऐसा था वैसा था। हर दौर में समाज बदलता रहा है। यहाँ ध्यान ये देना है कि मूल्यों में कितना बदलाव आया। हर दौर में सिनेमा और साहित्य ने समाज के आइने की भूमिका निभाई है। जो समाज में है उसे लिखा जाता है। फिर उसे दर्शाया जाता है। 1950 के दशक में जो देश की समस्याएँ थी उसे महबूब खान ने अपनी फ़िल्मों में दर्शाया। उस दौर में ब्याज, सूदखोरी, ज़मींदारी प्रथा, जैसी किसानों की अन्य समस्याएँ महबूब खान साहब ने अपनी फ़िल्मों मदर इंडिया, गंगा जमुना आदि में प्रमुखता से उठाया। उसके बाद 1960-70 के दशक में बेरोज़गारी की समस्या देश के नौजवानों को कैसे लीड कर रही है उसके चलते नौजवान क्राइम और फ्रस्टेशन आदि का शिकार होने लगे। उसे सलीम जावेद और यश चोपड़ा जैसे फ़िल्मकारों ने अपनी फ़िल्मों के माध्यम से बखूबी दिखाया। 80-90 का दौर आया वहाँ समाज बदला तो फिर कहानी बदल गयी। उदारीकरण के बाद नए भारत में नए अवसर और समस्याओं ने जन्म लिया फ़िल्मकारों ने उसे भी दिखाने का प्रयास किया। लोगों को नौकरी के अवसर मिले, नए मेट्रो शहर बने, तो वहाँ भी फ़िल्मकारों ने दिल चाहता हैं जैसी फ़िल्में भी बनाई। हर दौर में समाज से ही लेखकों ने कहानियां उठाई हैं।

प्रश्न: भारत का संविधान जिस मूल भावना के साथ स्वीकार किया गया था समाज में वैसा ही रेफलेक्शन शुरुआती दौर की फ़िल्मों में देख पाते हैं? 1960-70 तक ऐसा हमें दिखाई देता हैं। उसके बाद की फ़िल्मों में भी आपको संवैधानिक मूल्य और मानवीय मूल्य आपको नज़र आते हैं? ऐसी फ़िल्मों को आप याद कर पा रहे हैं?

बिल्कुल मुझे 1970-80 तक का समय फ़िल्मों के निर्माण और उसमें संवैधानिक मूल्यों के लिहाज़ से सही लगा। और ये मेरे अपना मत है कि 1980 का दशक हिंदी फ़िल्मों की कहानियों और संगीत के लिए सबसे ख़राब दौर रहा। इसी दौर में तोहफ़ा, हिम्मतवाला जैसी अनेकों फ़िल्में बनी। लेकिन इसी दौर में समानांतर सिनेमा अपनी भूमिका निभा रहा था। इस दशक में फ़िल्मकार समाज से जुड़ी कहानियाँ उनके दर्द को सिनेमाई रूप में कह रहे थे। उनकी समस्याओं को उठा रहे थे। मैं ऐसा भी नही कह रहा कि पूरा दशक ही ख़राब था क्योंकि इसी दौर में मासूम जैसी फ़िल्में बनी लेकिन ओवर ऑल अगर इस दशक को देखें तो निराश होंगे आप। 90 के दशक में भारत में बड़ी संख्या में पीढ़ी जवान हो गयी। आप पाएँगे कि फ़िल्मों में रोमांटिक जॉनर की बाढ़ आ गयी। कहानियाँ गाने सब युवाओं के लिए केंद्रित हो गए। और 80-90 के दशक के बाद जो सबसे बड़ा नुक़सान हुआ वो ये कि गानों में भी हम समाज के दर्द और उनकी समस्याओं से दूर से होते चले गए।

अगर आप पिछले दौर की फ़िल्म प्यासा के ही गाने को देखें 'जाने कैसे लोग थे ये जिनको प्यार को प्यार मिला' या फिर कुछ और गीत जैसे ये 'दुनियाँ अगर मिल भी जाए तो क्या है' या फिर सर जो तेरा चकराए आदि को सुने तो गीतों में भी सामाजिक संवाद हमें सुनाई देता है। इस दौर की फ़िल्मों के अल्बम को भी अगर आप देखें तो गीतों में भी कहानियों का जुड़ाव मिलता था लेकिन 80-90 के दशक तक आते आते हम जिगर कलेजा तक ही सीमित हो गए। अब एक ही फ़िल्म में 5 गाने एक ही तरह के पब में बजते हुए रोमांटिक मिल जाएँगे, जिसका समाज हित से कोई लेना देना नही। कुछ फ़िल्में समाज से जुड़ी हुई आई भी तो उसमें हिंसा और अपराध इतना हावी था कि पूछिए मत। तेज़ाब, मोहरा सब उसी दौर की फ़िल्में हैं। मुझे लगता है फ़िल्मों के समाज से कटने से गीतों को भी नुक़सान हुआ है। आज की फ़िल्मों में आप ऐ दिल है मुश्किल और जीना यहाँ मरना यहाँ जैसे गीत नही सुन पाएँगे। फ़िल्म रोटी कपड़ा और मकान का गीत मुझे याद आता है महँगाई मार गयी और इसी फ़िल्म में हाय हाय ये मजबूरी भी जब बजता है तो अपनापन सा लगता है । 90 के बाद के वर्षों में गानों के साथ जो छेड़छाड़ हुई है उसका असर फ़िल्म की कहानी को पिरोने में भी दिखाई देता है। यहाँ मैं एक बात और कहना चाहता हूँ कि लेट नाइंटीज में हमारा फ़िल्म का ऑडीयन्स भी बदला है। एनआरआई हो रहे भारतीय लोग अब सिनेमा के टारगेट दर्शक बन चुके थे। पीवीआर, INOX में फ़िल्में देखने वाले लोग अब उसी एलीट समाज की कहानी देखने लगे। ऐसे में सिनेमा में समाज से दूरी सी बढ़ने लगी। फ़िल्मों की लोकेशन वैश्विक होने से भी कहानियों में बदलाव आया है। यह भी एक कारण है। सोचिए मुझे तो आपके सवाल से ही याद आ रहा है कि पहले स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, होली दिवाली, रक्षाबंधन,लोहड़ी पर गीत और कहानी में इनका जुड़ाव हुआ करता था। आज सब कुछ जैसे खो सा गया हो। बस ये समझिए आप जहाँ से समाज निकलेगा वहाँ से संविधान तो निकल ही जाएगा।

प्रश्न: सिनेमा की दुनिया से अलग घरों में टीवी की एक अलग दुनिया है। टीवी स्क्रीन पर घंटों महिलाएं बच्चे और घर के पुरुष चिपके रहते हैं। टीवी स्क्रीन पर दिखने वाला समाज क्या वास्तविक समाज है? वहां टीवी कार्यक्रम से जुड़े लेखकों की क्या जिम्मेदारी बनती है? क्या उनमें भी लेखक ऐसे सामाजिक और मानवीय मूल्यों का ख़्याल रखते हैं?

टीवी सबसे पावरफ़ुल मीडियम है और मैं पूरी ज़िम्मेदारी के साथ यह कहना चाहता हूं कि भारत के किसी टीवी लेखक और निर्माता ने इस माध्यम का सही उपयोग नही किया। टीवी ऐसा माध्यम है जहां एक लेखक निर्माता सीधे दर्शक के बेडरूम तक पहुँच कर उसे अपना संदेश प्रेषित कर सकता है। सोचिए सोने से पहले, उठने के बाद, खाना बनाते, बातें करते हुए आप टीवी के दर्शक के पास पहुँच सकते हैं। लेकिन ऐसा हुआ नही। इसके दो कारण हो सकते हैं। जब टीवी की शुरुआत हुई तब मान लिया आपने एक आदर्श दुनिया जैसा समाज आपने टीवी में बनाया। लेकिन हमने टीवी के दर्शकों के सामने उनकी समस्या कभी नही पेश की। इसीलिए टीवी का दर्शक हमेशा चकाचौंध, आलीशान घर, आंगन, रिश्ते की बनावट आदि में ही उलझा रहा। कुछ समस्या उठाई भी गयी तो उन्हें इतना ड्रमेटिक बनाकर पेश किया कि उनका असर समाज में नही हो सका। कुछेक कार्यक्रम जैसे बालिका बधू को आप देखिए उसमें समाज थोड़ा बहुत जुड़ा भी है इन कहानियों से। ससुराल गेंदा फूल में मैंने एक आदर्श परिवार के साथ समस्या रखने की कोशिश की। समस्या का एक हल खोजने का रास्ता भी मैंने उस सीरियल में दिखाने की कोशिश की। लेकिन बहुत कम ऐसे सीरियल आज हैं। और मैं यह भी ज़िम्मेदारी से कह रहा हूं पिछले चार पाँच सालों में जो टीवी में कार्यक्रम हैं वो देखने लायक नही हैं। सभी चैनल में एक ही तरह की कहानी चल रही है, एक परिवार है उसमें किसी की शादी किसी और से हो जाती है। वो प्यार किसी और से करती थी। बस यही सब चल रहा हैं। लेकिन समाज में इसके अलावा भी बहुत कुछ और चल रहा है। वो शायद कोई भी टीवी के निर्माता और लेखक नहीं कर पा रहे। टीवी का सदुपयोग करने के बजाय हम अभी इसका दुरुपयोग कर रहे हैं।

जलसंकट

2025 तक भारत में गहराएगी पानी की समस्या !

अशोक भाटिया

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

भारत में पानी की बर्बादी पर लोग आम तौर पर परेशान नहीं होते हैं। शहर हो या गांव, हर जगह लोग पानी का बेतहाशा इस्तेमाल कर रहे हैं। सरकारें भी इस पर ज्यादा ध्यान नहीं दे रही हैं। लेकिन भारत में पानी की कमी कितनी भयावह हो सकती है इसका अंदाजा आप यूनेस्को की इस रिपोर्ट से लगा सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनेस्को की रिपोर्ट के अनुसार साल 2025 तक भारत में पानी की समस्या बहुत ज्यादा बढ़ जाएगी। ऐसी आशंका भी जताई गई है कि जल संरक्षण की कमी, प्रदूषण, अतिक्रमण, शहरीकरण और ग्लेशियर पिघलने के कारण आने वाले समय में गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी हिमालयी नदियों का प्रवाह कम हो जाएगा।

यूनेस्को की रिपोर्ट की मानें तो साल 2016 में धरती पर 9.33 करोड़ आबादी पानी के संकट से जूझ रही थी। उसके बाद कई देशों में जल-संकट काफी तेजी से बढ़ा। रिपोर्ट में एक और बड़ा दावा ये भी किया गया है कि एशिया में लगभग 80 प्रतिशत आबादी जल संकट से जूझ रही है। यह संकट पूर्वोत्तर चीन, भारत और पाकिस्तान पर सबसे ज्यादा है।

महाराष्ट्र में पारा 40 के पार पहुंच गया है। चिलचिलाती धूप के कारण मुंबई को जलापूर्ति करने वाले जलाशय तेजी से सूख रहे हैं। मुंबई को पानी आपूर्ति करने वाली सातों झीलों का पानी जुलाई में खत्म हो जाएगा। झीलों में पानी का मौजूदा स्तर मुंबईकरों को चिंतित कर रहा है। मुंबई को पानी की आपूर्ति करने वाले सात जलाशयों में फिलहाल 16 फीसदी पानी बचा है और पिछले साल की तुलना में यह भंडार काफी कम है। मौसम विभाग ने भी चेतावनी दी है कि अगले कुछ दिन इसी तरह गर्मी जैसे हालात बने रहेंगे, जिसके चलते मुंबई में 15 से 20 फीसदी पानी की कटौती का संकट पैदा हो गया है। हालांकि बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) ने लोगों को सांत्वना देते हुए कहा है कि शहर में जल आपूर्ति कर रहे सात जलाशयों का भंडार जुलाई के अंत तक रहेगा और निवासियों को चिंता करने की जरूरत नहीं है

समग्र जल प्रबंधन सूचकांक (सीडब्ल्यूएमआई) की रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमान में भी भारत के प्रमुख 21 शहरों में लगभग 10 करोड़ लोग पानी की भीषण समस्या से जूझ रहे हैं। देश में साल 1994 में पानी की उपलब्धता प्रति व्यक्ति 6 हजार घन मीटर थी जो साल 2025 तक घटकर 1600 घन मीटर रह जाने की संभावना जताई गई है। इसके अलावा देश की बढ़ती आबादी भी जल संकट का एक बड़ा कारण माना जा रहा है।

ऐसे में वर्तमान में जल को संरक्षित नहीं किया गया तो आने वाले सालों में लोगों को पीने का पानी तक ढंग से मुहैया करवाना सरकार के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है। जल को संरक्षित करने के किसी भी प्लान को बनाने के लिए सरकार के पास देश के सभी नदियों और जलाशयों का डेटा होना चाहिए। जो कि सबसे बड़ी चुनौती है।

दरअसल वाटर रिसोर्सेज इनफॉरमेशन सिस्टम के पास जलाशय और नदियों का आंकड़ा तो मौजूद है लेकिन अलग-अलग शहरों के छोटी नहरों का कोई डाटा मौजूद नहीं है जिन्हें ग्रामीण भारत की जीवन रेखा माना जाता है और यही नहरें बाढ़ रोकने के लिए बहुत ही ज्यादा कारगर होती हैं। इसके अलावा भारत में पानी के आंकड़े तैयार करने वाली एजेंसियां राज्य स्तर पर हैं और ये राज्य इन डाटा को तैयार करने के विकेंद्रीकृत और लोकल मैकेनिज्म का उपयोग करती हैं।ऐसे में जल निकायों का प्रबंधन करने के लिए, हमें औपचारिक डेटा के साथ एकीकृत करने के लिए समुदायों के प्रासंगिक और पारंपरिक ज्ञान की आवश्यकता है।

आज दुनिया का बड़ा हिस्सा अपनी दैनिक आवश्यकताओं के लिए पानी की कमी से जूझ रहा है। इस समस्या को समझते हुए विश्व में पानी की बर्बादी रोकने, महत्व समझने, संरक्षण करने और सही मात्रा में पानी का इस्तेमाल सुनिश्चित करने के लिए तरह तरह की योजनाएं और तरीके निकाले जाने जरुरी हैं।

भारत में ज्यादातर जल स्रोत जैसे तालाब, कुएं, नहर, नदियां सूखती और प्रदूषित होती जा रही हैं। ये जल संकट की ओर इशारा है, इसलिए इस स्थिति में जल्द से जल्द परिवर्तन लाना बेहद जरूरी है। शहरों में नहर होने के कई फायदे होते हैं ये नहर बारिश के पानी को संरक्षित करने का सबसे आसान और कारगर तरीका है । सामान्य तौर पर, गुजरात, महाराष्ट्र और राजस्थान जैसे शुष्क राज्यों में बहुत सारी नहरें और छोटे- छोटे जलाशय बनाए जाते हैं। सूखाग्रस्त राज्यों में नहरों और छोटे छोटे जलाशयों का का मुख्य रूप से सिंचाई और भूजल पुनर्भरण के लिए उपयोग किया जाता है। केरल, पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में नहर का इस्तेमाल घरेलू उपयोग और मछली पालन के लिए भी किया जाता है।

जल शक्ति मंत्रालय ने अप्रैल 2023 में भारत की पहली जल निकायों की जनगणना की रिपोर्ट जारी की है, जो देश में तालाबों, टैंकों, झीलों और जलाशयों का एक व्यापक डेटा बेस है। जनगणना के अनुसार भारत में तालाबों, टैंकों और झीलों जैसे 24.24 लाख जल निकाय हैं। पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा 7.47 लाख जल संरचनाएं हैं जबकि सिक्किम में सबसे कम 134 जल संरचनाएं हैं। जल शक्ति मंत्रालय द्वारा जारी जल संख्या गणना के मुताबिक भारत में कुल 24.24 लाख जल संरचनाएं हैं, जिनमें से 97.1 प्रतिशत यानी 23.55 लाख ग्रामीण क्षेत्रों में हैं और केवल 2.9 प्रतिशत यानी 69,485 शहरी क्षेत्रों में हैं। इसी जनगणना के मुताबिक टैंकों की सबसे ज्यादा संख्या आंध्र प्रदेश में है, जबकि तमिलनाडु में सबसे ज्यादा संख्या झीलों की है।

केंद्रीय जल शक्ति मिनिस्ट्री की रिपोर्ट के अनुसार देश के अन्य राज्यों की तुलना में महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा जलाशयों की गणना की गई है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे 2023 के अप्रैल महीने में ट्वीट के माध्यम से ये लिखा था कि आगे चलकर राज्य में पानी का संकट सामने नहीं आए, इसके लिए राज्य की महायुति की सरकार कटिबद्ध है।

इस रिपोर्ट के अनुसार देश में ज्यादा जल निकाय बहुत छोटे हैं। भारत के अधिकांश जल निकाय एक हेक्टेयर से कम बड़े हैं। इसका मतलब ये है कि उनका पता लगाना और उन पर नजर रखना एक चुनौती बने रहने की संभावना है। उपग्रहों का उपयोग करके इन जल निकायों को मानचित्रित करने का तरीका भी काम नहीं कर सकता है, यही कारण है कि भू-आधारित ट्रैकिंग यानी जल शक्ति जनगणना की शुरुआत की गई। इसी रिपोर्ट के अनुसार कई जल निकायों का पानी इतना पुराना और इतना गंदा है कि उसे इस्तेमाल नहीं करने में वर्गीकृत किया गया है।

बता दें कि पिछले कुछ सालों में इजरायल ने बारिश के जल संचय के साथ पानी का बेहतर इस्तेमाल कर जल संकट की मुसीबत से छुटकारा पा लिया। भारत में वर्तमान में एक साल में जितनी बारिश होती है, अगर उसका संचय सही तरीके से किया जाए और नई तकनीक से उसे पीने के लायक बनाकर इस्तेमाल किया जाए, तो बहुत हद तक समस्या कम हो सकती है। जरूरत है कि पानी को बचाने के लिए हम प्रतिबद्ध हों, तभी पानी हमारा 'जीवन रक्षक' बन सकेगा।

चिंताजनक स्थिति यह भी है कि न सिर्फ भारत बल्कि दुनिया की लगभग 26 प्रतिशत जनसंख्या को साफ पानी तक नहीं मिल पा रहा है। पश्चिमी एशिया और अफ्रीका के बहुत-से देशों में पेयजल का संकट है। लोगों को पीने के लिए स्वच्छ पानी नहीं मिल पाता। दुनिया के 2 से 3 अरब लोग साल में कम से कम एक महीने पानी की कमी से जूझते हैं।

वर्तमान स्थिति में भारत भूजल का अन्य देशों की तुलना में सबसे ज्यादा इस्तेमाल करता है। हालांकि निकाले गए भूजल का सिर्फ 8 प्रतिशत पानी ही पीने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। पानी का 80 फीसदी भाग सिंचाई में उपयोग किया जाता है। शेष 12 प्रतिशत भाग उद्योगों द्वारा उपयोग किया जाता है।

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन की रिपोर्ट के अनुसार देश में जल संकट की वजह यहां जरूरत से ज्यादा भूजल का दोहन है। केंद्रीय भूजल बोर्ड की मानें तो देश में हर साल सिंचाई के लिए 230 अरब घन मीटर भूजल निकाला जाता है, इस कारण है कि कुछ राज्यों में भूजल का स्तर काफी नीचे चला गया है।

वैज्ञानिकों की माने तो धरती का तापमान जैसे-जैसे बढ़ता जा रहा है वैसे ही ऋतु-चक्र में बदलाव देखने को मिल रहे हैं और पानी की किल्लत से परेशानियां बढ़ रही हैं। दरअसल पिछले बीस सालों में धरती के बढ़ते तापमान, ग्रीन हाउस गैसों का असर और ग्लोबल वार्मिंग के कारण भारत के ऋतु-चक्र में'अल-नीनो' का असर देखने को मिल रहा है। जिसका मतलब है कि देश में बरसात कम हो रही है और गर्मी बेतहाशा बढ़ती जा रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में दूसरे देशों की तुलना में पानी की बर्बादी कहीं ज्यादा होती है।

जल संकट की एक बड़ी वजह कारखानों के जहरीले पानी को पाइप के मदद से जमीन के अंदर पहुंचाना भी है। दरअसल भारत में तीन लाख से ज्यादा छोटे-बड़े बूचड़खाने हैं। इन कारखानों में हर दिन करोड़ों लीटर पानी बर्बाद किया जाता है। इसी तरह दूसरे देशों में भी बूचड़खानों के कारण करोड़ों लीटर पानी बर्बाद होता है।

जल संबंधी जरूरतें पूरी करने के लिए भारत सरकार की योजना के बारे में बताया जाता है कि इस समाया भारत में जल संरक्षण की चार योजनाए चल रही है 1। राष्ट्रीय जल नीति, 2012 -2, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 3, जल शक्ति अभियान- 'कैच द रेन' अभियान 4, अटल भूजल योजना ।

पानी की किल्लत सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया होने वाली है। जल संकट आने वाले समय में झगड़े-फसाद की वजह भी बन सकता है। जानकारों की मानें तो अगला विश्व युद्ध पानी के एकाधिकार को लेकर हो सकता है।

बात भले ही हास्यापद लगे परन्तु बताया जाता है कि ग्रामीण महाराष्ट्र में कई लोगों ने दूसरी शादी इसलिए करते हैं ताकि एक पत्नी पानी लाए और पहली पत्नी घरेलू कार्य निपटा सके। इस टर्म को 'वाटर वाइफ' कहते हैं। अगर दूसरे राज्यों में भी ऐसे हालात हुए तो संभव है कि महाराष्ट्र का यह प्रयोग दूसरे राज्य के लोग भी करने लग जाए, जो आगे चलकर कई सामाजिक, धार्मिक और पारिवारिक समस्याओं का कारण बन सकता है।

आम चुनाव 2024

क्या इन्दौर में नोटा राजनीतिक प्रतिरोध का प्रतीक बनेगा?

अनिल त्रिवेदी

लेखक अभिभाषक हैं।

भारत के आम चुनावों में भारतीय मतदाता को केवल अपना मनपसंद जनप्रतिनिधि निर्वाचित करने का ही अधिकार नहीं है भारत के प्रत्येक मतदाता को निर्वाचन में प्रत्याशियों को नापसंद करने का भी संवैधानिक अधिकार प्राप्त है। भारतीय मतदाता की सामान्य बुद्धि पर भारत का संविधान पूरा-पूरा भरोसा करता है तभी तो मतदान पत्र में निर्वाचन में खड़े प्रत्याशियों के साथ ही 'इनमें से कोई नहीं' याने NOTA को 2009 से शामिल किया गया। भारतीय मतदाता के इस महत्वपूर्ण अधिकार के पीछे भारत के आम नागरिकों या मतदाताओं को यह सर्वोच्च अधिकार प्राप्त हुआ है कि जो भी जनप्रतिनिधि निर्वाचन हेतु प्रत्याशियों की सूची में शामिल होने से मतपत्र में दर्शाया गया है उसमें से कोई एक को चुनना है तो उसके नाम के सामने के बटन को दबाकर अपनी पसंद को अभिव्यक्त कर सकता है। इसके साथ-साथ भारतीय मतदाता को यह अधिकार भी प्राप्त है कि यदि कोई भी प्रत्याशी मतदाता की पसंद का नहीं है तो मतपत्र में इनमें से कोई नहीं (NOTA) का बटन दबा कर अपनी नापसंदगी को भी निर्वाचन में जाहिर करने का संविधान सम्मत रूप से पूरा-पूरा अधिकारी हैं। इस तरह NOTA मतदाता का संकल्प भी है और विकल्प भी है। भारत का मतदाता राजनैतिक दलों का अविचारी अंधा समर्थक या गुलाम नहीं है। भारतीय मतदाता स्वतंत्रता के बाद से होने वाले प्रत्येक आम चुनाव में अपनी स्वतंत्र पसंद नापसंद के आधार पर मतदान करता रहा है तभी तो भारत की राजनीति में आजादी के बाद से इतने विविधता पूर्ण नतीजे आए और प्रत्येक आम चुनाव में भारतीय राजनीति में निरन्तर राजनैतिक बदलाव की दिशा हमें दिखाई देती हैं। भारतीय मतदाता प्रायः लोकसमझ से मतदान करता है। निरन्तर राजनैतिक बदलाव की दिशा भारतीय आम चुनावों के नतीजों के विश्लेषण से भारत के मतदाताओं की इस अनूठी विविधता पूर्ण मनःस्थिति की अभिव्यक्ति का हमें पता चलता हैं।

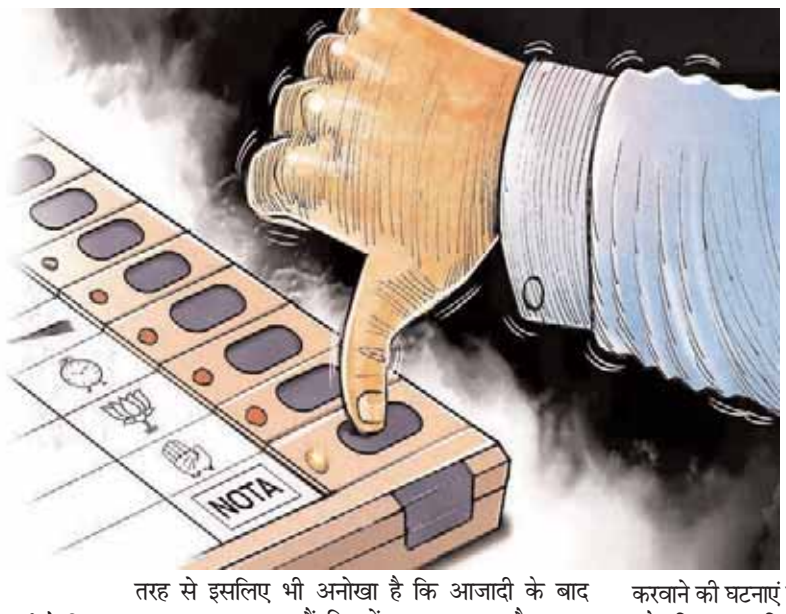

2024 का आमचुनाव इस कारण महत्वपूर्ण है कि भारतीय मतदाता को एक दल नहीं दो राष्ट्र व्यापी राजनैतिक समूहों या गठबंधनों के बीच अपनी पसंद नापसंदगी जाहिर करनी है।2024का आम चुनाव एक तरह से इसलिए भी अनोखा है कि आजादी के बाद पहला आम चुनाव हैं जिसमें लगभग चार सौ पचास लोकसभा क्षेत्रों में सत्तारूढ़ एन.डी.ए.गठबंधन और इंडिया गठबंधन के बीच सीधा मुकाबला है। देश के राष्ट्रीय और क्षेत्रीय राजनीतिक दलों में चुनाव पूर्व आपसी व्यापक राजनैतिक सहमति के साथ मिलकर इतने बड़े पैमाने पर चुनाव लड़ने का यह पहला अवसर है। भारत के आम चुनाव में एक बड़े राष्ट्रीय दल के सामने गठबंधन बना कर लड़ने के प्रयोग तो काफी समय से चल रहे हैं पर इतने बड़े पैमाने पर दो राष्ट्रीय गठबंधन पहली बार भारतीय मतदाता के सामने राजनीतिक विकल्प के रूप में उपलब्ध हुए है।

2024के आम चुनावों में एक नया घटनाक्रम यह भारतीय मतदाता के सामने आया कि सूरत और इन्दौर में विपक्षी राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस के उम्मीदवार के नामांकन अवांछित दबाव और भय पैदा कर अलोकतांत्रिक तरीके से वापस करवाने की घटनाएं समूचे भारत ही नहीं दुनिया भर में चर्चा और चिन्ता का विषय बनी।सूरत में इस कारण सत्तारूढ़ समूह का उम्मीदवार तत्काल निर्विरोध निर्वाचित घोषित हुआ पर इन्दौर में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रत्याशी न होने से पहली बार भारतीय मतदाता और खासकर इन्दौर लोकसभा के मतदाताओं के अन्तर्मन में व्यापक और विपरीत प्रतिक्रिया हुई दिखाई देती हैं। इसके परिणामस्वरूप नोटा का बटन इन्दौर लोकसभा क्षेत्र के चुनाव में मतदाताओं के प्रतिरोध के प्रतीक के रूप में व्यापक जन चर्चा का विषय बनता जा रहा है। इन्दौर लोकसभा चुनाव में इन्दौर के मतदाताओं का समर्थन 1989से एक दल विशेष को ही लगातार मिलता रहा होने के बाद भी सत्तारूढ दल विशेष द्वारा कांग्रेस प्रत्याशी से मनमानी पूर्ण अवांछित दबाव बनाकर नामांकन पत्र वापस लेना गले नहीं उतर रहा है। इन्दौर के मतदाताओं के मन में यह सवाल उथल-पुथल मचा रहा है कि जिस राजनैतिक दल पर हम भरोसा कर पिछले पैंतीस वर्ष से मतदान कर विजय दिलाते रहे उस राजनैतिक दल को इन्दौर के मतदाताओं की प्रज्ञा पर विश्वास और भरोसा क्यों नहीं है? यही वह मूल बिंदु है जिसके कारण इन्दौर लोकसभा क्षेत्र में नोटा राजनैतिक मनमानी के खिलाफ सविनय अवज्ञा के रूप में उभरता जा रहा है।जो भारत के आम चुनावों में पहली बार उम्मीदवारों की जय पराजय को ही नहीं मतदाताओं के स्वयंस्फूर्त प्रतिरोध या सविनय अवज्ञा को भी अभिव्यक्त करने का एक नया तरीका विकसित कर सकता है जो नोटा के एक नया आयाम के रूप में विकसित हो सकता है! यदि ऐसा हुआ तो नोटा बटन भारतीय मतदाता को राजनैतिक प्रतिरोध का एक नया औजार प्रदान करेगा।

मां शारदा सहायता समिति व प्रत्याशा संस्था ने किया दूध से पैर पखारकर माताओं का सम्मान

बैतूल। अग्रणी समाजसेवी संस्थाए मां शारदा सहायता समिति एव्म प्रत्याशा संस्था ने मातृत्व दिवस पर अभिनव आयोजन किया, जिसमें स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय ब्रजलाला भाटिया की धर्मपत्नी श्रीमती शकुंतला भाटिया (उम्र 100 वर्ष), पूर्व मंदी अध्यक्ष समाजसेवी श्रीमती सरोजदेवी शुक्ला, पूर्व प्राचार्य श्रीमती शकुंतला पचौरी, तीन बेटियो का जीवन संवारने वाली श्रीमती शिवकली काकोडिया, श्रीमती गुरुचरण कौर का विधि-विधान से दूध-जल से पैर पखारकर सम्मान किया।

कार्यक्रम संयोजक शैलेंद्र बिहारिया ने बताया कि पं. श्रीराम तिवारी ने मंत्र पडक़र विधि-विधान से माताओं का पूजन संपन्न कराया, जिसमे माताओं के पैर पखारकर आरती उतार माला पहना, पुष्पगुच्छ, श्रीफल से सम्मान किया। इस अवसर पर रेडक्रास प्रतिनिधि संजय शुक्ला ने कहा कि मां ही दुनिया है, मां जैसा कोई नहीं। प्रत्याशा संस्था की तूलिका पचौरी ने कहा कि मां जीवन का विश्वास होती है, मां जीवन का संबल होती है, मां से बढ़कर इस दुनिया में कोई नहीं होता है। इस अवसर पर चंचल पांसे व श्रीमती निमिषा शुक्ला ने मां तू कितनी अच्छी है, तू कितनी भोली है, गीत से माताओं को भावविभोर कर दिया। उन्होंने कहा कि मां का कोई दूसरा विकल्प हो नहीं सकता। महिला विंग की श्रीमती हेमासिंह चौहान ने कहा कि मां वेदों की मूल चेतना है। मां ही गीता की वाणी है। शिक्षक राजू मालवीय ने मां पर गीत सुना सबको रुला दिया, इस अवसर पर शैलेंद्र बिहारिया ने कहा की पत्नी पसंद से मिलती है लेकिन मां तो पुण्य से मिलती है इसलिए पसंद से मिलने वाली के लिए पुण्य से मिलने वाली को मत ठुकराना। इस अवसर पर समाजसेवी मार्गदर्शक रमेश व पिंकी भाटिया, महेंद्र मालवीय, हिमांशु सोनी, जलदीप वर्मा, अनंत तिवारी, हिमांशु सोनी,जलदीप वर्मा, शिक्षिका दीपा मालवीय, संजय भाटिया, कन्हैया पवार, बाली अहलूवालिया उपस्थित थे। इस अवसर पर सम्मान पाने वाली माता श्रीमती शकुंतला पचौरी ने कहा की समाज की सोच बदलने का यह अभियान समाज के लिए वरदान है कोरोना काल में हमने देखा विदेश में बैठे संतानों ने अपने माता पिता को अकेले छोड़ दिया यह बेहद हृदय विदारक था ऐसे कार्यक्रम जनचेतना लाते है।

संघर्ष कर बेटी को काबिल बनाने पर मातृ शक्ति हुई सम्मानित

अटल सेना ने मनाया मातृ दिवस

बैतूल। पति के निधन के बाद पत्नी का संघर्ष करते हुए अपनी संतान को काबिल बनाना बहुत ही कठिन कार्य होता है। मां ही एक ऐसी शक्ति होती है जो बच्चे को जन्म भी दे सकती है और उसकी परवरिश कर उसे पैर पर खड़ा कर सकती है। अटल सेना बैतूल द्वारा श्रीमती सुगराती यादव को मातृ दिवस के अवसर पर सम्मानित किया गया। इस संबंध में संस्था के प्रांताध्यक्ष राजेन्द्र सिंह चौहान (केन्डु बाबा) ने बताया कि सुगरती यादव के पति भैयालाल का निधन 11 वर्ष पूर्व और उनके पुत्र का देहांत 9 वर्ष पूर्व हो गया था। ऐसे में सुगरती यादव ने मजदूरी कर और माला बनाकर बेचते हुए कड़ी मेहनत कर अपनी बेटी शीतल को ग्रेजुएशन करवाया। आज सुगरती यादव की बेटी रेल्वे में पाईंटस मैन के पद पर कार्यरत है। सुगरती यादव ने अपनी बेटी का विवाह एक अच्छे घर में करवाया वह आज सक्षम और सुखी है। उन्होने कहा कि सुगरती यादव की उम्र आज लगभग 70 वर्ष है परन्तु आज भी वह सक्रिय हैं और किसी पर आश्रित नहीं हैं। इस सम्मान समारोह में प्रभा यादव, शंकर चावरिया, विशाल चावरिया, छोटू सातनकर, लक्ष्मी खातरकर सहित वार्डवासी मौजूद थे।

जीजा ने साले के घर में लगाई आग, सामग्री खाक, पुलिस हिरासत में जीजा

आग लगाने का आरोपी जीजा पुलिस हिरासत में

बैतूल। जिले के सारनी थाना क्षेत्र के बालाजी वार्ड निवासी सतीश सोनारे पिता श्यामराव सोनारे ने थाना आकर गत शनिवार 11 मई को रिपोर्ट दर्ज किया कि शुक्रवार को रात में उसके जीजा राकेश अडलक निवासी सारणी से घरेलू बातों को लेकर उसका विवाद हो

गया था, जो पड़ोसियों के समझाने पर विवाद शांत हो गया था। इसके बाद शुक्रवार रात्रि में लगभग 1:30 बजे आरोपी जीजा राकेश अडलक ने उसके घर में आग लगा दी है, जिससे उसके घर में रखा घरेलू सामान और बाइक जलकर खाक हो गई। इस दौरान घर में कोई नहीं था। आग की लपटे उठती देख मोहल्ले में रहने वाले राहुल ने लोगों को जगाया और नगर पालिका को सूचना दी। इसके बाद नपा और पावर प्लांट की दोनों दमकल की गाड़ियों ने काफी मशक्कत क रने के बाद बारी-बारी से किसी तरह आग बुझाई। युवक राहुल की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। नहीं तो यह आग पूरे मोहल्ले में फैल जाती। टीआई अरविंद कुमरे ने बताया कि फरियादी सतीश सोनारे की रिपोर्ट पर थाना सारणी में अपराध धारा 436 भादवि का पंजीबद्ध किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी राकेश पिता फ कीरिया अडलक निवासी सारणी को गिरफ्तार कर न्यायालय बैतूल में पेश किया गया है, जहां से आरोपी राकेश अडलक का जेल वारंट बनाकर उसे जेल में दाखिल कराया गया। आरोपी की गिरफ्तारी में उपनिरीक्षक प्रीति पालेवाल, प्रधान आरक्षक श्रीराम उईके, आरक्षक महेश भलावी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

ग्रामीणों से भरी पिकअप पलटी, एक दर्जन लोग घायल, 3 से 4 लोगों की हालत गंभीर, घायल जिला अस्पताल में भर्ती

बैतूल। जिले के आमला थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक पिकअप वाहन नियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में एक दर्जन लोग घायल हुए हैं। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भर्ती किया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक शनिवार शाम 5 बजे आमला

क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जमदेही के पास पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया।हादसे में रैय्यत बोदूड निवासी एक दर्जन ग्राम घायल हो गए है। 108 एंबुलेंस की सहायता से घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भर्ती किया है। पिकअप वाहन में कुल 20 लोग सवार थे। जानकारी के अनुसार ग्राम रैय्यत बोदूड निवासी ग्रामीण ग्राम लेमझिरी में शादी के बाद लड़की को लेने जा रहे थे तभी हादसा हो गया। घायलों का कहना ही कि मोड़ में गाड़ी चालक से वाहन नियंत्रित नही हो पाया और पलट गया। पुलिस हादसे की जांच कर रही है।

पूजा के दौरान मधुमक्खियों ने किया हमला, एक दर्जन से अधिक लोग घायल

बैतूल/मुलताई। निकटतम ग्राम सेमरिया पूजा कार्यक्रम में शामिल होने गए लोगों पर अचानक मधुमक्खियों ने हमला कर दिया जिससे एक दर्जन से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है जिसमें से चार लोगों को मुलताई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया है जहां उनका उपचार किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुलताई निवासी प्रमोद पुत्र पन्नालाल उम्र 48 वर्ष, आकांशा पूरनलाल उम्र 23 वर्ष, जोशना प्रमोद उम्र 48 वर्ष एवं गौरव पूरनलाल उम्र 23 वर्ष चारों निवासी मुलताई एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने ग्राम सेमरिया गए हुए थे। जहां पर पूजा करते समय अचानक से धुआं उठा और धुंए से मधुमक्खियां बिफर गई। मधुमक्खियों ने वहां मौजूद लोगों पर हमला कर दिया। जैसे तैसे लोगों ने भाग कर अपनी जान बचाई। इस दौरान उपरोक्त चारों को मधुमक्खियों ने काट लिया और चारो घायल हो गए। चारों निजी वाहन से तत्काल ही मुलताई नगर के सरकारी अस्पताल पहुंचे जहां पर उन्हें भर्ती कराया गया। ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर कल्पना ठाकुर ने बताया कि चारों को मधुमक्खियों ने काटा है। उन्हें भर्ती कर लिया गया है, उनका प्राथमिक उपचार किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि प्रमोद पन्नालाल इरिगेशन विभाग में सिवनी मालवा में एसडीओ के पद पर पदस्थ है। जो कि कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सेमरिया पहुंचे थे। हालांकि घटना के बाद 108 एंबुलेंस पर सूचना दी गई, जिसके बाद दो एंबुलेंस भी मुलताई सीएससी से रवाना कर दी गई है। वहीं बताया जा रहा है कि कुछ लोग आमला भी उपचार करने हेतु पहुंचे हैं।

बीजासनी मंदिर में मनाया जाएगा मां पीतांबरा जन्मोत्सव

बैतूल। गंज स्थित बीजासनी मंदिर में वर्ष 2017 में पीतांबरा माता की स्थापना बीजासनी माता मंदिर समिति द्वारा करवाई गई थी। आगामी 16 मई को पीतांबरा माता का जन्मोत्सव मंदिर समिति द्वारा धूमधाम से मनाया जाएगा। मंदिर संस्थापक एवं समिति के अध्यक्ष दीपक शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर माता का अत्यंत सुंदर श्रृंगार किया जाएगा। विशेष प्रकार के पीले वस्त्र एवं चुनरी के साथ साथ,फूलों से भी अत्यंत सुंदर श्रृंगार किया जाएगा। विशिष्ट पूजन अर्चन के उपरांत कढ़ी-चावल, बूंदी, खीर, माखन मिश्री, घी तथा हवन सामग्री (साकल्य) से हवन किया जाएगा, माता को हवन में श्रृंगार अर्पित करके आरती होगी। शाम 6 बजे से कढ़ी चावल का प्रसाद वितरित किया जाएगा। शक्ति के उपासक श्री शर्मा ने यह भी बताया कि महादेव के दस रुद्रावतारों में से बग्लेश्वर रुद्रावतार आठवां रूद्र अवतार माना जाता है। इस अवतार को बगलामुख नाम से भी जाना जाता है। इनका स्वरूप पीला है और इस अवतार की शक्ति देवी बगलामुखी हैं। यही कारण है कि पीतांबरा माता को बगलामुखी माता के नाम से भी जाना जाता है। मां पीतांबरा की पूजा अर्चना, मंत्र जाप, हवन अनुष्ठान आदि से सर्वमनोकामना पूरी होती है तथा वैभव समृद्धि प्राप्त होती है।

जंगल में तेंदूपत्ता तोड़ रही महिला पर जंगली सूअर ने किया हमला

गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया

बैतूल। मध्यप्रदेश के बैतूल जिले में तेंदूपत्ता तोडने जंगल गई महिला पर जंगली सूअर ने हमला कर दिया। मामला बैतूल जिले के अंतर्गत आने वाले भीमपुर क्षेत्र के ग्राम चिखली के जंगल का है। जहां तेंदूपत्ता तोड़ते समय महिला पर पीछे से अचानक जंगली सूअर ने हमला कर दिया जिसमें महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे फिलहाल जिला अस्पताल बैतूल में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उर्मिला पति सुकू धुर्वे उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम मकड़ा तहसील भीमपुर महिला रविवार सुबह अपने परिवार और गांव के लोगों के साथ ग्राम चिखली के जंगल

में तेंदूपत्ता तोडने के लिए गई हुई थी। सुबह 11 बजे के करीब तेंदूपत्ता तोड़ते समय महिला पर पीछे से अचानक जंगली सूअर ने हमला कर दिया। महिला को जंगली सूअर ने पहले नीचे गिराया और महिला के पैर पर अपने नुकीले दातों से काट दिया। इसके बाद महिला के साथ पत्ते तोड़ रहे लोगों ने चिल्लाया जिससे जंगली सूअर वहां से भाग गया। घटना के बाद महिला को परिजन पहले घर लेकर आए और इसकी सूचना 108 एंबुलेंस को दी। सूचना पर एंबुलेंस महिला के घर पहुंची और उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल लाया और भर्ती कराया है। घटना की जानकारी वन विभाग को देने पर विभाग के बीट गार्ड माकड़ा लेखराज सिंह धाकड़ जिला अस्पताल पहुंचे अभी सहायता राशि के रूप में एक हजार रुपए परिवार को दिए हैं। इसके बाद आगे भी उन्हें प्रतिदिन 500 रुपए दिए जाएंगे।

फिलहाल महिला को जिला अस्पताल के महिला सर्जिकल वार्ड में भर्ती कराया गया है जहां पर डॉक्टरों द्वारा महिला का उपचार किया जा रहा है।

मां बगलामुखी जन्मोत्सव पर माता का होगा हरिद्रा जल से स्नान

माता पीताम्बरा के प्राकट्य स्थल की खोज पूर्ण हुई

पीतांबरा माता का हवन और विशाल भंडारा संपन्न होगा

बैतूल। जिला मुख्यालय से 33 किमी दूर स्थित ग्राम सावंगी में आगामी 16 मई को पीतांबरा माता का जन्मोत्सव सनातन धर्म प्रचार प्रसार सेवा संस्थान म.प्र द्वारा धूमधाम से मनाया जाएगा। उल्लेखनीय है वर्ष 2022 में पीतांबरा माता मन्दिर की स्थापना की नींव रखी गई, तद्पश्चात वर्ष 2023 में सिवनी के महंत सदगुरुदेव डॉ.सत्यनारायण गिरी महाराज द्वारा मां बगलामुखी की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा की गई हैं।

मां बगलामुखी मंदिर सावंगी के सिद्ध साधक रविन्द्र मानकर को माता बगलामुखी की स्वप्न में प्रेरणा हुई। माता पीताम्बरा देवी ने सौराष्ट्र काठियावाड़ स्थित हरिद्रा सरोवर के स्थान की खोज कर वहां से जल लाकर माता का स्नान और प्रसादी वितरण कर माता का प्राकट्य महोत्सव मनाने का कहा।

माता पीताम्बरा कृपा से आचार्य रविन्द्र ने जूनागढ़ जिले के भट्ट बावडी गांव में स्थित माता बगलामुखी के प्राकट्य स्थल की खोज की और वहां पहुंचकर माता पीताम्बरा की 400 वर्षों से पूजा आराधना कर रही पीढ़ी की साधिका गायत्री भट्ट से आध्यात्मिक सत्संग संपन्न हुआ। इसके बाद माता बगलामुखी के दर्शन पूजा आराधना के बाद माता के हरिद्रा सरोवर जल लेकर

सावंगी लौटे। इससे पूर्व भी भट्ट बावडी गांव की तपोभूमि को पुणे के बाबा गोरखनाथ के अनन्य भक्त रघुनाथ येमुल और अहमदाबाद निवासी गुरुजी महेन्द्रभाई रावल द्वारा मां बगलामुखी प्राकट्य स्थली बताया जा चुका हैं। माता बगलामुखी के भक्त अजय पानकर ने बताया कि इस अवसर पर माता का हरिद्रा सरोवर के जल से स्नान होगा, जिसके बाद अत्यंत सुंदर पीताम्बरा श्रृंगार किया जाएगा। विशेष प्रकार के पीले वस्त्र एवं चुनरी के साथ साथ, फूलों से भी अत्यंत सुंदर श्रृंगार किया जाएगा। माता बगलामुखी मन्दिर में माता यज्ञ संपन्न होने के बाद माता पीताम्बरा देवी का विशाल भंडारा आरंभ होगा। माता बगलामुखी पीठ सावंगी में विराजी माता बगलामुखी के स्वरूप पर ही तैयार 72 पीतल मूर्ति विग्रह कों मां बगलामुखी अनुष्ठान से सिद्ध किया जाएगा, जो विग्रह माता के सिद्धपीठ से जुड़े साधकों के घर में विराजमान होगी। माता बगलामुखी सिद्धपीठ मन्दिर से जुड़े राज बारस्कर, विजय प्रजापति, गोपाल खातरकर, सुनील चढ़ोकार, दीपक मालवीय, पवन मालवीय, गोपाल घोरसे, कमलेश लोखंडे इत्यादि साधक भक्तों द्वारा माता की जयंती की विशेष तैयारी की जा रही है। उन्होंने बताया मां पीतांबरा की पूजा अर्चना, मंत्र जाप, हवन अनुष्ठान आदि से सर्वमनोकामना पूरी होती है, वैभव समृद्धि प्राप्त होती है।

आकाशीय बिजली गिरने से एक व्यक्ति की घटनास्थल पर मौत, दो गंभीर घायल

बैतूल/मुलताई। मुलताई में रविवार अचानक मौसम बदला हुआ और तेज वर्षा के साथ मोरखा क्षेत्र के प्रसिद्ध धनगौरी नागदेव मंदिर के पास अचानक आकाशीय बिजली गिरने से एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि दो अन्य घायल हो गए हैं। घायलों को बोरदेही स्वास्थ्य केंद्र लाया गया है। जहां घायलों का उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आकाशीय बिजली की चपेट में आने से संजय उइके उम्र 21 वर्ष निवासी घोघरी सेलगांव, जारुलाल वटके उम्र 32 वर्ष निवासी खदवाडी दोनों घायल हो गये एवं अंकुल मरकाम 22 वर्ष निवासी घोघरी सेलगांव गंभीर रूप से घायल हो गया था जिसकी मौके पर मौत हो गई। परिजनों ने बाताया कि सभी मोरखा बोरदेही क्षेत्र के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल धनगौरी नागदेव मंदिर पुजा पांठ करने आये थे, अचानक तेज वर्षा होने के कारण सभी श्रद्धालु बेल नदी की पुलिया के पास आम के पेड़ पास खड़े थे जहां अचानक आकाश की बिजली गिर पड़ी। अचानक पेड़ के पास आकाशीय बिजली गिरने से तीनों व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गये 7 जिन्हें डायल 100

की मदद से घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए पास के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बोरदेही लाया गया। जहाँ मृत अंकुल मरकाम को पोस्टमार्ट्म के लिए आमला सिविल अस्पताल भेजा गया।

कलेक्टर के समाधान ने कलेक्टर को ही सवाल के कटघरे में खड़ा किया..

सरकारी संपत्ति बचाने के मामले में कलेक्टर पशोपेश में क्यों, आरी में समाधान, मुख्यालय का ध्यान नहीं..

नर्मदापुरम- संजीव डे राय

जिले के ग्राम आरी में 13 साल से हाई स्कूल जाने का पहुंच मार्ग नहीं था। उसका समाधान टीएल बैठक में कलेक्टर ने निकाल लिया दूसरी तरफ मुख्यालय स्थित बजरिया प्राथमिक शाला का मामला 34 साल से कलेक्टर निकाल पाने में नाकाम हैं .. ! ग्राम आरी के जिस स्कूल तक पहुंचने में बच्चों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। पिछले 13 वर्षों से जो सरकारी स्कूल बंद पड़ा था। कलेक्टर ने टीएल बैठक में शिक्षा विभाग एवं नायब तहसीलदार माखननगर को निर्देशित किया गया की मौके पर पहुंच कर उक्त समस्या के निराकरण के लिए ठोस कार्यवाही करें। फिर क्या था कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देश पर नायब तहसीलदार माखननगर नीरू जैन और शिक्षा

अधिकारियों ने मौके पर पहुंच जांच ही नहीं की बल्कि स्कूल पहुंच मार्ग के लिए खेतों का सीमांकन करने के लिए खेत मालिकों को भी सहमत कर लिया.. निश्चित यह कलेक्टर के खाते में सरकारी संपत्ति सुरक्षित करवाने की श्रेयता है। नायब तहसीलदार माखननगर नीरू जैन मामले में जानकारी देते है कि निजी भू स्वामी अनीता साहू एवं गौरव सेठ की सहमति के अनुरूप भू अभिलेख विभाग द्वारा ईटीएमएम रोवर मशीन से सीमांकन किया गया। जिसके आधार पर 13 वर्षों से बंद विद्यालय तक पहुंच मार्ग तैयार करवा दिया गया। ग्रामवासियों ने कलेक्टर नर्मदापुरम की विशेष पहल पर लंबे समय से बंद पड़े विद्यालय को खुलवाने और स्कूल पहुंच मार्ग की सुविधा उपलब्ध करवाने में कलेक्टर सहित प्रशासन का आभार व्यक्त किया.. लेकिन मुख्यालय स्थित बजरिया प्राथमिक शाला को बचाने के लिए फिर कलेक्टर का ऐसा नजरिया नहीं ऐसा क्यों..? हीरो होंडा शोरुम के सामने स्थित बजरिया प्राथमिक शाला 15/1 नजूल शीट नंबर 41 नगरपालिका स्वामित्व की जमीन का सीमांकन नहीं करवा पा रहे..! जबकि नपाध्यक्ष रहे अखिलेश खंडेलवाल ने कलेक्टर को पत्र लिख रखा है, कलेक्टर नगरपालिका की जमीन अतिक्रमण मुक्त नहीं करवा पा रहे, नजूल में चल रहे 34 साल से नगरपालिका की जमीन फर्जी रजिस्ट्री पत्र के जरिए नामांतरण/ आवंटन के लंबित मांग नजूल अधिकारी द्वारा खारिज कर देने के बावजूद कलेक्टर नजूल अधिकारी के आदेश का अनुमोदन नहीं कर पा रहे..? सरकारी संपत्ति को संरक्षित और बचाने के मामले में आखिर प्रशासन का दोहरा चरित्र क्यों..?

खेल संघ खेल मैदानों की सुरक्षा और व्यवस्था के लिए आगे नहीं आ पाते क्यों... ?

नर्मदापुरम। खेल मैदान और उनके रख-रखाव की कमी के बावजूद खिलाड़ियों में खेल को लेकर कोई कमी नहीं, यह एक अच्छी बात है पर नगर के उन जिम्मेदारों के मुंह पर यह एक तमाचा है जो नगर की व्यवस्थाओं के लिए जिम्मेदार हैं पर जिम्मेदारी नहीं निभा रहे हैं। जहां देखो वहां खेल और खिलाड़ी ही इस समय नजर आते हैं। साथ ही सरकारी स्कूलों के उन खेल मैदान में खेलने की कोशिश करते हैं। रख-रखाव की कमी के चलते जो उबड़-खाबड़ हो चुके पर खेलों से ओत-प्रोत खिलाड़ी किसी भी तरह मिली ग्रीष्म कालीन छुट्टियां बगैर खेल खेले बिताना पसंद नहीं कर रहे.. खेल एवं युवा कल्याण विभाग और शिक्षा विभाग दोनों ही सरकारी आदेश के तहत विभिन्न खेल प्रशिक्षण देने के लिए मजबूर हैं लेकिन सरकार के उस नियम का पालन वे खेल मैदान सुरक्षित रखने के पक्ष में नहीं कर पाते जिसमें प्रमुख सचिव वर्षों पहले सभी खेल मैदानों को खेल के लिए सुरक्षित रखने के कलेक्टरों को पत्र दे रखे हैं। पर मुख्यालय पर तो खेल मैदान पर खेल के सिवाय हर खेल राजनीति से प्रेरित होते आ रहा। कलेक्टर ने जरूर शिक्षा विभाग और खेल युवा कल्याण विभाग अधिकारियों से बैठक कर जिले में खेल शिविर लगाने के आदेश दिए , पर कलेक्टर आदेश का पालन वे कैसे पूरा कर पाएं यह समस्या है। इधर बजरिया प्राथमिक स्कूल के खेल मैदान पर पंडित रामलाल शर्मा स्कूल का कब्जा है। स्कूल प्रबंधन इसका पार्किंग में इस्तेमाल कर रहा है। एस एन जी स्कूल खेल मैदान ही एक मात्र खेल मैदान है

जिसकी वाउन्ड्री वाल होने के कारण वह सुरक्षित है। बाकी मैदान खुले और लावारिस होने के कारण शराबियों सहित नशेड़ियों के अड्डे बन गये। गवर्नमेंट स्कूल के एक मैदान पर पांच साल से अधूरा छात्रावास निर्माण कार्य चल रहा। जिस मैदान पर हाकी खेल हुआ करता था। विधायक जी इस मैदान को टेप से नाप कर भी.. खेल मैदान के रुप में सुरक्षित नहीं करवा पाए। स्कूल के आगे के मैदान में पैविंग टाइल्स लगवाकर मैदान ही खत्म कर दिया गया। एस एन जी स्टेडियम तो पूरी तरह लावारिस हालत में है जिसमें लगा लोहे का गेट तक लोग ले जा चुके। पैसे लेकर यहां मीना बाजार लगवाया जाता था बालात्कार की घटना से यह लगना बंद हो गया। लावारिस इस स्टेडियम पर तीरंदाजी राष्ट्रीय प्रतियोगिता कनात लगाकर कैसे सम्पन्न करवाई जाती ये आयोजक ही बता पायेंगे। गुप्ता ग्रांउड उस पर नगरपालिका हर कभी मेला लगवा देती ऐसे में एसपीएम का ग्राउंड सहित पुलिस का ग्राउंड बचे रहते हैं। कलेक्टर को बगैर किसी पक्षपात खिलाड़ियों के हित में इस ओर ध्यान देना चाहिए। खेल मैदान की दुर्दशा में एक्सीलेंस स्कूल जहां आज भी नन्हें मुन्ने अपनी 'खेल - कूद' कर स्वास्थ्य और भविष्य के पदक और पदवी के लिए अपना पसीना बहा रहे हैं चाहे मैदान दिनों दिन छोटा और छोटा होता क्यों नहीं हो रहा...

मतदानकर्मी हैं तैयार...

धार-महू संसदीय क्षेत्र में वोटिंग की है पूरी तैयारी, मतदान दल पहुँचे मतदान केंद्र

- 13 मई को सभी मतदाता निभाएं अपनी जिम्मेदारी
- कलेक्टर और एसपी ने किया पॉलिटेक्निक कॉलेज धार तथा गंधवानी और कुक्षी के मतदान केंद्रों का निरीक्षण

धार। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंक मिश्रा ने 13 मई को होने वाले मतदान के मद्देनजर गंधवानी के ग्राम अवल्दामान के बालक माध्यमिक विद्यालय, ग्राम वासली के शासकीय प्राथमिक विद्यालय के मतदान केंद्रों का अवलोकन किया और मतदान दलों तथा एआरओ अंकिता प्रजापति से पानी, गद्दे, कूलर की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। एसपी मनोज कुमार सिंह साथ थे। इसके पश्चात कलेक्टर और एसपी ने विधानसभा क्षेत्र कुक्षी अंतर्गत डही के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शासकीय बालक माध्यमिक विद्यालय के मतदान केंद्र का अवलोकन किया। यहां पर उन्होंने मतदान कर्मियों से उनके द्वारा मतदान हेतु की जा रही तैयारियों के संबंध में जानकारी ली। इसके पश्चात वे शासकीय माध्यमिक विद्यालय नलवान्या के मतदान केन्द्र पहुंचें। यहां उन्होंने एआरओ प्रमोद सिंह गुर्जर को शैडो एरिया होने के कारण वायर लेस सेट से डिटेल लेने के निर्देश दिए।

आरंभ में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंक मिश्रा और एसपी मनोज सिंह ने जिला मुख्यालय स्थित पॉलिटेक्निक कॉलेज से धार विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्रों के लिए मतदान दलों को मतदान सामग्रियों के वितरण कार्य का निरीक्षण कर उनसे चर्चा की। साथ ही उन्होंने मतदान दलों को सम्मानपूर्वक रवाना भी किया। इसके अतिरिक्त समस्त विधानसभा क्षेत्रों में भी सामग्रियों का वितरण सुचारू रूप से संपन्न हुआ और समस्त मतदान दल अपने गंतव्य स्थल तक सकुशल पहुंचे। ज्ञात हो कि लोकसभा निर्वाचन-2024 के चौथे चरण अंतर्गत धार में सोमवार 13 मई को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदान होना है। लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत जिले के 1879 मतदान केन्द्रों के लिए मतदान दलों को सामग्री का वितरण किया गया। जिले में 8264 अधिकारी-कर्मचारी मतदान प्रक्रिया को संपन्न कराने में अपनी भूमिका निभाएंगे।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंक मिश्रा और एसपी मनोज सिंह ने ई दक्ष केंद्र पहुंचकर वहां स्थापित किए गए वाहनों की जीपीएस के ज़रिए ट्रैकिंग के कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर मौजूदा अधिकारी से जानकारियां लेकर आवश्यक निर्देश दिए।

परशुराम जन्मोत्सव पर सर्व ब्राहमण समाज धार ने दिया सामाजिक समरसता का संदेश...

विविध समाज प्रमुखों की उपस्थिति से ब्राहमण समाज धार ने सकल हिन्दू समाज के भाव का शंखनाद किया

धार। भगवान विष्णु जी के छठे अवतार भगवान परशुराम ने सर्वकल्याण और समरसता का संदेश समस्त मानव जाति को दिया था। ब्राहमणों ने आदि-अनादि काल से सभी जाति एवं धर्मों के लोगो को दिशा दी है व सर्वकल्याण तथा एकजुटता के लिए कार्य किए है। पुरातन काल से चली आ रही सामाजिक परम्परा एवं आदर्शों का निर्वहन करते हुए सर्व ब्राहमण समाज धार ने परशुराम जन्मोत्सव पर बाबा धारनाथ की पावन धरा ''धार'' में सामाजिक समरसता का संदेश देकर एक मिसाल कायम की है। सर्व ब्राहमण समाज धार द्वारा परशुराम जन्मोत्सव पर आयोजित भव्य शोभायात्रा के पूर्व धार के अधिपति भगवान धारनाथ के पावन परिसर में धार के जिला पंचायत अध्यक्ष सरदारसिंह मेड़ा से आरती एवं शोभायात्रा का शुभारंभ करवाया एवं समाज प्रमुखों ने शोभायात्रा, महाप्रसादी में शामिल होकर सामाजिक समरसता का परिचय दिया। इस तरह सर्व ब्राहमण समाज धार ने सकल हिन्दू समाज के भाव का शंखनाद किया। सर्व ब्राहमण समाज धार की इस पहल की सर्वत्र प्रशंसा की जा रही है। सर्व ब्राहमण समाज धार के जिलाध्यक्ष पं. विष्वास पांडे, कार्यवाहक जिलाध्यक्ष पं. धर्मेन्द्र जोशी ने बताया कि इस वर्ष भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर समाजजनो ने यह अनूठी हिन्दू एकता की मिसाल पेश की। इस अवसर पर अनुसूचित जाति वर्ग से पूनमचंद फकीरा, राजपूत समाज से समन्दरसिंह पटेल, नवीन चौहान, अग्रवाल समाज से नवीन गर्ग, जैन समाज से अनिल जैन बाबा, रघुवंषी समाज समाज से रामप्रसाद रघुवंषी (दादा), दीपक रघवुंशी, भोई समाज से उमेश हाण्डीवाला, राठौड़ समाज से विशाल राठौड़, सिंधी समाज से दिनेश मेरवानी, बीसा नीमा समाज से मनीष महाजन, यादव समाज से लालू यादव, मालवीय समाज से हेमंत मालवीय, माली समाज से शंकर चावडा आदि समाज के प्रतिनिधियों ने भव्य शोभायात्रा में शामिल होकर सामाजिक समरसता का परिचय दिया।

वरिष्ठजनों, मातृशक्ति एवं युवाओं ने उत्साह के साथ शोभायात्रा में सहभागिता की...

शोभायात्रा में सर्व ब्राहमण समाज धार के जिलाध्यक्ष पं. विष्वास पांडे, कार्यवाहक जिलाध्यक्ष पं. धर्मेन्द्र जोशी, शोभायात्रा प्रभारी पं. ऋषि भार्गव, संयोजक पं. अशोक शास्त्री, उपाध्यक्ष पं. गोटू शुक्ला, सचिव पं. प्रवीण शर्मा, पं. ज्ञानेन्द्र त्रिपाठी, पं. तरूण जोशी, पं. सचिन दवे, पं. अनिल तिवारी, पं. नरेन्द्र मंडलोई, पं. नंदकिशोर उपाध्याय, पं. श्रीकांत द्विवेदी, पं. राजीव जोशी, पं. निलेश जोशी, पं. मनीष भार्गव, पं. अभिषेक मिश्रा, पं. पुनित तिवारी, पं. विजय दवे, मीना दुबे, सोनल दुबे, मोनिका शर्मा, पं. वरदान तिवारी, पं. सूर्या दुबे, पं. राजा शर्मा, पं. मंगेश शर्मा आदि उपस्थित थे।

भक्तामर मंडल विधान पर 51 श्रीफल चढ़ाकर विश्व शांति और मानव कल्याण की कामना की

भक्तांबर विधान करने से सारे संकट दूर हो जाते हैं

धार। शहर के शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में दिगंबर जैन युवा संगठन द्वारा विश्व शांति और मानव कल्याण हेतु 24 घंटे का अखंड भक्तामर जी का पाठ शुक्रवार को प्रारंभ कर शनिवार को पूरा किया.मीडिया प्रभारी पारस जैन गंगवाल ने बताया कि भक्तों द्वारा भक्तामर विधान का पूजन कर 51 श्रीफल भगवान आदिनाथ जी को चढ़ाने के लिए महिला और पुरुषों का जनसैलाब उमड़ पड़ा.विद्वान विमल शास्त्री ने विधान प्रारंभ करवाकर बताया कि भक्तों पर किसी भी प्रकार के आए हुए संकट अपने आप दूर हो जाते हैं. विधान के पूर्व श्री जी के मस्तक पर शांति धारा का लाभ नरेश गंगवाल, अशोक रावका

,राजेंद्र बांझल और युवा संगठन के सदस्यों को प्राप्त हुआ.विधान के सोधमइंद्र राजेंद्र लक्ष्मी बांझल थे. विधान के मंगल कलश का सौभाग्य आशीष प्रियंका बांझल परिवार को मिला. चार कलश का लाभ चंचल लुहारिया ,रुचि गंगवाल ,संध्या जैन, शिल्पी जैन को प्राप्त हुआ. जिनवाणी विराजमान करने का सौभाग्य छगनलाल छाबड़ा परिवार को मिला.अखंड दीपक का लाभ कमल गंगवाल परिवार को मिला. मीना जैन का विशेष सहयोग रहा. संगठन द्वारा शाम को संपूर्ण समाज के लिए ईच्छु रस की व्यवस्था की गई. इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज जन ने लाभ लेकर अपने आपको पुण्यशाली माना.अखंड पाठ के दौरान जैन समाज धार महिला मंडल महिला महासमिति आहु पार्श्वनाथ मानतुंग गिरी छोटा महावीर जी समिति व समाजजन का सहयोग रहा .संपूर्ण धार्मिक क्रियाएं विद्वान विमल जैन शास्त्री के निर्देशन में संपन्न हुई. इस अवसर पर आशु राकेश गंगवाल, पुनीत जैन, रुपेश राजेश बड़जात्या, प्रतीक कासलीवाल, निकुंज रावका, धर्मेंद्र जैन ,आशीष बांझल, रोहित छाबड़ा, चिमन काला, अर्पित पापलिया, प्रीतम, सत्येंद्र, सौरभ, मयंक जैन आदि का कार्यक्रम में सहयोग रहा. आभार अनुपम जैन ने माना।

रेत खदानों के लिए लोक सुनवाई प्रस्तावित

नरसिंहपुर। मेसर्स द एमपी स्टेट माइनिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड को स्वीकृत 10 रेत खदानों के लिए पर्यावरण स्वीकृति के लिए लोक सुनवाई पात्रता अनुसार संदर्भित नोटिफिकेशन के परिपेक्ष्य में कराई जाना प्रस्तावित है। पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली की पर्यावरण प्रभाव आंकलन के अधिसूचना के प्रावधानों के अनुसार अनुविभागीय अधिकारी नरसिंहपुर व गाडरवारा की अध्यक्षता एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रतिनिधि की उपस्थिति में यह लोक सुनवाई प्रस्तावित की गई है। जिले की तहसील नरसिंहपुर के अंतर्गत ग्राम करहैया के खसरा क्रमांक 1,113 रकबा 10.063 हे. में उत्पादित क्षमता 1,13,400 घनमीटर के लिए लोक सुनवाई 21 मई को ग्राम पंचायत भवन करहैया में प्रातः 11 बजे से दोपहर 12 बजे और ग्राम घाटपिपरिया के खसरा क्रमांक 1/1 रकबा 7.000 हे. में उत्पादित क्षमता 1,13,400 घनमीटर के लिए लोक सुनवाई 21 मई को ग्राम पंचायत भवन घाटपिपरिया में दोपहर 1 बजे से दोपहर 2 बजे तक लोक सुनवाई की जायेगी।इसी तरह जिले की तहसील सांईखेड़ा के अंतर्गत ग्राम मेहरागांव के खसरा क्रमांक 380 रकबा 20.000 हे. में उत्पादित क्षमता 3,24,000 घनमीटर के लिए लोक सुनवाई 22 मई को ग्राम पंचायत भवन मेहरागांव में प्रातः 9 बजे से 10 बजे तक, ग्राम संसारखेड़ा- 1 के खसरा क्रमांक 208/1, 208/2 रकबा 13.000 हे. में उत्पादित क्षमता 2,10,600 घनमीटर के लिए लोक सुनवाई 22 मई को ग्राम पंचायत भवन झिकौली में प्रातः 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक, ग्राम अजंदा- 1 के खसरा क्रमांक 39/1 रकबा 4.00 हे. में उत्पादित क्षमता 64,800 घनमीटर के लिए लोक सुनवाई 22 मई को ग्राम पंचायत भवन अजंदा में दोपहर 1 बजे से दोपहर 2 बजे तक, ग्राम अजंदा- 2 के खसरा क्रमांक 263/2 व 263/1 रकबा 15.00 हे. में उत्पादित क्षमता 1,62,000 घनमीटर के लिए लोक सुनवाई 22 मई को ग्राम पंचायत भवन अजंदा में दोपहर 1 बजे से दोपहर 2 बजे तक और ग्राम खिरिया के खसरा क्रमांक 21/1 रकबा 4.00 हे. में उत्पादित क्षमता 64,800 घनमीटर के लिए लोक सुनवाई 23 मई को ग्राम पंचायत भवन खिरिया में प्रातः 9 बजे से 10 बजे तक लोक सुनवाई की जायेगी।जिले की तहसील गाडरवारा के अंतर्गत ग्राम चिरहकला के खसरा क्रमांक 493 रकबा 5.00 हे. में उत्पादित क्षमता 81,000 घनमीटर के लिए लोक सुनवाई 23 मई को ग्राम पंचायत भवन चिरहकला में प्रातः 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक, ग्राम घूरपुर के खसरा क्रमांक 163,166 रकबा 7.330 हे. में उत्पादित क्षमता 1,18,746 घनमीटर के लिए लोक सुनवाई 23 मई को ग्राम पंचायत भवन कजरोटा में दोपहर 1 बजे से दोपहर 2 बजे तक और ग्राम पनागर- 1 के खसरा क्रमांक 305 रकबा 5.00 हे. में उत्पादित क्षमता 81,000 घनमीटर के लिए लोक सुनवाई 23 मई को ग्राम पंचायत भवन पनागर में शाम 4 बजे से शाम 5 बजे तक लोक सुनवाई की जायेगी। इस संबंध में अपर कलेक्टर ने उक्त रेत खदानों की पर्यावरणीय स्वीकृति के लिये निर्धारित स्थानों, दिनांक एवं समय पर सम्पन्न किया जाना सुनिश्चित की जाती है।

भाजपा जिला अध्यक्ष ने मतदाताओं से मतदान के लिए किया आह्वान

लोकतंत्र की मजबूती के लिए अधिक से अधिक मतदान करें मतदाता : सोमानी

भाजपा प्रत्याशी सावित्री ठाकुर सहित वरिष्ठ नेता अपने - अपने बूथों पर करेंगे मतदान

धार। भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी ने सोमवार को मध्यप्रदेश के चौथे व अंतिम चरण के मतदान के लिए धार महू लोकसभा संसदीय क्षेत्र के मतदाताओं का आव्हान करते हुए कहा कि आप सभी सजग और सक्रिय मतदाता ही लोकतंत्र के सबसे बड़े रक्षक हैं। आपका एक वोट देश को विकास व तरक्की के रास्ते पर ले जाएगा। लोकसभा क्षेत्र के सभी मतदाता भाई-बहन सोमवार को होने वाले मतदान में अधिक से अधिक वोट करके अपनी इस भूमिका को सार्थक करें।

श्री सोमानी ने कहा कि क्षेत्र के सभी नागरिक लोकतंत्र और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के प्रति आस्था और विश्वास रखते आए हैं। चुनाव लोकतंत्र का महापर्व है और प्रदेश के मतदाता भाई-बहन इसमें विचारपूर्वक तथा निर्भीक होकर भागीदारी करें और अपने वोट से लोकतंत्र को ताकत दें।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा

ने बताया कि धार जिले के वरिष्ठ नेता सोमवार को अपने-अपने क्षेत्र में मतदान करेंगे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा
बूथ क्रमांक 49 ब्रह्मकुंडी स्कूल धार।

श्रीमती सावित्री ठाकुर भाजपा लोकसभा प्रत्याशी बूथ क्रमांक 135 ग्राम तारापुर विधानसभा धरमपुरी।

मनोज सोमानी भाजपा जिलाध्यक्ष बूथ क्रमांक 61 बदनावर नगर।

सांसद छतर सिंह दरबार बूथ क्रमांक 49 ग्राम लुहेरा विधानसभा मनावर।

विधायक नीना वर्मा बूथ क्रमांक 49 ब्रह्मकुंडी स्कूल धार।

पूर्व मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगाव बूथ क्रमांक 18 ग्राम भैसोला विधानसभा बदनावर।

सरदार मेड़ा जिला पंचायत अध्यक्ष बूथ क्रमांक 72 ग्राम पंचायत केशवी विधानसभा गंधवानी।

जिला उपाध्यक्ष विश्वास पांडे बूथ क्रमांक 14 ग्राम पंचायत तिरला विधानसभा धार।

जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

स्ट्रीट डॉग्स को पकड़ने नहीं पहुंचा निगम अमला

- भोपाल के जिंसी इलाके में 7 साल के बच्चे पर किया था अटैक

भोपाल (नप्र)। भोपाल के जिंसी इलाके में एक 7 साल के मासूम पर शनिवार रात में आवारा कुत्तों ने अटैक कर दिया। कुत्तों ने उसे हाथ-पैर और कमर के निचले हिस्से में नोंचा। जिससे वह बुरी तरह से जख्मी हो गया। रविवार को बच्चे की हालत में सुधार आया, लेकिन नगर निगम का अमला आवारा कुत्तों को पकड़ने नहीं पहुंचा। बता दें कि तासिन खान (7) निवासी जिंसी शनिवार रात में मस्जिद में नवाज पढ़कर घर लौट रहा था। जैसे ही वह मस्जिद से बाहर निकला, सड़क पर तीन-चार कुत्तों ने उसे घेरकर अटैक कर दिया था। घटना बैंक कॉलोनी जिंसी की है। तासिन की मां राहिला खान ने बताया कि कुत्तों के अटैक से बेटे को गहरे जख्म हो गए। उसे तुरंत जेपी हॉस्पिटल लेकर गए थे। जहां इंजेक्शन लगाए गए। रविवार को उसकी हालत में सुधार आया है। सोमवार को फिर से इंजेक्शन लगवाने जाएंगे।

लोगों ने घर पर छोड़ा था

अचानक कुत्तों के अटैक से तासिन घबरा गया था। उसे कुत्ते नोंच रहे थे। तभी पास से गुजर रहे लोग दौड़े और उसे कुत्तों को भगाया। इसके बाद लोग उसे घर छोड़कर आए थे। यहां से परिजन बच्चे को हॉस्पिटल लेकर आए। जहां उसका इलाज किया गया।

बैंक कॉलोनी में आवारा कुत्तों के झुंड

बैंक कॉलोनी जिंसी में आवारा कुत्तों का लंबे समय से आतंक है। एक महीने में तीसरे बच्चे को कुत्तों ने काट लिया। इसके बाद भी नगर निगम ने कुत्तों को नहीं पकड़ा। इस कारण कुत्तों के अटैक के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। कुत्तों के अटैक के बावजूद रविवार को निगम अमला मौके पर नहीं पहुंचा।

'ए वतन मेरे वतन' सिर्फ फिल्म नहीं, अतीत का आईना

भोपाल (नप्र)। लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी, समता ट्रस्ट और भारत ज्ञान विज्ञान समिति के सहयोग से 'ए वतन मेरे वतन' फिल्म का सामूहिक प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के पूर्व मुख्य आयोजक डॉ. शिवा श्रीवास्तव ने कहा यह फिल्म स्वतंत्रता सेनानी उषा मेहता एवं डॉ राम मनोहर लोहिया पर केंद्रित है। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में जब सभी बड़े नेता गिरफ्तार कर लिए गए, तब डॉ लोहिया की सक्रिय भागीदारी और भूमिगत रहते हुए भी ऊषा मेहता एवं अन्य युवा साथियों द्वारा चलाए जाने वाले कांग्रेस रेडियो के माध्यम से जन जन तक महात्मा गांधी का संदेश पहुंचाए जाने को प्रदर्शित करती है। रघु ठाकुर ने कहा कि 1942 के अंग्रेजो भारत छोड़ोआंदोलन, अंग्रेजों के जुल्म और देश प्रेमियों के द्वारा हंसते हंसते सही गई यातनाओं की यह फिल्म जीवंत यात्रा है। इस फिल्म के माध्यम से दर्शकों को भारत छोड़ो आंदोलन में मानसिक रूप से सहभागी होने का अवसर प्राप्त हुआ। डॉ. शिवा ने कहा कि सामूहिक रूप से फिल्म प्रदर्शन का विचार एवं प्रेरणा प्रसिद्ध समाजवादी लोहियावादी रघु ठाकुर का था। उनकी प्रेरणा का ही फल था कि इस प्रदर्शन को सफल बनाया जा सका। रघु ठाकुर ने संबोधित करते हुए कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में हर वर्ग ने साथ दिया। कोई भी परिस्थितियों से घबराया नहीं। आजादी सबका सपना था, फिर वो हिन्दू हो, मुसलमान हो, सिख हो या ईसाई। तब न धर्म था, न जाति न कोई वर्ग केवल देश की जनता थी। मध्यम वर्ग के युवाओं के साहस और ऊषा मेहता के त्याग एवं जज की बेटी होने के बाबजूद भी अंग्रेजों के खिलाफ खड़े होने और रेडियो के अनूठे प्रयास को बताते हुए श्री रघु ने कहा कि युवाओं को परिस्थिति अनुसार प्रयोग और प्रयास हर दौर में करते रहने चाहिए। तथा हम सबको याद रखने समझने काअवसर मिलता है कि यह आजादी कितनी कुर्बानी और त्याग से मिली है। ज्ञान विज्ञान समिति की ओर से श्याम बोहरे ने आज के कहा कि पाँच मिनट में वोट कर के लोकतंत्र का दायित्व पूरा नहीं किया जा सकता।

28 साल बाद आचार्य श्री विनम्र सागर भोपाल पहुंचे

आर्यिका विमलश्री माताजी ने ससंघ और सकल जैन समाज ने की अगवानी, चौक मंदिर में करेंगे विहार

भोपाल (नप्र)। 28 साल बाद भोपाल पधारे गणाचार्य विराग सागर महाराज के शिष्य आचार्यश्री विनम्र सागर महाराज की नादरा बस स्टैंड पर आर्यिका मां विमलश्री माताजी ने ससंघ, श्री दिगंबर जैन पंचायत कमेटी ट्रस्ट और सकल जैन समाज भोपाल ने ऐतिहासिक अगवानी की।

ढोल-ढमाकों के साथ आचार्यश्री को भानपुर से बस स्टैंड लाया गया, यहां भव्य स्वागत किया गया। आचार्यश्री के सम्मान में वीर विद्या संघ की बालिकाओं ने बस स्टैंड से चौक मंदिर तक रंगोली सजाई और गाजे-बाजे के साथ आचार्यश्री को चौक मंदिर लेकर पहुंचे। वे यहीं विहार करेंगे। पंचायत कमेटी ट्रस्ट भोपाल के अध्यक्ष मनोज बांगा, मंत्री मनोज आरएम ने बताया कि आचार्यश्री का रविवार प्रातः भानपुर से चौक मंदिर के लिए विहार हुआ। बस स्टैंड पर आर्यिका संघ ने गुरुदेव की अगवानी की,

मंच पर ऊंचे सिंहासन पर बैठाकर उनकी परिक्रमा की गई। इसके बाद शोभायात्रा के साथ समाजजन अपने गुरु के साथ चौक मंदिर की ओर बढ़े। शोभायात्रा में समाज के नौनिहाल जैन धर्म का ध्वज लेकर घोड़े पर सवार होकर चल रहे थे। युवा ध्वजा धारण किए थे, उसके पीछे बैंड चल रहा था। पाठशाला के बच्चे गुरुदेव की जयकारा लगा रहे थे। बहुमंडल मंगल कलश, महासमिति अष्ट प्रतिहार, जिनवाणी वैयव्रत्ज समिति जिनवाणी, समर्पण ग्रुप डांडिया, वीर विद्या संघ झांझर लेकर शोभायात्रा में चार चांद लगा रहे थे। उसके साथ ज्ञान विद्या जय घोष के बालक जयघोष लगा रहे थे। आचार्यश्री के संघ में लगभग 12 पीच्छी साथ चल रही थीं, उनके पीछे आर्यिका संघ चल रहा था। उनके पीछे समाज के सैकड़ों श्रद्धालु चल रहे थे। रास्ते में आचार्य श्री के पाद प्रक्षालन किए गए, आरती उतारी गई।

आचार्य श्री मंदिर में दर्शन कर चौक धर्मशाला पहुंचे

चौक मंदिर पहुंचे आचार्यश्री ने दर्शन किए और फिर चौक धर्मशाला पहुंचे। यहां ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज बांगा एवं अन्य पदाधिकारियों ने दीप प्रज्जवलित किया। आर्ष जैन ने मंगलाचरण किया, आचार्य श्री के पाद प्रक्षालन पाठशाला परिवार को मिला। चौक के सभी महिला मंडल को शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। समाज के विभिन्न जिनालयों के अध्यक्ष एवं श्रेष्ठिजानों के साथ ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज बांगा ने श्री फल भेंट किया।

आर्यिका मां ने गुरु के गुणों का गुणानुवाद किया

आचार्य श्री ने अपने आशीष वचनों में कहा कि 28 वर्ष पूर्व मैंने जो धर्म की बगिया लगाई थी वह लहलहा रही है। जिस दिन स्वयं को जान लिया, जिस दिन अंदर झांका, अपने को जान लिया, उस दिन मंदिर में प्रतिबिंब की आवश्यकता नहीं होगी। इस अवसर ट्रस्ट के आलोक पंचरत्न, हुकमचंद, दिलीप मिंगू, विपिन, अरविंद सीए, अमित तडैया, अनुराग पवैया, अरविंद जैन, ऋषभ, सुनील, प्रदीप कुट्टू, दिनेश चाय, राजीव मोदी, अमित सुपर, अभिराज, नितेश मामा आदि मौजूद थे।

म.प्र.में पोलिंग पार्टियां मतदान केंद्रों के लिए रवाना

प्रदेश में आम चुनाव का यह अंतिम चरण रतलाम में मतदान दल को पिलाया पना

भोपाल (नप्र)। लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में 13 मई को होने वाली वोटिंग के लिए रविवार को पोलिंग पार्टियां मतदान केंद्रों के लिए रवाना हो रही हैं। सोमवार को 10 राज्यों की 96 सीटों पर वोटिंग होगी। इनमें मध्यप्रदेश की भी 8 सीटें- इंदौर, उज्जैन, रतलाम, मंदसौर, धार, देवास, खरगोन और खंडवा शामिल हैं। यहां शनिवार शाम 6 बजे प्रचार थम गया था। प्रदेश में आम चुनाव का यह अंतिम चरण है।

दो कर्मचारियों की तबीयत बिगड़ी, एक अस्पताल रेफर

इंदौर में रविवार सुबह 5.30 बजे से ही मतदान दलों का नेहरु स्टेडियम पहुंचना शुरू हो गया। पहला मतदान दल सुबह 6 बजे सामग्री लेकर रवाना हो गया। सामग्री वितरण के लिए नेहरु स्टेडियम में तीन विशाल डोम बनाए गए हैं। 2 हजार से अधिक अधिकारी-कर्मचारी तैनात हैं। गर्मी के मद्देनजर स्टेडियम में 10 बेड का अस्थाई हॉस्पिटल भी बनाया गया है। सामग्री वितरण के दौरान नेहरू स्टेडियम में एक पुलिसकर्मी सुजीत वर्मा और एक कर्मचारी पुरुषोत्तम वाडगे की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें घबराहट होने पर अस्थायी अस्पताल ले जाया गया। सुजीत का ब्लड प्रेशर हाई होने से उन्हें एमवाय अस्पताल रेफर किया गया है। पुरुषोत्तम को ऑब्जर्वेशन में रखकर ब्लड प्रेशर की मॉनिटरिंग की जा रही है।इंदौर में मतदान सामग्री वितरण के दौरान पुलिसकर्मी सुजीत वर्मा की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें एमवाय हॉस्पिटल भेजा गया।

उज्जैन -9 हजार से ज्यादा कर्मचारी कराएंगे वोटिंग

उज्जैन-आलोट संसदीय क्षेत्र में 1105 मतदान केंद्रों पर वेब कास्टिंग से निगाह रखी जाएगी। 315 क्रिटिकल केंद्रों पर माइक्रो ऑब्जर्वर निगरानी करेंगे। उज्जैन संसदीय क्षेत्र में 9 प्रत्याशी मैदान में हैं। कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह ने बताया कि उज्जैन संसदीय क्षेत्र में 2097 मतदान केंद्रों पर मतदान होगा। नागदा-खाचरोद विधानसभा में 273, महिदपुर में 262, तराना में 238, घट्टिया में 279, उज्जैन उत्तर में 266, उज्जैन दक्षिण में 294, बड़नगर में 232 और आलोट में 253 मतदान केंद्र हैं। 9318 कर्मचारी मतदान कराएंगे। 240 सेक्टर ऑफिसर्स, 342 माइक्रो ऑब्जर्वर,1844 विशेष पुलिस अधिकारी भी नजर रखेंगे।367 मतदान केंद्रों (उज्जैन के 347, आलोट के 20 बूथ) का संचालन पूरी तरह महिलाकर्मी करेंगी। 105 आदर्श मतदान केंद्र बनाए गए हैं। 17 लाख 72 हजार 734 मतदाता हैं। इनमें 9 लाख 7231 पुरुष, 8 लाख 91 हजार 395 महिलाएं और 78 अन्य शामिल हैं। सर्विस वोटर्स की संख्या 1535 है। 1483 मतदाताओं को घर बैठकर वोटिंग की सुविधा मिल चुकी है।उज्जैन लोकसभा क्षेत्र में 2097 मतदान केंद्रों पर वोट डाले जाएंगे।

रतलाम -आम का पना पिलाकर पोलिंग टीम को रवाना किया

रतलाम में चुनाव दल को मतदान सामग्री वितरण के लिए 750 अधिकारी-कर्मचारी की ड्यूटी लगाई गई। आम का पना पिलाकर पोलिंग टीम को रवाना किया गया।कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश बाथम ने बताया कि रतलाम ग्रामीण और रतलाम शहर के मतदान दलों को सामग्री वितरण रतलाम के साइंस एंड आर्ट्स कॉलेज से किया गया। सैलाना के मतदानकर्मियों को सैलाना के शासकीय कॉलेज परिसर, विधानसभा आलोट और जावरा के मतदानकर्मियों को जावरा के शासकीय भगतसिंह कॉलेज से मतदान सामग्री वितिरत की गई।

पूर्व सीएम शिवराज बोले-

केजरीवाल अपने दिमाग को काबू में रखें

- पूर्व सीएम ने कहा-जेल जाने के बाद दिल्ली के सीएम मानसिक संतुलन खो चुके हैं

भोपाल (नप्र)। 39 दिनों तक जेल में रहने के बाद जमानत पर बाहर आए दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय कार्यालय में एक भाषण दिया। केजरीवाल ने बीजेपी और नरेंद्र मोदी पर लाल कृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, रमन सिंह, वसुंधरा राजे को साइड लाइन करने की बात कही। केजरीवाल ने यह भी कहा कि मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान जिन्होंने पूरी सरकार बनाई, उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया। अगला नंबर यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ का है।

जेल जाने के बाद केजरीवाल मानसिक संतुलन खो चुके हैं

केजरीवाल के इस बयान पर एमपी के पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को पलटवार किया है। पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा- अरविंद केजरीवाल जेल में पहुंचने के बाद अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। अभी बेल पर हैं और केवल चुनाव तक के लिए हैं। भारतीय जनता पार्टी के हम कार्यकर्ताओं के लिए राजनीति पद प्राप्ति या स्वार्थों की सिद्धि का माध्यम नहीं है। केजरीवाल जी जो भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई करने की बात करके राजनीति में आए थे, वो खुद भ्रष्टाचार में घिर गए अब वो अपने दिमाग को संतुलित रखें। शिवराज सिंह चौहान ने कहा- देश की सेवा के लिए हम राजनीति करते हैं और जनता की भलाई और विकास के लिए हम राजनीति करते हैं। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का महाआंदोलन अभियान है। जिसके हम सब कार्यकर्ता हैं। और पार्टी हमें जो काम देती है उसे पूरी प्रामाणिकता, मेहनत और ईमानदारी से हम करते हैं।

अपना चुनाव लड़ने के साथ ही सभी सीटों पर गया- शिवराज

शिवराज सिंह चौहान ने कहा- अपना चुनाव लड़ने के अलावा लगभग सभी लोकसभा की सीटों पर मैं गया हूं, हमने दिन-रात परिश्रम किया है क्योंकि पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को श्रद्धा और भक्ति के भाव से देखता है। देश का अटल और अखंड विश्वास है कि मोदी जी के नेतृत्व में ही भारत विश्व गुरु बनेगा और भौतिकता की अग्नि में दग्ध विश्व मानवता को शाश्वत शांति के पथ का दिग्दर्शन कराएगा और हम सब इसी के लिए काम कर रहे हैं।

छिंदवाड़ा में तेज बारिश, शिवपुरी में ओले गिरे, भोपाल में देर रात हुई रिमझिम बारिश

म.प्र.में आंधी-बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव; तीन दिन ऐसा ही मौसम

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में ओले, बारिश और आंधी का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव हो गया है। रविवार को छिंदवाड़ा में दोपहर 1 बजे के बाद से तेज हवा के साथ रुक-रुक कर बारिश हुई। शिवपुरी के कोलारस में तेज बारिश के साथ ओले गिरे। देवास और मंदसौर में भी पानी गिरा। कहीं-कहीं ओलावृष्टि हुई। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटे में बैतूल के दक्षिण हिस्से, छिंदवाड़ा के उत्तरी हिस्से, सिवनी, सतना, मैहर, रीवा और सीधी में ओले गिरने का अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। हवा की रफ्तार 60 किलोमीटर प्रति घंटा रह सकती है। शिवपुरी के पूर्वी हिस्से, ओरछा (निवाड़ी), टीकमगढ़ में हल्की गरज के साथ बिजली गिरने की संभावना है। खजुराहो (छतरपुर), पन्ना, सिंगरौली, शहडोल, उमरिया, अमरकंटक (अनूपपुर), मंडला, बालाघाट, जबलपुर और डिंडौरी में भी मौसम बदलने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 3 दिन तक दक्षिण-पश्चिमी और दक्षिण-पूर्वी हवाओं के साथ नमी भी आती रहेगी। ऐसा ही मौसम अगले कुछ दिन तक

और रहेगा। 15 मई से सिस्टम कमजोर होने लगेगा। शिवपुरी में दोपहर में मौसम बदला। यहां तेज बारिश होने लगी।

इसलिए बदला मौसम

मौसम विभाग, भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि नॉर्थ वेस्ट के ऊपर एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) है। उत्तर भारत में एक और वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो रहा है। साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन गुजरने की वजह से मध्यप्रदेश में ओले, बारिश, आंधी और आकाशीय बिजली गिरने या चमकने का दौर चल रहा है।

अगले तीन दिन ऐसा रहेगा मौसम...

13 मई: भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर-मालवा, डिंडोरी, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पांढुर्णा में ओले-बारिश का अलर्ट है। वहीं, कटनी, जबलपुर और नरसिंहपुर में 50 से 60 किमी प्रति घंटे की गति से हवा चल सकती है। हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, मंदसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, सतना, अनूपपुर, उमरिया, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी और मैहर में हल्की बारिश हो सकती है।

14 मई: भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर-मालवा, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पांढुर्णा में ओले-बारिश और तेज आंधी का दौर रहेगा। मंदसौर, नीमच, अशोकनगर, सिंगरौली, सीधी, रीवा, सतना, अनूपपुर, मऊगंज, उमरिया, शहडोल, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी और मैहर में बारिश हो सकती है।

15 मई: नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, इंदौर, रतलाम, देवास, मंदसौर, नीमच, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट और पांढुर्णा जिलों में हल्की बारिश का दौर जारी रहेगा।

कार की टक्कर से बाइक सवार 4 लोगों की मौत

मृतकों के परिजन का आरोप- सरपंच पति ने हत्या की, एक दिन पहले हुआ था विवाद

झाबुआ (नप्र)। झाबुआ में स्कॉर्पियो ने बाइक को टक्कर मार दी। बाइक सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक घायल ने दाहोद (गुजरात) के अस्पताल में रविवार सुबह दम तोड़ा।

हादसा राणापुर में कुंदनपुर पुलिस चौकी के पास कालिया कोटड़ी में शनिवार देर रात हुआ। मृतकों के परिजन का आरोप है कि कुशलपुरा सरपंच के पति राकेश डामोर ने जानबूझकर बाइक को टक्कर मारी है। बताया जा रहा है कि एक दिन पहले गांव में दोनों पक्षों में किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। राकेश डामोर का परिवार भाजपा से जुड़ा है। कांग्रेस कार्यकर्ता राकेश डामोर के खिलाफ गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि धारा 302 के तहत मुकदमा दर्ज किया जाए। गांव बुचा डूंगरी

में तनाव देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया है।

पुलिस बोली- पीएम रिपोर्ट के बाद कार्रवाई होगी

राणापुर थाना प्रभारी शंकर सिंह रघुवंशी ने बताया, कालू मेडा (30), वसना डामोर (65) और उसके बेटे अरविन्द (25) ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घायल कमल मेडा (37) को दाहोद के अस्पताल ले जाया गया। उसने रविवार सुबह अपना दम तोड़ दिया। शव का पोस्टमॉर्टम राणापुर शासकीय अस्पताल में कराया गया है। मामले की जांच की रही है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।